नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 188 | नई दिल्ली, बुधवार 04 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

सत्री 3 में विलेन बनेंगे अक्षय .... पेज-12

एक नजर

संवेदनहीन हैं ममता बनर्जी: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर संवेदनहीन होने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए राज्य विधानसभा में दुष्कर्म के दोषी को फांसी देने का विधेयक लाया गया है।

श्री चौहान ने यहां एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा कि सुश्री बनर्जी में कोई संवेदना नहीं बची है। उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई विभत्स घटना से ध्यान भटकाने के लिए यह विधेयक लायी हैं। उन्होंने कहा, ह्लदीदी जवाब दें कि ये कानून पहले क्यों नहीं लाया गया, पहले संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई गई।ह्व उन्होंने कहा कि, केवल ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के कानून बनाने का कोई अर्थ नहीं है।

श्री चौहान ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री से पूछा कि, मेडिकल कॉलेज की घटना में तो अपराधी को फांसी की सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन क्या संदेशखाली की घटनाओं पर शेख शाहजहां जैसे लोग भी फांसी की सजा पाएंगी।संदेशखाली में कई महिलाओं ने शिकायतें की थी और उत्पीड़न की घटनाएं सामने आई थी।

देश में पहली बार विषाणु युद्ध अभ्यास

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने देश में पहली बार राजस्थान के अजमेर जिले में विषाणु युद्ध अभ्यास किया है।

मंत्रालय ने मंगलवार को यहां इसकी जानकारी देते हुए बताया कि यह अभ्यास 27 अगस्त से लेकर 31 अगस्त तक किया गया। राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत यह देश में अपनी तरह का पहला अभ्यास था। इसका उद्देश्य मानव स्वास्थ्य, पशुपालन और वन्यजीव क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बनी राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया टीम की तत्परता और तैयारी का मूल्यांकन करना था।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने अपनी तरह के इस पहले प्रयास की सराहना की है। इस अभ्यास में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस), पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राजस्थान राज्य प्रशासन, राज्य स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस), राज्य पशु चिकित्सा विभाग और राज्य वन विभाग, एम्स जोधपुर बीएसएल-3 लैब, जिला प्रशासन, मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी, जिला पशु चिकित्सा अधिकारी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर और कर्मचारी सहित कई पक्ष शामिल थे।

यह अभ्यास दो मुख्य घटकों प्रकोप के लिए जिम्मेदार विषाणु की जांच और पहचान तथा मानव और पशु आबादी में बीमारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए शुरू की गई कार्रवाई पर केंद्रित रहा।

स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने प्रतिक्रिया की निगरानी की। अभ्यास ने कुछ ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जिनमें और सुधार की आवश्यकता है।

मंत्रालय के अनुसार विषाणु युद्ध अभ्यास एक सफल अभ्यास था, जिसने जूनोटिक रोग प्रकोपों ??के प्रति देश की तैयारी और प्रतिक्रिया को बढ़ाने के लिए भविष्य की रणनीतियों को तैयार करने में अंतर्दृष्टि प्रदान की तथा सभी प्रासंगिक क्षेत्रों में समन्वित और कुशल दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया।

बुलडोजर एक्शन पर हलफनामे ने बदला सुप्रीम कोर्ट का रुख!

योगी सरकार के जवाब से खुश हुआ सर्वोच्च न्यायालय

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। राज्य सरकारों द्वारा आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने के मामले पर बीते दिन सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई और कई सवाल भी उठाए। कोर्ट ने कहा कि कोई भी आरोपी अगर दोषी भी साबित होता है, तो भी उसके घर पर बुलडोजर चलाना किसी भी तरह से जायज नहीं है।

शीर्ष न्यायालय ने ये भी कहा कि अगर कोई किसी अपराध में दोषी पाया जाता है, तो भी बिना कानूनी प्रक्रिया को पूरा किए उसके घर को ढहाया नहीं जा सकता। इस बीच कोर्ट के आदेश के बाद यूपी सरकार ने अपने बुलडोजर एक्शन पर जवाब दाखिल किया। योगी सरकार के हलफनामे को देख सुप्रीम कोर्ट ने उसकी काफी तारीफ की है।

उत्तर प्रदेश में विध्वंस की कार्रवाई की सराहना करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार द्वारा प्रस्तुत हलफनामे का जिक्र करते हुए कहा कि, इसमें कहा गया है कि विध्वंस सख्ती से कानून के अनुसार किया जाएगा। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, किसी भी अचल संपत्ति को सिर्फ इसलिए ध्वस्त नहीं किया जा सकता क्योंकि आरोपी किसी अपराध में शामिल है और ऐसा विध्वंस केवल तभी हो सकता है जब ढांचा अवैध हो।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अदालत में पेश होते हुए मेहता ने मामले में राज्य द्वारा दायर पहले के हलफनामे का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि हलफनामे में कहा गया है कि केवल इसलिए कि किसी व्यक्ति पर किसी अपराध का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया था, कभी भी उसकी अचल संपत्ति को ध्वस्त करने का आधार नहीं हो सकता।

जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि इस तरह के विध्वंस की अनुमति केवल इसलिए नहीं दी जा सकती क्योंकि कोई व्यक्ति किसी अपराध का आरोपी है। कोर्ट ने आगे पूछा कि सिर्फ इसलिए कि (एक व्यक्ति) आरोपी है, तोड़फोड़ कैसे की जा सकती है?

अदालत कथित तौर पर बिना किसी नोटिस के और 'बदले की कार्रवाई' के रूप में की गई तोड़फोड़ के संबंध में दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। ये दोनों याचिकाएं राजस्थान के राशिद खान और मध्य प्रदेश के मोहम्मद हुसैन द्वारा अदालत के सामने दायर की गई थी। उदयपुर के 60 वर्षीय ऑटो-रिक्शा चालक खान ने दावा किया कि 17 अगस्त, 2024 को उदयपुर जिला प्रशासन ने उनके घर को ध्वस्त कर दिया था।

यह उदयपुर में हुए सांप्रदायिक हिंसा के बाद हुई कार्रवाई है, जिसके दौरान कई वाहनों को आग लगा दी गई और बाजार बंद कर दिए गए। अशांति तब शुरू हुई जब एक मुस्लिम स्कूली छात्र ने कथित तौर पर अपने हिंदू सहपाठी को चाकू मार दिया, जिसकी बाद में मौत हो गई, जिसके कारण इलाके में तनाव बढ़ा और निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। खान आरोपी छात्र का पिता है। इसी तरह, मध्य प्रदेश के मोहम्मद हुसैन ने आरोप लगाया है कि राज्य प्रशासन ने उनके घर और दुकान दोनों को गैरकानूनी तरीके से ध्वस्त कर दिया।

कोर्ट ने ये भी स्पष्ट किया की वो किसी भी अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं देगा। मामले की अगली सुनवाई अब 17 सितंबर को होगी।

योगी सरकार ने हलफनामे में क्या कहा?

यूपी की योगी सरकार ने कहा कि प्रदेश में किसी का भी घर बिना कानूनी प्रकिया के नहीं तोड़ा जा रहा। गृह विभाग के विशेष सचिव ने हलफनामे में कहा कि किसी भी अचल संपत्ति को कानूनी प्रक्रिया के तहत की ध्वस्त किया जा सकता है और हम उसी का पालन कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हलफनामे की तारीफ की

सुप्रीम कोर्ट ने योगी सरकार के जवाब पर खुशी जताई और हलफनामे में अपनाए गए रुख की तारीफ की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले के संबंध में पूरे देश के लिए कुछ दिशा-निर्देश जारी करने की बात कही। कोर्ट ने मामले के पक्षकारों के वकीलों से अपने सुझाव भी मांगे।

कोर्ट ने और क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जो भी पक्षकार सुझाव देना चाहते हैं वो मध्य प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता नचिकेता जोशी के ईमेल आईडी sr.adv.nachiketajoshi@gmail.com पर भी भेजें।

योगी के बुलडोजर से मायावती को एतराज

संगठित अपराध पर नकेल कसने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार की बुलडोजर की कार्रवाई पर एतराज जताते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को कहा कि अदालत के आदेश के मुताबिक ही बुलडोजर का इस्तेमाल किया जाना चाहिये। उन्होने यह भी कहा कि आपराधिक तत्वों पर कार्रवाई कानून के दायरे के तहत ही होना चाहिये और आपराधिक तत्वों अथवा उनके रिश्तेदारों पर बुलडोजर की कार्रवाई होने की बजाय उन अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिये जो पीड़ितों को सही न्याय नहीं देते हैं। सुश्री मायावती ने एक्स पर सिलेसिलेवार पोस्ट में कहा देश में आपराधिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई कानून के तहत होनी चाहिए तथा इनके अपराध की सजा उनके परिवार व नजदीकी लोगों को नहीं मिलनी चाहिए। यह सब हमारी पार्टी की रही सरकार ने कानून द्वारा कानून का राज स्थापित करके भी दिखाया है।

पद्म पुरस्कार-2025 के लिए नामांकन 15 सितंबर तक खुले

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2025 के लिए नामांकन 15 सितंबर तक खुले हैं। इच्छुक प्रतिभागी राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर जाकर अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित, इन पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत 'उत्कृष्ट कार्य' के लिए सम्मानित किया जाता है। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों व विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों व सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी सेवक, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी सेवक भी शामिल है, पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं हैं।

सरकार पद्म पुरस्कारों को 'पीपल्स पद्म' बनाने के लिए कटिबद्ध है। अतः सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे नामांकन व सिफारिशें करें। नागरिक स्वयं को भी नामित कर सकते हैं। महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग व्यक्तियों और समाज के लिए निस्वार्थ सेवा कर रहे लोगों में से ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान करने के ठोस प्रयास किए जा सकते हैं जिनकी उत्कृष्टता और उपलब्धियां वास्तव में पहचाने जाने योग्य हैं।

नामांकन व सिफारिशों में पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें वर्णनात्मक रूप में एक उद्धरण (अधिकतम 800 शब्द) शामिल होना चाहिए, जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र व अनुशासन में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों व सेवा का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया हो।

बंगाल सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक पेश किया

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के खिलाफ हुए विशाल विरोध प्रदर्शनों और सीबीआई जांच को लेकर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार चौतरफा घिरी हुई है। इस बीच ममता सरकार पश्चिम बंगाल की विधानसभा में 'अपराजिता बिल' लेकर आई जिसे विधानसभा में पारित कर दिया गया। यह बिल भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में बलात्कार तथा बाल यौन उत्पीड़न के मामलों में दंड को और कठोर बनाने और इससे जुड़े प्रावधानों को संशोधित करने का प्रस्ताव है। मंगलवार को विधानसभा में भारी हंगामे के बीच यह बिल पारित किया गया। बिल के पारित होने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जो काम पीएम मोदी की सरकार ने नहीं किया, वह हमने कर दिखाया है। उन्होंने इस बिल को ऐतिहासिक बताया है। आइए जानते हैं अपराजिता बिल के प्रावधानों के बारे में।

बिल बीएनएस की धारा 66 में भी संशोधन का प्रस्ताव करता है, जिसके तहत रेप के बाद पीड़िता की मौत हो जाने या उसे संकटपूर्ण अवस्था में डालने के लिए केंद्र के कानून 20 साल की जेल, उम्रकैद और मौत की सजा का प्रावधान है। ऐसी स्थिति में अपराजिता बिल इसके लिए केवल मौत की सजा तक सीमित कर दिया गया। गैंगरेप मामलों से संबंधित धारा 70 में 20 साल की जेल के विकल्प को समाप्त कर दिया गया है और इसके लिए उम्रकैद की सजा या मौत की सजा का प्रावधान किया गया है।

अपराजिता बिल में बीएनएस की धारा 66 में भी बदलाव करने का प्रस्ताव है। बीएनएस की धारा 66 के तहत रेप के बाद पीड़िता की मौत हो जाने या उसे संकटपूर्ण अवस्था में डाल 20 साल की जेल, उम्रकैद और मौत की सजा का प्रावधान है। वहीं अपराजिता बिल में इस तहर के कृत्य के लिए केवल मौत की सजा देने का प्रस्ताव है, वहीं गैंगरेप मामलों से संबंधित बीएनएस की धारा 70 में 20 साल की जेल के विकल्प को समाप्त कर इसे उम्रकैद की सजा या मौत की सजा का प्रावधान किए जाने का प्रस्ताव दिया गया है।

अपराजिता बिल के प्रमुख प्रावधान

अपराजिता बिल में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में कई धाराओं में संशोधन का प्रस्ताव है। बीएनएस के तहत रेप के दोषी को 10 साल की कठोर जेल की सजा दी जाती है, उम्रकैद तक बढ़ाया जा सकता है। बंगाल की विधायिका इस सजा को उम्रकैद और जुमार्ना या मौत तक बढ़ाने का प्रस्ताव करती है। इसके अलावा, जुमार्ना ऐसा होना चाहिए जो पीड़िता की चिकित्सा और पुनर्वास लागतों को पूरा कर सके।

क्या अपराजिता बिल पर लगेगी राष्ट्रपति की मुहर?

इस बिल को पश्चिम बंगाल विधानसभा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्ष दोनों का समर्थन प्राप्त हुआ है, लेकिन इसे लागू करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी की आवश्यकता होगी। उल्लेखनीय है कि क्रिमिनल लॉ संविधान की समवर्ती सूची में आता है, इसलिए राज्य विधानसभा द्वारा पारित कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ही लागू किया जा सकता है। वहीं राष्ट्रपति केंद्रीय मंत्री परिषद के सलाह पर काम करते हैं। अब केंद्र यह तय करेगा कि यह बिल कानून बने या नहीं।

इजरायली सेना का वेस्ट बैंक में सबसे घातक हमला

हमास के 8 लड़ाकों सहित 37 लोगों की मौत

गाजा। गाजा और वेस्ट बैंक में इजरायली सेना का अब तक का सबसे घातक ऑपरेशन जारी है। इजरायली सेना यहां जमीन से लेकर आसमन तक हमला कर रही है। सोमवार को इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक के जेनिन शहर में कई फिलिस्तीनियों के घर जमींदोज कर दिए। इसके साथ ही सड़कों को भी उखाड़ दिया। आईडीएफ के मिलिट्री ऑपरेशन में अब तक हमास के 8 लड़ाकों सहित 37 लोग मारे गए हैं।

इजरायली सेना का कहना है कि वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनी बस्तियों में हमास के कई लड़ाके छिपे हुए हैं। इसके साथ ही यहां हमास के मददगार भी रह रहे हैं, जिनके खिलाफ ये कार्रवाई की जा रही है। वहीं यहां रहने वाले फिलिस्तीनियों का कहना है कि उनके बस्तियों में कोई हमास का लड़ाका नहीं हैं। सभी आम लोग हैं। इजरायली सेना बेवजह उन लोगों को निशाना बना रही है। उन्हें जान से मार रही है।

इजरायली डिफेंस फोर्सेस ने हमास के एक बड़े कमांडर सहित आठ लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। मारे गए लड़ाकों में दाराज तुफाह बटालियन में नुखबा कंपनी के कमांडर अहमद फोजी नजर मुहम्मद वाडिया और हमास की पैराग्लाइडिंग यूनिट के सदस्य शामिल हैं। 7 अक्टूबर को वाडिया ने पैराग्लाइडर का इस्तेमाल करके नेटिव हाअसारा के लोगों पर हमला किया और वहां जमकर नरसंहार किया था।

वेस्ट बैंक में पिछले एक हफ्ते से जारी इजरायली सैन्य अभियान में अब तक 29 फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। इजरायली सेना का दावा है कि मारे गए ज्यादातर हमास के लड़ाके हैं, वहीं फिलिस्तीनियों का कहना है कि मारे गए सभी आम फिलिस्तीनी हैं। अरब-इजरायल जंग के दौरान इजरायल ने फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया था और ये कब्जा अबतक बरकार है।

इजरायली सेना ने सोमवार को गाजा शहर के अल जिटौन में स्थित सफद स्कूल पर हवाई हमला करके तबाह कर दिया। इस हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ये हमला जबरदस्त था। इसका अंदाज स्कूल के मलबों और चारों तरफ उठे धूल मिट्टी के गुबार ले लगाया गया। हमले के बाद लोग राहत बचाव में लगे रहे। लोगों को निकालने की कोशिश की गई।

गाजा शहर के इस स्कूल सैकड़ों विस्थापित फिलिस्तीनियों ने शरण लिया हुआ है। इजरायल का ये हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब संयुक्त राष्ट्र के पोलियो टीकाकरण अभियान के लिए हमास और इजरायल थोड़े समय के लिए सहमत हुए हैं। अल ज़िटौन इलाके में भी टीकाकरण अभियान चल रहा है। आईडीएफ ने रफाह में भी कई घरों को उड़ा दिया। करीब 11 महीने से हमास और इजरायल के बीच जंग जारी है।

मोदी का ब्रुनेई पहुंचने पर भव्य स्वागत

ब्रुनेई दारुस्सलाम/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्रुनेई और सिंगापुर की तीन दिन की अपनी यात्रा के पहले चरण में मंगलवार को यहां पहुंचे।

उनके ब्रुनेई दारुस्सलाम पहुंचने पर ब्रुनेई के युवराज हाजी अल मोहतादी बिलाह ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। बंदर सेरी बेगवान हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री के स्वागत में युवराज बिलाह के अलावा, सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने वहां सम्मान गारद का निरीक्षण भी किया।

श्री मोदी ब्रुनेई की द्विपक्षीय यात्रा करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जबकि दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

भारत के अधिकारियों ने कहा है कि श्री मोदी की पूर्व के देशों के साथ काम करने की 'एक्ट ईस्ट' नीति में ब्रुनेई का एक महत्वपूर्ण स्थान है। दोनों देशों के संबंध, परस्पर मित्रतापूर्ण हैं और दोनों देश द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर दोनों एक-दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करते हैं और एक-दूसरे के विचारों को समझते हैं। दोनों देशों के ऐतिहासिक सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंध सदियों पुराने हैं। श्री मोदी बुधवार को ब्रुनेई से सिंगापुर जायेंगे।

ईडी का आरोप-अमानतुल्ला ने 'अवैध तरीके से अर्जित' नकदी का लेनदेन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्ला खान ह्यअवैध रूप से अर्जित' धन का लेनदेन करने के साथ ही दिल्ली में एक अचल संपत्ति की खरीद के लिए उक्त नकदी के इस्तेमाल में संलिप्त थे।

संघीय एजेंसी ने ओखला से विधायक खान को सोमवार को उनके घर की तलाशी लेने के बाद गिरफ्तार किया। उन्हें उसी दिन एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें चार दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। एजेंसी ने उन पर मामले में "सहयोग नहीं करने" और "जांच से बचने" का भी आरोप लगाया तथा दावा किया कि उन्हें भेजे गए 14 सम्मन में से वह केवल एक बार ही जांच अधिकारी के समक्ष पूछताछ और बयान दर्ज कराने के लिए पेश हुए।

आप विधायक के खिलाफ धनशोधन का मामला दो प्राथमिकी से उपजा है जिनमें से एक दिल्ली एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक शाखा) द्वारा और दूसरी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा 2016-

2021 तक दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान कथित अनियमितताओं की जांच के लिए दर्ज की गई थी।

ईडी और सीबीआई ने उन पर दिल्ली वक्फ बोर्ड (डीडब्ल्यूबी) में ग्रुप सी और डी कर्मचारियों की नियुक्ति में अवैधता में लिप्त होने, सरकार को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने के अलावा डीडब्ल्यूबी की संपत्तियों के किरायेदारी आवंटन में उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में अपने आधिकारिक पद का कथित "दुरुपयोग" करने का आरोप लगाया है। खान की पार्टी ने उनका पुरजोर बचाव करते हुए दावा किया है कि भाजपा के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उनके अन्य नेताओं की तरह उन्हें भी "झूठे" मामले में फंसाया गया है।

ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच में पाया गया है कि खान के निदेशों के तहत, उनके कथित सहयोगियों जीशान हैदर और दाउद नासिर ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान "गलत तरीके से अर्जित" उनके धन का प्रबंधन किया और इन पैसों का इस्तेमाल कौसर इमाम सिद्दीकी नामक एक व्यक्ति के माध्यम से दिल्ली के ओखला इलाके में 275-276, टीटीआई तिकोना पार्क में जावेद इमाम सिद्दीकी की संपत्ति की खरीद के वास्ते नकद भुगतान करने के लिए किया।

ईडी ने दावा किया, "जावेद इमाम सिद्दीकी और उसकी पत्नी के बैंक खातों में भारी मात्रा में नकदी जमा की गई थी और जब्त की गई डायरी में कौसर इमाम सिद्दीकी द्वारा हस्तलिखित नोट तिकोना पार्क में उक्त संपत्ति की खरीद के लिए अमानतुल्ला खान की ओर से किए गए उसी नकदी लेनदेन से संबंधित है।" इसने कहा कि खान को 14 समन जारी किए गए थे, लेकिन वह केवल एक समन (अप्रैल में) पर पेश हुए, वह भी उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर।

एजेंसी ने कहा कि उसने समन का पालन न करने के लिए स्थानीय अदालत में दो शिकायतें दायर की हैं। ईडी ने कहा कि एक जनवरी को जारी समन के लिए, खान ने जवाब दिया कि वह गणतंत्र दिवस के चलते पेश नहीं हो पाएंगे। फिर, अगले तीन समन के लिए, उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की और इसे पेश नहीं होने के बहाने के रूप में इस्तेमाल किया। उसने कहा कि 16 फरवरी को जारी अगले समन के लिए, उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

एजेंसी ने कहा कि इस रिट याचिका के खारिज होने के बाद, वह अगले तीन समन पर पेश नहीं हुए और कहा कि उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में भी अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। एजेंसी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को "खारिज" कर दिया और खान को जांच में सहयोग करने और 18 अप्रैल को पेश होने का निर्देश दिया, जो उन्होंने किया और जांच में सहयोग करने की प्रतिबद्धता जतायी। एजेंसी ने कहा कि हालांकि, उन्होंने "सहयोग नहीं किया" और एक या दूसरे बहाने से जांच से "बचना" शुरू कर दिया।

एजेंसी ने कहा कि जब 19 अप्रैल को समन जारी किया गया, तो खान ने अपनी मां की खराब सेहत का हवाला दिया और 10 दिन का समय मांगा। एजेंसी ने कहा कि खान को वह समय दिया गया और 1 मई को पेश होने के लिए कहा गया। एजेंसी ने कहा कि हालांकि, वह लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने की अपनी प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए उस तारीख को पेश नहीं हुए। ईडी ने कहा कि अगले दो समन के लिए, उन्होंने अपनी खराब सेहत को पेश नहीं होने का कारण बताया और चार सप्ताह के लिए स्थगन मांगा।

एजेंसी ने कहा कि उसने चार सप्ताह बाद उन्हें 8 जुलाई को फिर से तलब किया लेकिन उन्होंने अपनी बीए के पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा का हवाला देते हुए चार सप्ताह के लिए स्थगन मांगा। ईडी ने बताया कि जब 26 जुलाई को आखिरी समन जारी किया गया था तो उन्होंने स्थगन के लिए अपनी सास की खराब सेहत का हवाला दिया था।

एजेंसी ने इस मामले में जनवरी में यहां एक विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष एक आरोपपत्र भी दायर किया था और इसमें जीशान हैदर, दाउद नासिर, कौसर इमाम सिद्दीकी और जावेद इमाम सिद्दीकी को आरोपी बनाया गया था।

एक नजर

ऑपरेशन कवच के तहत 961 ड्रग तस्कर धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ ह्यऑपरेशन कवच के तहत पुलिस ने इस साल 31 अगस्त तक 961 नार्को अपराधियों को गिरफ्तार किया है। नशे पर नकेल कसने के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस के विभिन्न जिलों और इकाइयों द्वारा यह अभियान भारत सरकार के ह्यनशामुक्त भारत के तहत चलाया जा रहा है। ऑपरेशन कवच के तहत पुलिस ने इस साल 31 अगस्त तक 65.086 किलोग्राम हेरोइन, 1.912 किलोग्राम कोकीन, 2258.379 किलोग्राम गांजा, 102.345 किलो अफीम, 42.606 किलो चरस और 73.06 किलोग्राम खसखस बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने 695 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले भी दर्ज किए हैं। इसके पहले मई, 2023 में पूरी दिल्ली में इस ऑपरेशन के दौरान नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया गया था।

एक दिन में 325 स्थानों पर छापामारी : खासबात यह है कि इस अभियान के तहत महज एक दिन में दिल्ली के 15 जिलों में 325 स्थानों पर छापामारा गया। इस दौरान बड़ी मात्रा में ड्रग्स की बरामदगी के साथ 66 एनडीपीएस मामलों में 74 नार्को-अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। ऑपरेशन के दौरान करीब 108.93 किलोग्राम हेरोइन, 66.28 किलो गांजा, 1100 ग्राम चरस, 16 ग्राम एमडीएमए बरामद किया है। इसके अलावा, दिल्ली आबकारी अधिनियम के कुल 54 मामले भी दर्ज किए गए, जिसमें 54 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई।

दक्षिणी दिल्ली में चिकित्सा केंद्र में आग लगी, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में मंगलवार को सुबह एक चिकित्सा केंद्र में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, पुलिस नियंत्रण कक्ष को सुबह साढ़े नौ बजे मालवीय नगर के पास खिड़की एक्सटेंशन में लामा चिकित्सा केंद्र में आग लगने की सूचना मिली। अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल की पांच गाड़ियों को भेजा गया और आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी के मुताबिक, शुरूआती जांच में पता चला है कि बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी, लेकिन जांच जारी है।

दिल्ली हिंसा मामले में बाप-बेटे आरोप मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हिंसा से जुड़े एक मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में मिठुन सिंह और उसके बेटे जॉनी कुमार को आरोप मुक्त कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपियों की घटनास्थल पर उपस्थिति को साबित नहीं किया जा सका है। इस कारण इन्हें आरोप मुक्त करार दिया जाता है। एडिशनल सेशन जज पुलस्त्य प्रमाचल खजूरी खास इलाके में दिल्ली हिंसा के दौरान हुए मामले की सुनवाई कर रहे थे। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, 25 फरवरी 2020 को मोमिना बेगम के घर में भीड़ ने हमला कर दिया और लूटपाट मचाई। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार मिठुन सिंह ने बेटे जॉनी कुमार को दुकानें बंद कर आग लगाने के लिए कहा। अदालत ने कहा कि दोनों आरोपी अन्य मामलों में भी पुलिस हिरासत में रहे हैं। वर्तमान मामले में पीड़ितों के अतिरिक्त किसी अन्य स्वतंत्र गवाह को अभियोजन पक्ष पेश नहीं कर सका है। ऐसे में अदालत दोनों आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए आरोपमुक्त करती है।

पंजाबी बाग में गैंबलिंग के अड्डे पर रेड, 7 आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिला की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने गैंबलिंग के अड्डे पर छापा मार करके सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मौके से एक लाख से ज्यादा रुपये, 260 प्लेइंग कार्ड और 400 टोकन बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई पंजाबी बाग थाना के अरिहंत नगर इलाके में पुलिस टीम ने की। पश्चिमी जिले के डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि कांस्टेबल नवीन को एक सूचना मिली थी कि अरिहंत नगर में देर रात गैंबलिंग का अड्डा चलाया जाता है। अलग-अलग इलाकों से लोग वहां इकट्ठा होते हैं। उस सूचना पर एसीपी ऑपरेशन अरविंद कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर मनीष चौधरी की टीम ने कंफर्म किया और फिर वहां पर छापा मारकर सात आरोपितों को मौके से पकड़ा। किराए पर कमरा लेकर यह गैंबलिंग का अड्डा चलाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार इस अड्डे को जयदेव पार्क के रहने वाले कारण बिष्ट द्वारा चलाए जा रहा था। यहां रोजाना आधा दर्जन से ज्यादा लोग इकट्ठा होकर अड्डे पर पहुंचते थे। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपित मोती नगर, अशोक विहार, विकासपुरी, टैगोर गार्डन, जयदेव पार्क और पश्चिम पुरी दिल्ली के रहने वाले हैं। आगे की कार्रवाई पुलिस के द्वारा की जा रही है।

गांजा तस्करी के मामले में एक आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने गांजा की तस्करी के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। इसके पास से डेढ़ किलो से ज्यादा फाइन क्वालिटी का गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान लवली कुमार के रूप में हुई है। यह बिहार के खगड़िया का रहने वाला है। मध्य जिले के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया कि यह शख्स कमल टी पॉइंट से जखीरा की तरफ जा रहा था। इस दौरान एक जानकारी पुलिस को मिली और वहां पर इंस्पेक्टर रोहित कुमार की टीम ने छापा मारकर इसको जखीरा फ्लाईओवर पर रोकने की कोशिश की। यह पुलिस को देखकर भागने लगा, लेकिन कुछ दूरी के बाद पुलिस टीम ने इस दबोच लिया। पूछताछ में इसकी पहचान की गई और इसके पास से कुल 1 किलो 828 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके खिलाफ आनंद पर्वत थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया गया। आगे की कार्रवाई पुलिस टीम के द्वारा की जा रही है।

हेड कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर पुलिस कॉलोनी में एक हेड कांस्टेबल ने देशी कट्टे से खुद को गोली मार ली। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल कर्मी को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक हेड कांस्टेबल की पहचान विकास चौधरी के रूप में हुई है। शुरूआती जांच में पता चला है कि हेडकांस्टेबल ने अपने फ्लैट में देसी कट्टे से अपने सिर में गोली मारी, जिससे उनकी जान चली गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक हेड कांस्टेबल डिप्रेशन में चल रहा था, जिसकी वजह से उन्होंने आत्महत्या कर ली। घटना मंगलवार सुबह की है।

पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी में पुरानी रंजिश के कारण 'इलेक्ट्रिशन' की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में पुरानी रंजिश के कारण एक व्यक्ति ने बिजली का कार्य करने वाले 24 वर्षीय एक व्यक्ति की जांघ में कथित तौर पर चाकू घोंप दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार को कल्याणपुरी के ब्लॉक 18 की है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (पूर्व) अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि एक सितंबर को पुलिस को सूचना मिली कि रोहित नाम के व्यक्ति को जांघ पर चाकू लगने के घाव के साथ लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने शातिर बदमाश को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। ख्याला थाना के रघुवीर नगर पुलिस चौकी की टीम ने संदीप नेपाली गैंग के एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान लखन उर्फ लक्खा के रूप में हुई है। यह पहले से मर्डर के मामले में शामिल है। इसके पास से चोरी की स्कूटी, मोटरसाइकिल और बटनदार चाकू बरामद किया गया है।

पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि हेड कांस्टेबल विक्रम को आरोपित के बारे में सूचना मिली थी। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने छानबीन शुरू की और पूरी जानकारी इकट्ठा होने के बाद एसीपी तिलक नगर सुरेंद्र सिंह राठी की देखरेख में एसएचओ विनोद अहलावत, चौकी इंचार्ज सुदीप पूनिया की टीम ने ट्रैप लगाकर रघुवीर नगर के बी-3 पुलिया के पास इसको देर रात दबोच लिया।

हालांकि पुलिस टीम को अचानक देखकर यह घबरा गया और भागने की कोशिश किया, लेकिन अलर्ट पुलिस टीम ने भागने का मौका नहीं दिया। जिस स्कूटी से यह जा रहा था, वह हरि नगर से चोरी की निकली। तलाशी में बटनदार चाकू मिला और इसकी निशानदेही पर एक और मोटरसाइकिल बरामद की गई। इसकी गिरफ्तारी से ख्याला, हरि नगर और विकासपुरी थाने के तीन मामलों का खुलासा किया गया है। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि यह छठी क्लास तक की पढ़ाई करने के बाद ही गलत संगत में पड़ गया और ईजी मनी कमाने के लिए इस गोरखधंधे में फंस गया। इसी दौरान गैंगस्टर की लाइफ स्टाइल को देखकर यह प्रभावित हो गया और इसने संदीप नेपाली गैंग ज्वाइन कर लिया।

'आप' नेताओं को गिरफ्तार करने के बाद भी दिल्ली के विकास को नहीं रोक पाई भाजपा : आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा विधानसभा क्षेत्र के एक स्कूल में नए शैक्षणिक ब्लॉक के उद्घाटन के अवसर पर आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी की तीखी आलोचना की।

आतिशी ने कहा कि भाजपा ने सोचा था कि आम आदमी पार्टी के नेताओं को जेल में डालकर दिल्ली सरकार के कार्यों को रोका जा सकेगा। लेकिन उनके हर प्रयास के बावजूद अरविंद केजरीवाल की सरकार की गतिविधियां निरंतर चल रही हैं। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सतेंद्र जैन को गिरफ्तार कराया, लेकिन वे दिल्ली की शिक्षा, स्वास्थ्य क्रांति, नए फ्लाईओवर और मोहल्ला क्लीनिक जैसी योजनाओं को रोकने में असफल रहे। आज

पुरानी सीमापुरी में दो नए शैक्षणिक ब्लॉकों का उद्घाटन किया गया, जिसमें 76 नए कमरे, एक पुस्तकालय, नौ प्रयोगशालाएं, दो प्रिंसिपल रूम और एक लिफ्ट शामिल हैं।

भाजपा की आलोचना करते हुए आतिशी ने कहा कि भाजपा के प्रहारों का जवाब आम आदमी पार्टी स्कूलों, मोहल्ला क्लीनिकों और नई सड़कों के माध्यम से देती है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि गोवा में कांग्रेस के बहुमत के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने विधायक तोड़कर सरकार कैसे बनाई, कर्नाटक, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में क्या हुआ। आतिशी ने यह भी बताया कि दिल्ली एमसीडी में ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि गैरकानूनी तरीके से चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की गई। मेयर के चुनाव के समय भी इसी तरह की कोशिश की गई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पूरा किया गया।

आतिशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में लोकतंत्र को कमजोर करने का डीएनए है, लेकिन वे कितनी भी कोशिश कर लें, लोकतंत्र और संविधान को समाप्त नहीं कर सकते।

हरियाणा में गठबंधन के बारे में राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस के नेताओं से राय मांगे जाने पर उन्होंने कहा कि इसका जवाब कांग्रेस के नेता देंगे। गठबंधन पर निर्णय तब होगा जब अरविंद केजरीवाल बाहर आएंगे। दिल्ली में महिलाओं की असुरक्षा के संदर्भ में आतिशी ने कहा कि दिल्ली पुलिस की नाकामी के कारण महिलाओं को जगह-जगह असुरक्षित महसूस हो रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी दोनों से दिल्ली की महिलाओं को सुरक्षा देने, कानून-व्यवस्था ठीक करने और पुलिस व्यवस्था सुधारने की अपील की।

मुखर्जी नगर ज्वेलरी शोरूम फायरिंग मामले में टीचर सहित 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। 24 अगस्त को नॉर्थ वेस्ट दिल्ली के मुखर्जी नगर में सहगल ज्वेलरी शोरूम पर फायरिंग हुई थी। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर एक टीचर समेत चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने फायरिंग कर ज्वेलर से एक करोड़ की रंगदारी मांगी थी। और न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे इलाके में डर और दहशत का माहौल बना हुआ था।

सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि किस तरीके से बदमाश हाथ में पिस्टल लहराता हुआ शोरूम के बाहर आया। उसने फायरिंग की और फिर एक कागज फेंककर फरार हो गया। इस पर्ची में लिखा था कि एक करोड़ रुपए दे दो, वरना अंजाम भुगतना पड़ेगा। साथ ही कागज में भी कंपनी और एसोसिएट का नाम लिखा था। बी मतलब बवाना गैंग यानी नीरज बवानिया। बी मतलब नवीन बाली बी मतलब भोला और बी मतलब बबीता। इन चार बदमाशों के नाम उस गैंग में लिखे हुए थे, जो दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर है।

एक टीचर समेत चार लोग गिरफ्तार: पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर एक टीचर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान हरेंद्र हेमंत निक्की बिधूड़ी और एक अन्य के रूप में हुई है। इसमें हेमंत नाम का व्यक्ति है, जो पेशे से टीचर है। ये इस पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड है। बताया जा रहा है कि वह अंडरवर्ल्ड में दिलचस्पी दिखाने लग गया था और इसी के चलते वह पहले जेल भी जा चुका है। इसकी मुलाकात कई बड़े नामी गैंगस्टर से भी हुई है। वहीं, अन्य आरोपियों के नाम जग्गू, संपत नहरा, विजय मान हैं।

मां की मौत का बदला लेने के लिए नाबालिग ने मोमोज दुकानदार की कर दी हत्या, हिरासत में आरोपी

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार इलाके में 15 साल के किशोर ने अपनी मां की मौत का बदला लेने के लिए मोमोज दुकानदार की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने किशोर को हिरासत में ले लिया है। डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि मृतक की पहचान 35 वर्षीय कपिल के तौर पर हुई है।

डीसीपी ने बताया कि सोमवार रात हेड गवार अस्पताल से कपिल नाम के युवक को चाकू मारे जाने और घायल हालत में हॉस्पिटल में भर्ती कराए जाने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। पूछताछ में पता चला कि प्रीत विहार मेट्रो स्टेशन के पास कपिल घायल हालत में मिला था। राहगीरों ने उसे हेडगवार अस्पताल में भर्ती कराया था। पुलिस ने क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम से भी घटनास्थल का निरीक्षण कराया। इस बीच कपिल की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई।

डीसीपी ने बताया कि हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में पता चला कि कपिल जगत पुरी इलाके में मोमोज की दुकान चलाता था और उसकी पत्नी के नेपाल लौटने के बाद वह अकेला रहता था। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खांगला गया, जिससे आरोपी की पहचान हो गई और 15 वर्षीय आरोपी को पकड़ लिया गया। उसने हत्या करने की बात कबूल कर ली है। उसकी निशानदेही पर इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद कर लिया गया है।

मां की मौत का बदला: आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि आरोपी मां के साथ कपिल की मोमोज शॉप में कम करता था। लगभग एक महीने पहले मोमोज दुकान में बिजली के झटके से आरोपी के मां की मौत हो गई थी। आरोपी किशोर को लगता था कि उसकी मां की मौत के लिए मृतक कपिल जिम्मेदार है। अपनी मां की मौत का बदला लेने के लिए आरोपी ने किशोर की चाकूओं से गोदकर कपिल की बेरहमी से हत्या कर दी।

शिक्षा विभाग में डीडीई लेवल के अफसरों में बड़ा फेरबदल, कुछ अफसरों को मिली खास जिम्मेदारियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग में डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन लेवल के अफसरों को लेकर कई बड़े बदलाव किए गए हैं। कुछ डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन के रिटायर होने के बाद उनकी जिम्मेदारियां भी दूसरे डिप्टी डायरेक्टरों को एडिशनल के तौर पर दी गई है। साथ ही कई उप-शिक्षा निदेशक के कार्यों में थोड़ा बदलाव कर उनको और कई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

शिक्षा निदेशालय के एडिशनल शिक्षा निदेशक (एडमिन) की तरफ से 2 सितंबर को एक आदेश जारी किया गया है, जिसमें 8 डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन (डीडीई) और एक प्रिंसिपल प्रमुख रूप से शामिल हैं। ये सभी मौजूदा जिम्मेदारी संभालने के साथ-साथ अब दूसरी नई जिम्मेदारियां भी संभालेंगे। इन सभी के वर्किंग में

बदलाव की एक बड़ी वजह ये भी है कि एक एडिशनल शिक्षा निदेशक और दो डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन रिटायर हो गए हैं।

आदेश में नौ अधिकारियों को दिया गया 'एडिशनल चार्ज': अफसरों के रिटायर होने के बाद शिक्षा निदेशालय ने अब उनकी जिम्मेदारी अलग-अलग जोन के लिए दूसरे डीडीई को वर्तमान के साथ 'एडिशनल चार्ज' के साथ दी है। सक्षम प्राधिकारी के आदेशों पर इन सभी उप-शिक्षा निदेशकों को बिना किसी एक्स्ट्रा रैम्यूनरेशन (अतिरिक्त मानदेय) की नई अतिरिक्त जिम्मेदारियां तत्काल प्रभाव से संभालने के आदेश भी दिए गए हैं।

डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन मोहिंदर पाल को कई अहम जिम्मेदारियां: आदेशों के अनुसार डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन (समग्र शिक्षा) मोहिंदर पाल को एडिशनल शिक्षा निदेशक उधम सिंह कुर्मी के रिटायर होने के चलते उनकी कई अहम जिम्मेदारियां का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। इसके अलावा डीडीई अनिल कुमार, साउथ बेस्ट बी-क्क को साउथ डीडीए की एडिशनल जिम्मेदारी दी गई है। यह जिम्मेदारी एके त्यागी (डीडीई) के रिटायर होने के बाद दी गई है। इसी तरह से अशोक कुमार (डीडीई) के सेवानिवृत होने के बाद सुरेश चंद मीणा, डीडीए नॉर्थ ईस्ट-क्क को डीडीई साउथ ईस्ट की भी जिम्मेदारी दी गई है।

अतिरिक्त प्रभार के साथ जारी की गई नई सूची: नॉर्थ ईस्ट-क डीडीई सुधा सिंह को वेस्ट-बी (डीडीई) का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। वेस्ट-बी (डीडीई) के साथ साउथ वेस्ट-क्क डीडीई का अतिरिक्त प्रभार राजवीर सिंह, नॉर्थ ईस्ट-क का अतिरिक्त प्रभार ईस्ट पीके त्यागी सौंपा गया है। इसके अलावा डीडीई (साइंस एंड टीवी) के साथ आईईबी, डीडीए (पैक एंड एडल्ट एजुकेशन सेल), डीडीई पीईसी, स्कूल ऑफ एजुकेशन सेल आदि के साथ अब डीडीई (ईस्ट) का भी एडिशनल चार्ज संभालेंगे। डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन जोन-क्क भगवती स्वरूप अग्रवाल को नॉर्थ ईस्ट-क्क की जिम्मेदारी भी दी गई।

परविंदर कुमार प्रिंसिपल को भी डीडीई (समग्र शिक्षा) का अतिरिक्त प्रभार: जारी आदेश में कोर ब्रांच के ओएसडी परविंदर कुमार प्रिंसिपल को भी डीडीई (समग्र शिक्षा) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। उनकी जिम्मेदारी को बढ़ाते हुए उनको कोविड डॉक्यूमेंटेशन के लिए नोडल ऑफिसर और स्कूल एजुकेशन विभाग और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के लिटरेसी से ह्यूमन इंटरेस्ट से जुड़ी स्टोरी आदि के लिए भी जिम्मेदारी दी गई है।

केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार जेल से रिहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को स्वाति मालीवाल पर हमले के मामले में जमानत मिलने के बाद मंगलवार को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि कुमार को जेल संख्या पांच से अपराह्न दो बजे रिहा किया गया, जहां वह तीन महीने से अधिक समय से बंद थे। उच्चतम न्यायालय ने कुमार को सोमवार को जमानत दी थी और कहा था कि वह 100 दिन से अधिक समय से हिरासत में हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने इस तथ्य को भी संज्ञान में लिया कि अभियोजन पक्ष ने 51 से अधिक गवाहों से पूछताछ का प्रस्ताव रखा है।

बकाया भुगतान को लेकर सहारा मीडिया कार्यालय पर कर्मचारियों का प्रोटेस्ट

गेट पर मीडिया हेड सुमित राय और सहारा ग्रुप के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 11 स्थित सहारा मीडिया कार्यालय आजकल धरना-प्रदर्शन का केंद्र बना हुआ है। भुगतान को लेकर कभी गेट पर निवेशक आ धमकते हैं तो कभी सहारा मीडिया के कर्मचारी। वैसे तो सहारा के हर ऑफिस में कर्मचारियों में आक्रोश है पर सहारा मीडिया कार्यालय पर तो आये दिन बवाल होता रहता है।

मंगलवार को बड़ी संख्या में सहारा मीडियाकर्मी मीडिया कार्यालय पहुंचे। आंदोलनकारियों ने मीडिया हेड सुमित राय और सहारा ग्रुप के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलन में मुख्यतः स्वप्न कुमार दास, सचिन स्वर्णकार, प्रीति पांडे, कविता राज पाठक, देवेंद्र कुमार, अबू दानिश, रोहित पोखरियाल, रोहित कुमार, ललित भट्ट, नईम खान आदि ने सहारा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपने भुगतान के लिए आवाज बुलंद की।

जानकारी मिल रही रही कि आंदोलन कर रहे प्रत्येक कर्मचारी का सहारा पर 8-10 लाख रुपए पर है। कुल पैसा दस करोड़ के आसपास बताया जा रहा है। जानकारी मिल रही है कि नोएडा के मीडिया कार्यालय पर बड़ा आंदोलन हो सकता है। सहारा मीडिया कर्मियों के साथ ही सहारा निवेशक भी अपने भुगतान के लिए बड़े आंदोलन की रणनीति बना रहे हैं।

दरअसल सहारा मीडिया में भुगतान के लिए आये दिन धरना-प्रदर्शन होता रहता है। यह आंदोलन सहारा मीडिया परिसर में और गेट के बाहर भी देखने को मिलता रहता है। पिछले साल नवम्बर में ऑल इंडिया जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के बैनर तले भुगतान के लिए गेट पर धरना-प्रदर्शन किया गया था । उससे पहले उपेंद्र राय के मीडिया हेड रहते हुए चंद्र किशोर यादव नाम का लोकल निवेशक अपने तीन करोड़ रुपये की मांग करते हुए गेट पर धरना देकर बैठ गया था। आज की तारीख में सहारा मीडिया के कर्मचारी अपने भुगतान को लेकर आंदोलनरत हैं। कुछ ही दिन के अंतराल में ये कर्मचारी कई बार गेट पर आकर अपना आक्रोश व्यक्त कर चुके हैं।

दरअसल सहारा मीडिया में आंदोलन की शुरूआत तब हुई थी जब सहारा सेबी विवाद में सहारा के चेयरमैन सुब्रत राय तिहाड़ जेल में बंद थे। उस समय सहारा मीडिया में बकाया वेतन के लिए तीन बार आंदोलन हुआ था। आंदोलनकारियों ने सहारा परिसर में टेंट गाड़ दिया था। सहारा मीडिया के सबसे पहले आंदोलन में न केवल नोएडा बल्कि लखनऊ, पटना, गोरखपुर, देहरादून, कानपुर समेत लगभग सभी मीडिया की यूनिटें ठप्प कर दी गई थीं। आंदोलनकारी तिहाड़ जेल में जाकर सुब्रत राय को खरी-खोटी सुनाकर आये थे। उसके बाद सहारा मीडिया परिसर में आंदोलन होता ही रहता है। स्थिति यह है कि अधिकतर पुराने कर्मचारी या तो संस्था छोड़कर चले गये हैं या फिर उन्हें निकाल दिया गया है। सहारा पैसा किसी का देने को तैयार नहीं।

है तो लेखपाल आर्डर मानता है पत्रकारों का

नजीबाबाद। नजीबाबाद तहसील के अंतर्गत किरतपुर में तैनात शहरी लेखपाल किरतपुर के पत्रकारों की हाथों का खिलौना बना हुआ है। उसे राजस्व विभाग के उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश की कोई परवाह नहीं है, बल्कि किरतपुर में जो पत्रकार स्थानीय स्तर पर मिट्टी भरान, पेड़ कटान एंव अन्य छोटे-मोटे कार्यों पर नजर रखे हुये हैं या कहीं ना कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संलिप्ता रहती है, ऐसे पत्रकार लेखपाल के कंधे पर बंदूक रखकर निशाना साध रहे हैं। लेखपाल है कि अतिरिक्त के चक्कर में पत्रकारों के हाथों का खिलौना बन गया, उसे इस बात से कोई लेना देना नहीं है कि कार्य उसके क्षेत्र में है या क्षेत्र से है, बस अपने अतिरिक्त के चक्कर में ऐसी जगह पर जहां वह बेबस हो जाते हैं वहां जब इनका काम नहीं बनता तब ऐसे पत्रकार लेखपाल का सहारा लेते हैं। क्योंकि लेखपाल नये आया है और वह अभी उन पत्रकारों के मंसूबों से परिचित नहीं हैं, जिनका एक नारा है 'अपना काम बनता भाड़ में जाये जनता' वह शहरी लेखपाल को झांसे में ले रहे हैं और लेखपाल हैं कि कुछ पत्रकारों के झांसे में फंस रहे हैं। किरतपुर में तैनात शहरी लेखपाल पत्रकार के एक मोबाइल काल पर ऐसे भागा चला जाता है, मानो जैसे तहसील से एसडीएम या तहसीलदार का फोन आया हो, किसी सरकारी जमीन पर कब्जा हो या कहीं कटान है, भरान है, लेखपाल ऐसे खड़ा रहता है जैसे पत्रकार ना हो सामने राजस्व विभाग से सम्बंधित उच्चाधिकारी है और उसे उसका आदेश मानना जरूरी है। ऐसे लगता है जैसे, है लेखपाल आर्डर मानता पत्रकारों का। बेचारे लेखपाल को यह नहीं मालुम इससे पूर्व लेखपाल इन पत्रकारों के झांसे में फंसकर क्षेत्र बदलवा चूके हैं।

पत्नी के मंहगी शराब पीने के शौक ने पति को बनाया चोर, गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। पत्नी को महंगी शराब पीने का शौक और पति के पास छोटी–मोटी नौकरी करने वाले पति को पत्नी की शौक को पूरा करने के लिए दुकानों से लेकर शराब ठेकों के ताले तोड़ कर चोरी करने की लत लग गई। जिसे पति के इस काम में पत्नी भी उसका साथ देने लगी और खुद भी अपने एक और साथी आटो रिक्शा चालक के साथ जाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देने लगी। जिन्होंने पिछले दिनों सेक्टर-135 के देशी शराब ठेके का ताला तोड़ कर चोरी की थी। पुलिस ने उनके पास से चोरी किए गए 25 हजार रुपये व घटना में इस्तेमाल पिंक आटो व ताला तोड़ा वाला संबल बरामद किया है।

एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि अगस्त माह में एक्सप्रेस वे थाना क्षेत्र के एक शराब ठेके में चोरी हुई थी। जिसका एक विडियो भी वायरल हुआ था। जिसमें चोर एक आटो में सवार होकर आए थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की जांच पड़ताल शुरू की और फिर एक टीम एसीपी शैव्या गोयल की अगुवाई में चोर की तलाश शुरू की गई। मुखबिर से जानकारी मिलते ही पुलिस ने तीनों को वाजिदपुर पुश्ता कट के नीचे से गिरफ्तार किया। इनकी पहचान तिगरी थाना बिसरख निवासी सूरज उर्फ करन उसकी पत्नी काजल व पेशे से आटो चालक कुलदीप चौहान हुई है। तीनों के पास से 25 हजार रुपए नगद बरामद किए गए। जांच में पता चला कि सूरज पर गाजियाबाद में कई चोरी के केस दर्ज है। वहीं कुलदीप का पुलिस आपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है।

एसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि पूछताछ में चला कि आठ साल पहले काजल सेक्टर-63 की एक कंपनी में काम करती थी। सूरज आटो चलाता था। जहां कंपनी में आने जाने के दौरान उसका परिचय काजल से हो गया और फिर जानपहचान प्यार में बदल गई। काजल महंगी शराब और नशा करने की आदि है। उसका शौक पूरा करने के लिए सूजर ने पैसों के इंतजाम के लिए चोरियां करनी शुरू कर दी। तीन साल पहले दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया। जिनकी एक साल की बच्ची भी है। काजल ने महंगे शौक को पूरा करने के लिए पिछले एक साल से सूरज के साथ चोरी करना शुरू कर दिया। एडीसीपी ने बताया कि ये कुलदीप के ऑटो में बैठकर रात में निकलते थे। रास्ते में कोई पूछ ले तो पति पत्नी होने पर कोई शक नहीं करता था। दुकान की रेकी करते थे। रेकी करने बाद एक सब्बल से ये दुकान का ताला तोडकर उसके अंदर जाते और वहां रखा कैश चोरी कर फरार हो जाते थे। काजल के पास सारा पैसा रहता था। यही पैसों को तीन हिस्से में बांट देती थी। ये तीनों इसलिए बचते रहे कि पति पत्नी के भेष में इन पर कोई शक नहीं करता था।

धर्मकांटा ऑपरेटर को गोली मारकर घायल करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। सूरजपर कोतवाली ग्रेटर नोएडा पुलिस ने धर्मकांटा ऑपरेटर को गोली मारकर घायल करने वाले दो बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी लूटपाट की घटनाओं को भी अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार, एक बाइक, चोरी का मोबाइल फोन और चार सोने की चेन, और लूट के 60 हजार रुपये बरामद किए है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भट्टा गोलचक्कर के पास सर्विस रोड़ से पुलिस ने बाइक सवार दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों की पहचान पुलिस ने कठहैड़ा गांव निवासी दीपक पुत्र पीतम और श्यामवीर पुत्र फकीरचंद के रुप में की है। एडीसीपी सेंट्रल नोएडा हृदेश कठेरिया ने बताया कि पकड़े गए बदमाश राहगीरों से मोबाइल, आभूषण और नगदी लूट लिया करते थे। ?यहां तक की विरोध करने पर गोली भी मार दिया करते थे।

पकड़े गए बदमाशों ने 29 अगस्त को जैतपुर गांव के पास स्थित ओम धर्म कांटा के ऑपरेटर को गोली मारकर घायल कर दिया था। रॉग साइड आ रहे एक कैंटर चालक के साथ में उनकी कहासुनी हुई थी। कैंटर चालक धर्मकांटा पहुंच गया था और उसने ऑपरेटर को कहासुनी के बारे में बताया था। बीच-बचाव में आए धर्मकांटा ऑपरेटर को गोली मारकर आरोपी फरार हो गए। गोली दीपक ने मारी थी और बाइक श्यामवीर चला रहा था।

गोली मारने के बाद दोनों ने अपने एक अन्य साथी सोनू के साथ मिलकर बीटा-2 कोतवाली क्षेत्र की मार्केट पहुंचे। जहां उन्होंने दो अलग-अलग स्थानों पर सोने की चेन लूट ली थी। जिन्हें दिल्ली में एक व्यक्ति को 1 लाख 30 हजार रुपये में बेच दिया था। दीपक के कब्जे से 60 हजार रुपये पुलिस ने बरामद कर लिए है। इन बदमाशों के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर के कई थानों में लूट, डकैती, छिनैती, चोरी आदि के कई मुकदमा दर्ज है।

पलवल : विवाहिता ने जहर खाकर दी जान, मुकदमा दर्ज

पलवल, एजेंसी। पलवल में तीन बच्चों की मां ने ससुराल पक्ष की महिलाओं के तानों व मारपीट से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। हसनपुर थाना पुलिस ने महिला के पिता की शिकायत पर मृतका की सास व दो देवरानियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।

परशुराम कॉलोनी पलवल निवासी मांगे राम शर्मा ने दी शिकायत में कहा कि उसने अपनी 30 वर्षीय बेटी पिंकी की शादी दस वर्ष पहले भैंडोली गांव निवासी पींकू के साथ की थी। शादी के बाद उसकी बेटी ने एक लड़की व दो लड़कों को जन्म दिया। आरोप है कि 12 अगस्त को नौ बजे उसे सूचना मिली कि पिंकी के साथ उसकी सास मीना व देवरानी मोनू पत्नी हरिओम व पूजा पत्नी अंकित मारपीट कर रहीं थीं, जिसके चलते पिंकी ने कोई जहरीला पदार्थ पी लिया है।

पिंकी के ससुराल वाले घर से भाग गए, तो उसके पड़ोसियों ने पिंकी को उपचार के लिए होडल अस्पताल में दाखिल कराया। पिंकी की हालत नाजुक देखते हुए होडल, पलवल व फरीदाबाद के कई अस्पतालों में दाखिल कराया, लेकिन एक सितंबर को देर शाम पिंकी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। दो सितंबर को पिंकी के शव को निजी अस्पताल से जब उसका पति पीकूं अपने गांव ले जा रहा था। जिसकी सूचना उसने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को दी।

भाजपा कार्यकर्ता ने सांसद चंद्रशेखर आजाद और उनके समर्थकों पर लगाए गंभीर आरोप

ऋषि तिवारी

नोएडा। भाजपा कार्यकर्ता और वाल्मीकि समाज के सदस्य रविंद्र प्रधान वाल्मीकी ने मंगलवार को नोएडा मीडिया क्लब में प्रेसवार्ता किया और उन्होंने एक वीडियो संदेश के माध्यम से सांसद चंद्रशेखर आजाद और उनके समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रधान का दावा है कि चंद्रशेखर आजाद के इशारे पर 400-500 गुंडों ने गौतमबुद्ध नगर के साफ सफाई कामगारों पर बेरहमी से हमला किया है।

रविंद्र प्रधान ने कहा कि यह कायराना हरकत दलित समाज के हितों को कमजोर करने की साजिश है, लेकिन वाल्मीकि समाज इससे डरने वाला नहीं है। रविंद्र प्रधान ने वीडियो संदेश में चंद्रशेखर आजाद और उनके समर्थकों को चेतावनी दी है कि वाल्मीकि समाज के इतिहास को जानने की कोशिश करें, क्योंकि यह वही समाज है जिसे मुगल साम्राज्य भी नहीं हरा सका। उन्होंने जोर देकर कहा कि वाल्मीकि और वंचित दलित समाज अपने हक के लिए लड़ाई लड़ते रहेंगे और आरक्षण का अधिकार हासिल करेंगे।

सरकार पर भरोसा

प्रधान ने यह भी कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने वंचित दलित समाज के पक्ष में फैसला सुनाया है, तो कई बड़े दलित नेता इसके विरोध में खड़े हो गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सफाई कर्मचारियों का रोजगार ठेकेदारी पर किया गया, तब कोई दलित नेता विरोध में आगे क्यों नहीं आया। उन्होंने अंत में विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उन्हें न्याय मिलेगा।

26 किलो गांजा के साथ 3 गिरफ्तार, मुकदमा दर्ज

पलवल, एजेंसी। पलवल में सीआईए की टीम ने पलवल-अलीगढ़ रोड पर तीन युवकों को बुलेट बाइक पर तस्करी के लिए उत्तर प्रदेश से हरियाणा लाए जा रहे 3 लाख 22 हजार 584 रुपए कीमत के 26 किलो 882 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए की शिकायत पर चांदहट थाना पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपियों से पूछताछ के बाद जहां से गांजा खरीदकर लाए थे, उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

सीआईए के एएसआई मुबारिक अली ने चांदहट थाना में दी तहरीर में कहा है कि उनकी टीम गश्त पर चांदहट गांव के चौराहे पर थी। उसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) के बाजोता गांव निवासी विकाश उर्फ गोलू व शिवम तथा कैलाश नगर पलवल निवासी सेलेंद्र गांजा बेचने का अवैध धंधा करते है। तीनों बुलेट बाइक पर यूपी से गांजा लेकर पलवल आने वाले हैं। सूचना पर सीआईए की टीम ने रहीमपुर यमुना पुल पर नाकेबंदी शुरू कर दी।

उसने बताया कि नाकाबंदी के कुछ देर बाद यूपी की तरफ से एक बुलेट बाइक पर तीन युवक आते दिखाई दिए, जिनके पास दो प्लास्टिक के कट्टे थे। लेकिन पुलिस को देखकर उन्होंने अपनी बाइक वापस यूपी की तरफ मोड़ दी और भागने लगे। उनकी टीम ने तीनों को मौके पर काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से बरामद प्लास्टिक कट्टों में गांजा भरा हुआ था। सीआईए की टीम ने मौके पर डीएसपी महेंद्र वर्मा को सूचना देकर बुला लिया।

उनकी मौजूदगी में कट्टों का वजन कराया तो उनका वजन 26 किलो 882 ग्राम था। जिसकी बाजार में कीमत करीब 3 लाख 22 हजार 584 रुपए है। नशा तस्करों से जब गांजा लाने के स्त्रोत के बारे में पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) के बाजोता गांव निवासी विनोद है। सीआईए की टीम ने विनोद के ठिकाने पर दबिश देकर उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

एक नजर

रामा एजुकेशन एमएससी होम साइंस का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा

किरतपुर। रामा इंस्टीट्यूट आफ हायर एजुकेशन का एम एस सी होम साइंस चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। फूड एण्ड न्यूट्रिशन में आरफीन नाज ने 76 प्रतिशत प्रथम, दामिनी 74 प्रतिशत प्रतिशत द्वितीय एंव उजमा ने 72 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जबकि ह्यूमन डवलपमेंट में दानिया मिर्जा ने 77 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, आफरीन ने 75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय व फरहीन ने 74 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कालेज के निदेशक डा० भूपेन्द्र सिंह, प्राचार्य डा० डबलेश कुमार, उपप्राचार्य डा० रवीश कुमार, प्रो० डा० सीडी शर्मा ने विभागाध्यक्ष प्रीति चौहान, रचना चौधरी, मोनिका सिंह, रुबी पालीवाल, जैनब आदि को परीक्षा परिणाम का श्रेय दिया एंव उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बलात्कार पीड़िता ने आरोपी पर लगाया अदालत परिसर में धमकाने का आरोप

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक बलात्कार पीड़िता ने मामले के आरोपी पर उसे अदालत परिसर में धमकाने का आरोप लगाया है। सूरजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि दिल्ली की रहने वाली एक युवती ने रविवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके साथ राहुल नागर नाम के व्यक्ति ने 2023 में बलात्कार किया था और उसने इस मामले में बिसरख थाने में मामला दर्ज कराया है।

युवती के अनुसार, वह 30 अगस्त को इस मामले के सिलसिले में अदालत में वकील से मिलने गई थी और जब वह अदालत से बाहर निकल रही थी, राहुल नागर अपने दो साथियों के साथ वहां आया और उसने उसे धमकाया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे इस मामले में गवाही देने पर जान से मार देने, उसका अश्लील वीडियो सार्वजनिक कर देने और उस पर तेजाब फेंक देने की धमकी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में एक किशोरी को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में मंगलवार को एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सेक्टर-39 पुलिस थाने के प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि केशव कुमार ने 11 माह पूर्व सेक्टर-37 की निवासी 17 वर्षीय किशोरी को 'बहला-फुसलाकर' अगवा कर लिया था जिसे कुछ दिन पहले बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि मेडिकल परीक्षण के बाद किशोरी से कथित तौर पर दुष्कर्म किए जाने की पुष्टि हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को आज गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अंतरंग फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में पूर्व प्रेमी गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में एक युवक को सोशल मीडिया पर अपनी प्रेमिका की अंतरंग तस्वीरें और वीडियो डालने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता ने सोमवार रात सेक्टर-39 थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने के लिए नोएडा आई थी और इस दौरान संचित यादव नामक युवक के साथ उसकी दोस्ती हो गई। अधिकारी के अनुसार, शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया कि संचित ने शादी का झांसा देकर उसके साथ अंतरंग संबंध बनाए और फिर इन पलों की तस्वीरें तथा वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दिए। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने बोटैनिकल गार्डन में पीड़िता के साथ अश्लील हरकत भी की। सेक्टर-39 थाने के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

कार चालक ने कई वाहनों को मारी टक्कर, विरोध करने पर दो भाइयों को धमकाया

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-37 स्थित वाणिज्यिक परिसर में एक कार चालक ने कथित तौर पर कई वाहनों को टक्कर मार दी और जब दो भाइयों ने इसका विरोध किया तो चालक ने उन्हें धमकी दी तथा दुर्व्यवहार भी किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार शाम सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के सेक्टर-37 गोदावरी परिसर की है और अंकुर राघव नाम के युवक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

संबंधित थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने शिकायत के हवाले से बताया कि वह (शिकायतकर्ता) अपनी कार से परिसर में आए थे और जब वह तथा उनका भाई खड़े होकर बातचीत कर रहे थे तभी सफेद रंग की एक पोलो कार से आये एक युवक ने उनकी कार तथा वहां खड़े अन्य वाहनों को टक्कर मार दी। थाना प्रभारी ने बताया कि जब पीड़ित ने कार चालक के समक्ष विरोध दर्ज कराया तो तो उसने दोनों भाइयों को धमकी दी। सिंह बताया कि शिकायत के आधार पर सेक्टर-41 निवासी नितीश गुप्ता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

जिला अदालत की चौथी मंजिल से गिर कर वकील की मौत

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद की जिला अदालत की चौथी मंजिल से कथित तौर पर गिर कर मंगलवार को एक वकील की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना आज सुबह करीब साढ़े नौ बजे सेक्टर-12 स्थित जिला अदालत परिसर की है और मृतक की पहचान अजरौंदा गांव के निवासी महेश (50) के रूप में हुई है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि स्थानीय पुलिस को सुबह घटना के संबंध में सूचना मिली थी जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया। उन्होंने बताया कि पेशे से वकील महेश आज सादे कपड़ों में ही अदालत पहुंचे थे। घटना की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा चश्मदीदों के बयान लिये जा रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा, ह्यह्यइसका खुलासा नहीं हुआ है कि महेश ने खुद छलांग लगाई या किसी ने धक्का दिया है।ह्ल पुलिस ने बताया कि अभी परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

निगम ने चलाया अभियान, राजनीतिक नारों को मिटाया

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता के चलते फरीदाबाद में चुनाव आयोग एक्शन मोड में नजर आ रहा है। प्रशासन ने फरीदाबाद के कई इलाकों से न केवल सड़कों पर लगे पोस्टरों को हटा दिया, बल्कि अब दीवारों पर किए गए चुनावी प्रचार की पेंटिंग को भी सफेदी से पोता जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

69000 शिक्षक भर्ती : अभ्यर्थियों के समर्थन में आईं मायावती, बोलीं - नियुक्ति पत्र जारी न करना उनके साथ अन्याय

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का समर्थन करते हुए कहा है कि नियुक्ति पत्र जारी न करना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने कहा कि शिक्षकों को यह आश्वासन दिया गया है कि उच्च न्यायालय के आदेश का सरकार द्वारा पूर्ण रूप से अनुपालन किया जाएगा। उसके तहत नियुक्ति पत्र जारी किये जाएंगे। इस आश्वासन के बाद अभी तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं करना उनके साथ अन्याय है। सरकार इस पर अमल करे। बता दें कि अभ्यर्थी नियुक्ति पत्र सहित अपनी कई मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को अभ्यर्थियों ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया और नारेबाजी की। मंगलवार को अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार के मंत्री आशीष पटेल का आवास घेरा और नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कई अभ्यर्थियों की तबीयत भी बिगड़ गई।

बरेली में फर्जी पुलिसवाला गिरफ्तार : झांसा देकर 12 महिला सिपाहियों की लूटी आबरू

बरेली। खाकी वर्दी पहनकर एक शातिर युवक ने ऐसे कारनामों को अंजाम दिया, जिसका खुलासा होने पर पुलिस अफसर हैरान रह गए। शातिर ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर एक-एक कर कई महिला सिपाहियों को जाल में फंसाया। झांसा देकर उनके साथ संबंध बनाए। उनसे रुपये भी वसूले। बरेली में एक महिला सिपाही की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। लखीमपुर खीरी के निवासी राजन वर्मा नाम के शख्स ने पुलिसवालों से धोखा खाने के बाद ऐसा बदला लिया, जिसे सुनकर आप दांतों तले अंगुलिया दबा लेंगे। उसने 12 महिला सिपाहियों को एक-एक कर अपने जाल में फंसाया और उनसे अनैतिक संबंध बनाकर लाखों रुपए ऐंठता चला गया। आरोपी ने बताया कि पुलिस भर्ती के नाम पर एक सिपाही ने उसे ठगी कर ली थी। इसके बाद वह महिला सिपाहियों को निशाना बनाने लगा।

बरेली के एक थाने में तैनात महिला पुलिसकर्मी को भी राजन वर्मा ने अपने जाल में फंसाया। झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी की सच्चाई पता चलने पर महिला सिपाही ने सबक सिखाने की ठान ली। महिला सिपाही ने राजन के खिलाफ कोतवाली में दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली पुलिस ने राजन को गिरफ्तार कर लिया है।

सीओ सिटी प्रथम पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी बेहद शातिर है। उसके खिलाफ लखीमपुर मे पहले से ही कुछ मुकदमे दर्ज हैं। उसने कई महिला पुलिसकर्मियों को धोखा दिया है, लेकिन एफआईआर बरेली की महिला सिपाही ने ही दर्ज कराई है। उसके मोबाइल में वर्दी पहने उसके कई फोटो मिले हैं। जांच में पता चला है कि आरोपी 12 महिला सिपाहियों को धोखा दे चुका है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

राजेश वर्मा ने संभाला राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार, सभी सदस्यों ने गृहण किया पदभार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नए अध्यक्ष राजेश वर्मा ने मंगलवार को औपचारिक रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। यह नियुक्ति राज्य के पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्यों, जातियों के सम्मेलन और रक्षा उपायों से संबंधित शिकायतों के समाधान और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए योजनाएं बनाने के उद्देश्य से की गई है।

इस अवसर पर राजेश वर्मा के साथ उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल और सदस्यों के रूप में मेला राम पवार, वासुदेव मौर्य, विनोद यादव, शिवमंगल बियार, लक्ष्मण सिंह, डॉ. मुराहू राजभर, प्रमोद सैनी, करूणा शंकर पटेल, रामशंकर साहू, विनोद सिंह और कु. ऋचा राजपूत ने भी अपने-अपने पदों का कार्यभार संभाला।

कार्यभार ग्रहण करने के दौरान उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री जसवन्त सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ मिश्रिख के सांसद अशोक रावत, सचिव राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग मनोज कुमार सागर, जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, पूर्व विधायक सुनील वर्मा और अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधि भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर मौजूद थे।

बच्चियों से अश्लीलता के आरोपी शिक्षक की विभागीय जांच शुरू, बीएसए ने बीईओ को दिए जांच के आदेश

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में बीएसए दीपिका गुप्ता ने छात्राओं से अश्लीलता करने वाले आरोपी शिक्षक के विरुद्ध जांच बैठा दी है। खंड शिक्षाधिकारी कुरावली को जांच के आदेश दिए हैं। दो दिन में जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया है। कुरावली विकास खंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय परमकुटी पर तैनात शिक्षक नरेंद्र कुमार पर वहां की छात्राओं ने अश्लीलता करने के आरोप लगाए हैं। सोमवार को छात्राओं की शिकायत पर शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस की कार्रवाई के बाद शिक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। जानकारी होते ही बीएसए दीपिका गुप्ता ने शिक्षक की कार्यशैली और मामले में लगे आरोपों की जांच की जिम्मेदारी खंड शिक्षाधिकारी कुरावली माजुद्दीन अंसारी को सौंपी है। बीएसए दीपिका गुप्ता ने खंड शिक्षाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि शिक्षक पर लगे आरोपों की गहनता से जांच की जाए। छात्र-छात्राओं से अलग से बात की जाए। विद्यालय में तैनात अन्य स्टाफ से भी बात की जाए। वहीं बीएसए ने मामले में प्रधानाध्यापक पर लगाए गए आरोपों की भी जांच के आदेश दिए हैं। बीएसए दीपिका गुप्ता ने कहा कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही शिक्षक के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सदस्यता अभियान : मिस्ड कॉल से बूढ़े तो नहीं बन रहे युवा मोर्चा के सदस्य?, घर-घर जाकर वैरीफिकेशन करेंगे भाजपाई

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की टीम को पूरे प्रदेश में दो करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य मिला है। इसमें मिस्ड कॉल से सदस्य बनाए जाने हैं। युवाओं को ही जोड़ा जाना है, मगर कहीं मिस्ड काल से कोई बूढ़ा व्यक्ति तो सदस्य नहीं बन रहा है इसकी जांच के लिए भाजपाइयों की एक टीम घर-घर जाकर स्थलीय सर्वे कर रिपोर्ट देगी। भाजयुमो ने सदस्यता अभियान शुरू कर दिया है। अब कैंप लगाकर लोगों को जोड़ा जाएगा। इसके अलावा मिस्ड कॉल से कोई 45 वर्ष से ऊपर का व्यक्ति को सदस्यता नहीं ले रहा है, इसका वैरीफिकेशन भी भाजपा की टीम घर-घर जाकर करेगी। एक सितंबर को टीएफसी में हुई कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने कहा था कि भले ही लोग मिस्ड कॉल से जुड़ेंगे। मगर, हमें सभी के घर पहुंचना और खुद से जांचना है कि जिस नाम से जो व्यक्ति मिस्ड कॉल से जुड़ा है, वो वही है। पार्टी नेताओं ने बताया कि अभियान शुरू हो गया है और सदस्य बनने के बाद टीम वेरिफिकेशन के लिए घर-घर जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदस्यता लेकर सदस्यता अभियान की शुरूआत की। इसे संगठन पर्व सदस्यता अभियान-2024 का नाम दिया गया। सोमवार को पहले दिन गुलाब स्थित महानगर कार्यालय पर सभी मोर्चों पर विभागों के 100 पदाधिकारियों ने सदस्यता ग्रहण की।

सशस्त्र सैन्य समारोह: सीएम योगी बोले- सशस्त्र बल मात्र रक्षा ढांचा नहीं, यह सुरक्षा की मजबूत नींव भी है

लखनऊ। सशस्त्र बल केवल एक रक्षा ढांचा मात्र नहीं है बल्कि यह हमारी राष्ट्र की सुरक्षा की एक मजबूत नींव भी है, इसे हमें याद रखना चाहिये। हमारे वीर जवान अपनी जान की परवाह किए बगैर देश की सेवा में तत्पर रहते हैं। यही वजह है कि वह जनमानस के मन में राष्ट्र नायक के रूप में सम्मान प्राप्त करते हैं। हमें गर्व है कि हमारे पास ऐसी सक्षम और समर्पित सेना है, जो हर स्थिति में देश की सुरक्षा करने में सक्षम है।

भारत की सेना दुनिया की अद्वितीय सेना है, जिसने सदैव अपनी ताकत, अनुशासन और तकनीकी क्षमता का लोहा न केवल दुश्मनों को मनवाया है, बल्कि देश के अंदर भी सम और विषम दोनों परिस्थितियों में एक सकारात्मक भूमिका के साथ कार्य करते हुए अपना उत्कृष्टतम प्रदर्शन और सहयोग दिया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सशस्त्र सैन्य समारोह में कही। उन्होंने कहा कि इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एकीकृत कमान, जिसमें थल, नभ और जल तीनों सेनाएं आपसी समन्वय से आसानी से कैसे दुश्मन को परास्त कर विजय प्राप्त करती हैं, उसकी एक झलक हम सबने यहां देखी है।

वीर सैनिकों और नारी के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत के बहादुर सैनिकों की सजगता का ही परिणाम है कि आज विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भारत पूरी मजबूती के साथ अपनी सीमाओं की सुरक्षा करने और बड़े से बड़े षड्यंत्र को असफल करने में सक्षम हुआ है।

हमारे बहादुर जवानों का शौर्य और पराक्रम 140 करोड़ भारतवासियों को आश्वस्त करता है। यह हमारा सौभाग्य है कि उत्तर प्रदेश वीरों की भूमि है। देश की सुरक्षा के लिए हर युद्ध में हमारे नौजवानों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने अपने शौर्य और पराक्रम से देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार सेवारत, सेवानिवृत्ति सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। देश की सीमाओं की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों के परिजनों को राज्य सरकार 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि, सैनिक परिवार के एक सदस्य को उत्तर प्रदेश शासन की शासकीय सेवा में समायोजित करने और शहीद सैनिक की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए उनके स्मारक के साथ उनके नाम पर किसी संस्था का नामकरण करने का कार्य भी कर रही है। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तेजी के साथ आगे बढ़ा है।

फरवरी 2018 में लखनऊ में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी। उसमें से एक उत्तर प्रदेश में 6 नोड पर स्थापित हो रहा है। प्रदेश सरकार ने इन 6 के 6 नोड पर रक्षा मंत्रालय के साथ बेहतरीन तालमेल स्थापित करते हुए कार्य को आगे बढ़ाया है।

भारत की ही धरती पर होगा आधुनिकतम उपकरण और तकनीक का विकास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में राजधानी लखनऊ में डीआरडीओ ब्रह्मोस और झांसी नोड में भारत डायनामिक्स लिमिटेड द्वारा दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्थापित करने की कार्रवाई तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। इन परियोजनाओं से देश की सैन्य शक्ति मजबूत होगी और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी बल मिलेगा। आधुनिकतम उपकरण और तकनीक का विकास भारत की ही धरती पर होगा, जिससे हमारी सेवा और भी मजबूत होगी। राष्ट्र रक्षा के इन प्रयासों में उत्तर प्रदेश सदैव अग्रणी भूमिका का निर्वहन करेगा।

उन्होंने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर से प्रदेश के युवाओं को व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर भी सुलभ हो रहे हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फरवरी 2020 में डिफेंस एक्सपो का सफल आयोजन किया गया। डिफेंस एक्सपो निवेश की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। उत्तर प्रदेश में डिफेंस सेक्टर से संबंधित एचएएल, ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड आदि पहले से ही कार्यरत हैं। वहीं इसके विस्तार को लेकर राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सैन्य समारोह हमारे समाज और युवा पीढ़ी को एक नई प्रेरणा प्रदान करेगा। सशस्त्र सैन्य समारोह के माध्यम से आम जनमानस को सेना के सामर्थ्य और देश की सुरक्षा में हमारे सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान को समझने का एक अवसर प्राप्त होगा। इसके लिए तीनों सशस्त्र बलों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

तेज धमाके के साथ दुकानों में लगी आग, लाख का सामान जलकर राख

मऊ मऊ जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के अदरी बाजार में मंगलवार की भोर में एक भवन में चल रहे फास्ट फूड की दुकान और जनरल स्टोर में आग लग गई। जिससे दोनों दुकान में रखे करीब पांच लाख रुपये नकदी सहित करीब 20 लाख का सामान जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी रही। दुकान में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका।

यह है मामला...जानकारी के मुताबिक कोपागंज थाना क्षेत्र के अदरी नगर पंचायत निवासी गुलाम कौशर की शहीद मार्ग अदरी में कौशर जनरल स्टोर नाम से दुकान थी। उसी दुकान के ठीक ऊपर एक फास्ट फूड की भी दुकान थी। दुकानदार ने बताया कि वह पिछले पांच साल से दुकान चला रहा था। बताया कि सोमवार की देर रात करीब 11 बजे वह दुकान बंद कर अपने घर गया था।

मंगलवार की भोर में करीब चार बजे उसे जानकारी मिली की दुकान में आग लग गई है। जानकारी मिलने के बाद जब वह दुकान पर पहुंचा तो वहां दुकान से आग की तेज लपटे निकल रही थीं। आग की तेज लपटों को देखकर वहां लोगों की भीड़ लग गई। कुछ देर बाद पुलिस और फायर बिग्रेड की टीम भी पहुंच गई।

स्थानीय लोगों की मदद से करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जब तक दुकान की आग पर काबू पाया गया, तब तक दुकान में रखे चार डीप फ्रीजर, काउंटर, केक, कोल ड्रिंक, पेटीज और पूरा सामान जलकर राख हो गया।

दुकानदार गुलाम कौशर ने बताया कि दुकान में बीस लाख से ज्यादा का सामान था। करीब पांच लाख रुपये नकद थे, जिसे भुगतान के लिए रखा था।

मृतक के परिजनों से मिले सांसद करण भूषण सिंह दिया जल्द आर्थिक सहायता व न्याय का आश्वासन

लाचार व बेसहारा हुए परिवार की डेढ़ महीने बाद आयी सांसद को याद, उचित कार्रवाई का दिया आश्वासन

गोंडा/बाराबंकी (ऊ प्र)। डेढ़ महीने बाद आज कैसरगंज सांसद करण भूषण सिंह ने अपने क्षेत्र के ग्राम दूबे पुरवा, आटा पंचायत, परसपुर में मृतक करन मिश्रा के शोक संतप्त परिवार व उनके वृद्ध एवं बीमार पिता दिनेश मिश्रा जो आंशिक रूप से विकलांग भी हैं, से मुलाकात की। उन्होंने घर पहुंच कर विस्तृत में मृतक, घटना व परिवार की स्थिति के बारे में हाल खबर ली व कुशलक्षेम जाना।

प्रधान, ग्राम एवम क्षेत्र वासियों ने मुफलिस परिवार के लिए सांसद जी से निवेदन कर वृद्ध, बीमार, बेसहारा, विकलांग पिता व माता के लिए आर्थिक सहायता व न्याय मांग पत्र सौंपा जिसपर सांसद जी ने परिवार की आर्थिक सहायता व न्याय दिलवाने का आश्वाशन दिया। यहां तक मुफलिस व लाचार परिवार के द्वार पर सांसद जी के बैठ बिठाव व चाय नाश्ते की व्यवस्था भी मौजा कोटेदार, प्रधान व चेयरमेन ने की। परिवार की स्थिति आदि जान शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो ऐसे परिवार की सहयाता के लिए मानवीयता के मद्देनजर आगे न आए जिसका इकलौता जवान पालक पुत्र दुर्घटना की भेंट चढ़ गया हो। पत्र में भी पारिवारिक स्थिती व उनके जीवनयापन के लिए सांसद जी से आर्थिक सहायता के लिए प्रधान, ग्राम एवम क्षेत्र वासियों की तरफ से बेसहारा लाचार बीमार पिता व माता

के लिए सांसद जी निधि कोष से तत्काल एक करोड़ की आर्थिक सहायता की मांग की।

मामला है बाराबंकी स्थित मसौली थाने के अंतर्गत आने वाले रा. राजमार्ग 927 का जहां गत 17 जुलाई कोमें हुई तीस वर्षीय इकलौते नवयुवक परिवार पालक करन मिश्रा की दुर्घटना में मौत का है जब वृद्ध बीमार पिता माता बेसहारा हो गया, बहने भाई का अंतिम बार मुख भी न देख पाई व इस रक्षा बंधन से न तो भाई का हाथ रहा न साथ।

कहने को तो यह राष्ट्रीय राजमार्ग है लेकिन जरवल से लखनऊ तक इसकी व्यवस्था जगल के रास्ते से कम नहीं है जिस पर न तो स्ट्रीट लाइट, डिवाइडर, सीसीटीवी कैमरा या स्पीडो मीटर आदि जैसी कोई व्यवस्था है लेकिन टोल (मौत) की पर्ची जरूर कटती है। परिवार के लिए उस काले दिन की दुर्घटना एवं परिवार की स्थिति जान जब प्रशासन व कोई भी नेता अभी तक आगे आया था तब इस मुद्दे को मीडिया ने प्रमुखता से उठाया जिसके नतीजन आज सांसद जी ने खाली हाथ दौरा तो किया एवम आश्वाशन भी दिया लेकिन वृद्ध-विकलांग पिता एवं माता को अभी भी नही पता की आर्थिक सहायता व आश्वाशन की समय सीमा कब पूर्ण होगी।

जिस बुजुर्ग लाचार माता पिता को अपना बेटा खोए महीने से ऊपर हो गया हो, उसकी सुध आज तक किसी नेता या प्रशासन ने नहीं ली। परंतु जब यह मुद्दा मीडिया द्वारा अधिक ज्वलंत रूप से उठाया गया और तूल पकड़ने लगा तो तहसीलदार द्वारा परिवार की गरीबी को सिर्फ चंद किलो अनाज से तौला गया उसके बाद से मामला ठंडे बस्ते में है, तेहरवी पर खान पान के लिए कोटेदार ने अनाज दे सहायता की। लेकिन सवाल यह उठता है कि कुछ किलो अनाज लाचार परिवार का कितने दिनों का सहारा बनेगा जिसके एकमात्र सहारे को अब कभी वापस नहीं आना है? प्रश्न यह भी उठता है कि क्या गरीब लाचार परिवार के लिए सांसद निधि/मुख्यमंत्री राहत कोष सिर्फ चुनाव के समय ही खोले जाते है?

परिवार जो नवासे में मिले जर्जर मकान में रह रहे हैं, जिसमें शौचालय तक की व्यवस्था भी नहीं है और जो कभी भी ध्वस्त हो सकता है, जिसके लिए इकलौते जवान पुत्र ने मकान बनाना शुरू तो किया लेकिन नींव से ज्यादा नहीं बना पाया क्यूंकि वृद्ध, आंशिक विकलांग पिता को गंभीर बीमारी ने घेर लिया था तो आमदनी का सारा हिस्सा उनकी दवा पानी में चला जाता था और लाचार, बेसहारा बीमार पिता व माता की इच्छा अब तो एकमात्र सहारे को खो देने के बाद स्वप्न सी लगती है जो कोई फरिश्ता ही पूरा कर सकता है।

जब इस विषय पर मृतक के पिता दिनेश मिश्रा से बातचीत की गयी तो उन्होंने कहा कि "सांसद जी ने सांत्वना और आश्वासन तो दिया परंतु धरातल पर सहायता करने की कोई ठोस बात नहीं हो पाई। अगर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ ने हमारी आपबीती न बताई होती तो शायद ही कोई चुनाव से पहले हमारी सुध लेता। ग्रामवासियों मीडिया व पत्रकारों पर अपना भरोसा जताते हुए पुरजोर मीडिया से निवेदन किया कि पत्रकारों की कलम की आवाज तब तक नही थमे जब तक इस बेबस लाचार परिवार को किसी फरिश्ते द्वारा आर्थिक सहायता एवम न्याय नहीं मिल जाता।

बाराबंकी में जंगली जानवर के हमले में तीन लोग जख्मी, ग्रामीणों का दावा

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के थाना जैदपुर इलाके में नहर किनारे बकरी चराने गई दो बच्चियों पर जंगली जानवर ने हमला कर दिया। हमले में एक को गंभीर चोटें आईं। वहीं, पड़ोस के बोजा गांव में एक ग्रामीण भी जंगली जानवर के हमले में घायल हुआ। ग्रामीणों की ओर से भेड़िए द्वारा हमला किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वन विभाग सियार का हमला होने की बात कह रहा है। फिलहाल कांबिंग की जा रही है।

थाना जैदपुर क्षेत्र के गोछौरा गांव के अहमद अली की पुत्री रिजवाना (10) व सब्बीर की पुत्री चांदनी (15) मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे गांव से करीब 400 मीटर दूर चंदौली माइनर किनारे बकरी चराने के लिए गई थीं। इस दौरान जंगली जानवर ने दोनों पर हमला बोल दिया। जानवर ने रिजवाना के चेहरे को नोच लिया और उसके एक हाथ की अंगुली

काट ली। चांदनी ने शोर मचाया तो जानवर ने उसके पैर में नोच लिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक जानवर भाग चुका था। आनन-फानन परिजन रिजवाना को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतरिख लेकर गए, जहां से उसे जिला अस्पताल भेजा गया। यहां रिजवाना का इलाज चल रहा। घायल चांदनी के मुताबिक बकरी के आकार का जानवर था। ग्रामीण भेड़िया होने की आशंका जता रहे हैं। ऐसे में ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग व पुलिस की टीम रात में भी गांव में रुके। उधर, पड़ोस के बोजा गांव के महादेव (45) को भी जंगली जानवर ने हमला कर जख्मी किया है। सूचना पर वन दारोगा सचिन पटेल, एसआई आलोक कुमार सिंह पुलिस व वन कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन की। फिलहाल गोछौरा, बोजा, टिकरा, चंदौली, पनिहल, बलछठ आदि गांवों में जंगल की ओर कांबिंग की जा रही है। घटनास्थल पर मिले पगचिन्ह के आधार पर वन विभाग की ओर से सियार होने की बात कही जा रही है।

कन्नौज कांड पर सीएम योगी इशारों में कह गए ये बड़ी बात, बोले- नवाब ब्रांड इनका असली चेहरा

मैनपुरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बरनाहल में विभिन्न योजनाओं के पात्रों को ऋण वितरण के साथ ही छात्र-छात्राओं को टैबलेट बांटने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने 68 करोड़ परियोजनाओं का लोकार्पण किया। सीएम योगी ने कहा कि मैनपुरी ऋषियों और स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि है। सवाल करते हुए कहा कि मैनपुरी जो कभी वीवीआईपी था, वो क्यों पिछड़ गया? मैनपुरी पहचान की मोहताज रही। ये जिसने किया अराजकता उनके डीएनए में है।

प्रदेश के मुखिया ने कहा कि कन्नौज का नवाब ब्रांड इनका असली चेहरा है। वसूली में चाचा और भतीजे समान भागीदार होते थे। प्रदेश को सपा ने दंगों में झोंक दिया था। सरकारी धन की लूट की गई। नौकरियों में फजीर्वाड़ा किया गया। 2017 के पहले हर नौकरी बिकती थी। वसूली में चाचा और भतीजा समान भागीदार होते थे। ज्यादा वसूली पर भतीजा सब ले जाता था। इन्हें मैनपुरी या इटावा की नहीं

अपनी चिंता थी। इन लोगों ने विदेशो में द्वीप खरीद लिए हैं। हमें तो उत्तर प्रदेश में रहना है। चाचा की आदत है धक्का खाकर पड़े रहना, लेकिन जनता धक्के नहीं खाएगी।

सीए योगी ने कहा कि आज प्रदेश में लूट या अपहरण नहीं होता है। आज अगर कोई ऐसी कोशिश करेगा तो आने वाली 7 पीढ़ियों को सबक सिखाने वाली कार्रवाई होती है। उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं विकसित राज्य है। 2017 के पहले मैनपुरी के लोगों को शक की निगाहों से देखते थे। यहां के लोगों को होटल नहीं मिलते थे। आज ऐसा नहीं है। मैनपुरी के लोगों के पास पहचान का संकट नहीं है। उत्तर प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर का मोडल बना दिया है। 40 लाख करोड़ का निवेश उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है। 2017 में उत्तर प्रदेश 7वीं अर्थव्यवस्था थी आज दूसरी पर आ गई है। अब इसे नंबर 1 बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी में धाम बना है। अयोध्या में रामलला का मंदिर बन गया है। मथुरा में युद्ध स्तर पर काम आगे की ओर बढ़ रहा है। सपा ने जन्माष्टमी के आयोजन पर रोक लगा दी थी। भाजपा सरकार बनी तो धूमधाम से जन्माष्टमी मनाने का आदेश दिया गया। आज सभी 1585 थानों में जन्माष्टमी का आयोजन हुआ।

दीपोत्सव पर चार दिनों तक अलौकिक आभा से दमकेगा अयोध्या धाम

लखनऊ। 500 वर्षों के पराभव काल को पीछे छोड़कर अयोध्या धाम अब वापस से त्रेतायुगीन वैभव की ओर अग्रसर हो चला है। रामलला के अपने भव्य मंदिर में विराजित हो चुके हैं और होली व श्रीराम जन्मोत्सव के भव्य आयोजनों ने पूरे देश व दुनिया के करोड़ों भक्तों में अपार हर्ष का संचार किया। हर्ष का ऐसा ही क्षण अब जल्द ही भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम के जरिए 28 से 31 अक्तूबर के मध्य भक्तों को मिलने वाला है।

यूं तो, वर्ष 2017 से ही दीपावली पर अयोध्या के सरयू घाट रिकॉर्ड संख्या में दीपों से जगमग होते रहे हैं और वर्ष 2024 में 8वें दीपोत्सव कार्यक्रम के आयोजन को लेकर सीएम योगी के विजन में कार्ययोजना निर्धारित की जा चुकी है, मगर इस बार का दीपोत्सव कई मायनों में खास होने जा रहा है। यह इस लिए भी खास होगा क्योंकि रामलला के श्रीविग्रह की स्थापना के बाद इस वर्ष पहली बार आयोजित

होगा। ऐसे में, इसे भव्यतम स्तर पर आयोजित करने के लिए योगी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इस वर्ष न केवल राम की पैड़ी, नया घाट समेत अयोध्या के विभिन्न घाटों को 25 लाख से ज्यादा दीयों से सजाया जाएगा बल्कि 4 दिन तक चलने वाले दीपोत्सव कार्यक्रम में रोशनी सज्जा इस कदर आकर्षक होगी जो अयोध्या धाम को साकेत धाम की वास्तविक अलौकिक आभा प्रदान करेगा।

आधुनिक रोशनी सज्जा बनेगा आकर्षण का माध्यम...सीएम योगी के विजन के अनुसार, दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान अयोध्या को में इंटेलिजेंट डाइनेमिक कलर चेंजिंग एलईडी डेकोरेटिव पैनल्स व मल्टी मीडिया प्रोजेक्शंस समेत विभिन्न प्रकार की आधुनिक लाइटिंग से युक्त किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल के अतिरिक्त अयोध्या के विभिन्न स्थानों को भी इनसे युक्त किया जाएगा। नया घाट समेत राम की पैड़ी पर स्वागती द्वार बनाए जाएंगे जिन्हें थीमैटिक लाइटेड आर्क पिलर्स से युक्त किया जाएगा। अयोध्या शहर के भक्ति पथ समेत विभिन्न मुख्य पथों को आकर्षक रोशनी व पुष्प सज्जा से युक्त किया जाएगा, इसके साथ ही अयोध्या से गोंडा की ओर जाने वाले मार्ग पर गोंडा ब्रिज व अयोध्या से बस्ती जाने वाले मार्ग पर बस्ती ब्रिज को आकर्षक रोशनी सज्जा से युक्त किया जाएगा।

सियासत : नीतीश क्या बीजेपी से डर गए? चिराग पासवान पर 'टेढ़ी नजर' से तो नहीं की बिहार सीएम ने केसी त्यागी की छुट्टी!

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। केसी त्यागी ने जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। पर, पार्टी के सदस्य और सलाहकार शायद बने रहेंगे। इसलिए इस बाबत उन्होंने कुछ नहीं कहा है। जिस दिन केसी त्यागी ने निजी कारण बता कर इस्तीफा दिया, उसी दिन राजीव रंजन प्रसाद ने उनकी जगह भी ले ली। जेडीयू में उस दिन हलचल इसलिए भी रही कि आरजेडी से इस्तीफा दे चुके श्याम रजक ने भी जेडीयू की सदस्यता दूसरी बार ली।

इसके पहले भूमिहार समाज पर मंत्री अशोक चौधरी के बयान पर पार्टी में हंगामा मचा था। यानी रविवार को समाप्त हुआ सप्ताह जेडीयू में उथल-पुथल भरा रहा। जेडीयू के बाहर का हर आदमी इस तीनों घटनाक्रमों में नीतीश कुमार की भूमिका तलाश रहा है। नीतीश कुमार लगातार काम कर रहे हैं। उनके कामकाज का अंदाज पुराने दिनों की उनकी सक्रियता का आभास दे रहा है। राज-रोज किसी न किसी बैठक या उद्घाटन, शिलान्यास और मुआयने के लिए बिहार के अलग-अलग स्थानों पर उनके दौरे भी खूब हो रहे हैं। पर, लोगों से उनका मिलना-जुलना कम हो गया है। लगातार समीक्षा बैठकें तो नीतीश

कर रहे हैं, लेकिन मीडिया से मुखातिब नहीं होते। जेडीयू में हो रहे बदलाव पर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते उनकी नजर होगी ही। पर, उनकी खामोशी का राज लोग समझ नहीं पा रहे हैं। वे बोलने से परहेज कर रहे हैं। लोगों से मिलना-जुलना भी उन्होंने कम कर दिया है। इसलिए लोग समझ नहीं पा रहे कि जेडीयू में जो कुछ हो रहा है, वह उनकी जानकारी और मर्जी से हो रहा है या कमान किसी और के हाथ में है, जो लगातार बदलाव पर ध्यान दे रहा है।

नीतीश कुमार को जो लोग समझते हैं, उन्हें यह विश्वास नहीं हो रहा कि बिना उनकी मर्जी के जेडीयू में जब पत्ता तक नहीं हिलता तो केसी त्यागी के इस्तीफा अचानक हुआ होगा। अगर इसे अचानक त्यागी का उठाया कदम मान भी लें तो उन्हें मनाने की नीतीश ने कोशिश क्यों नहीं की। आनन-फानन में नए प्रवक्ता की पार्टी ने नियुक्ति भी कर दी। अशोक चौधरी के बयान से पार्टी ने किनारा तो कर लिया, पर उनसे इस बाबत शो कॉज भी नहीं हुआ।

श्याम रजक को पार्टी क्या जिम्मेदारी देगी, यह भी अभी तक जेडीयू की ओर से नहीं बताया गया है। इससे सस्पेंस बढ़ रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं कि एनडीए में रहते हुए केसी त्यागी ने कई मुद्दों पर मोदी सरकार से अलग राय जाहिर की थी। ऐसे ही अलग अंदाज के लिए लोजपा (आर) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को भाजपा का कोप झेलना पड़ रहा है। अब उनकी पार्टी के सांसदों के टूटने की आशंका जताई जाने लगी है। जिन मुद्दों पर जेडीयू कोटे से केंद्र में मंत्री बने ललन सिंह या अन्य ने मोदी सरकार की वकालत की, उन्हीं मुद्दों पर नीतीश के सलाहकार का स्टैंड विरोधाभासी कैसे हो गया। नीतीश कुमार से केसी त्यागी का संबंध कोई नया नहीं है। दोनों पुराने साथी हैं। हां, लगातार दिल्ली में रहने की वजह से केसी त्यागी का संबंध हर दल के नेताओं से है। इस मामले में वे नीतीश से आगे हैं। फिर ऐसे व्यक्ति ने पार्टी छोड़ी और उसकी जगह भरने की हड़बड़ी जेडीयू ने दिखाई, इससे संदेह तो पैदा होता ही है। तो क्या केसी त्यागी ने अपने मन से इस्तीफा दिया या उनसे इस्तीफा लिया गया?

जेडीयू अपनी छवि चमकाने की कोशिश में लगा है, यह सौ फीसद सच है। ऐसा नहीं होता तो पार्टी को अपनी प्रदेश कमेटी का आकार छोटा कर काम के लोगों को रखने की जरूरत महसूस नहीं होती। हर जाति-धर्म को समान नजर से देखने वाले नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को प्रदेश कमेटी में जातीय समीकरण पर ध्यान देने की जरूरत महसूस नहीं होती। जेडीयू पूरी तरह सांगठनिक तौर पर अपने को दुरुस्त करने में लगा है। अगर नीतीश के मन में भाजपा के मुकाबले जेडीयू को बड़ा बनाने की बात होगी, तब भी केसी त्यागी से मुक्ति पाने की बेचैनी का कोई मायने नहीं है। संभव है कि नीतीश कुमार को भाजपा से भय लग रहा हो।

चिराग पासवान ने त्यागी की तरह ही सरकार की नीतियों पर चिल्ल-पों मचाना शुरू किया तो भाजपा ने उन्हें काबू में करने की चाल चल दी। उनके खिलाफ पुराने मामले खोज कर भाजपा से जुड़ा व्यक्ति अदालत पहुंच गया। चिराग के सांसदों के टूटने की खबरें उड़ने लगीं। चिराग के चाचा की अचानक एनडीए में पूछ बढ़ गई। इससे नीतीश कुमार को भी भय लगा हो तो आश्चर्य की बात नहीं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने क्षेत्रीय पार्टियों के अस्तित्व को लेकर पहले भी कई बार बयान दिया है। नीतीश को उससे चिढ़ भी हुई है। नड्डा के बयान के बाद ही नीतीश ने एनडीए को बाय बोल कर आरजेडी से हाथ मिला लिया था।

भाजपा को चूंकि इस बार अपने बूते मेजॉरिटी नहीं मिली है। इसलिए लोग यह अनुमान लगाते रहते हैं कि दूसरे दलों से तोड़ कर भाजपा बहुमत का अपना आंकड़ा हासिल करने की पूरी कोशिश करेगी। खैर, नीतीश को या तो भाजपा का भय सता रहा ह या फिर वाकई वे आंख मूंद कर नरेंद्र मोदी पर भरोसा कर रहे हैं। भरोसे में किसी तरह की कमी न रहने देने के लिए ही केसी त्यागी की छुट्टी हुई हो तो आश्चर्य नहीं।

नीतीश और तेजस्वी की मुलाकात, 8 महीने बाद हुई बात!

क्या बिहार में फिर होगा 'सियासी खेला,सियासी बाजार हुआ गर्म

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बीच मंगलवार को मुलाकात हुई। आठ महीने बाद हुई इस मुलाकात के बाद सियासी गलियारों में चचाओं का बाजार गर्म है। मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि जल्द ही आधिकारिक रूप से जानकारी दी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक सूचना आयुक्त की नियुक्ति को लेकर दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। बताया जा रहा है कि खाली पदों को लेकर मुख्यमंत्री ने एक बैठक बुलाई थी जिसमें तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद सचिवालय से बाहर निकले तेजस्वी यादव से जब मीडिया ने मुलाकात का मकसद पूछा तो उन्होंने कहा कि जल्द आधिकारिक रूप से बता दिया जाएगा।

हालांकि, कयास लगाए जा रहे हैं कि इस मुलाकात का मकसद सिर्फ. सूचना आयुक्त की नियुक्ति तक ही सीमित नहीं था। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज्य के मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी

दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई होगी। पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में मंगलवार को सीएम नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव अलग-अलग गाड़ियों से एक साथ पहुंचे। दरअसल, बिहार में सूचना आयुक्त के पद पर होने वाली नियुक्ति को लेकर दोनों नेता सचिवालय पहुंचे।

बताया गया है कि सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए गठित कमेटी में मुख्यमंत्री के अलावा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के साथ एक कैबिनेट मंत्री रहते हैं। सीएम इस समिति के अध्यक्ष होते हैं। इस मुलाकात के दौरान नीतीश सरकार में मंत्री विजय चौधरी भी साथ थे। सूचना आयुक्त की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार की ओर से जल्द ही जानकारी दिए जाने की संभावना है। तेजस्वी यादव ने सचिवालय से बाहर निकलने पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 65 प्रतिशत आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में डालने के मुद्दे पर भी उनकी सीएम से बात हुई है। इस मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मामला कोर्ट में हैं। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि वो भी कोर्ट पहुंच गए हैं, सरकार अपनी बात कोर्ट में रखे, वो भी अच्छी तरह से अपनी बात रखेंगे। सीएम नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बीच हुई मुलाकात को लेकर कई कारण बताए जा रहे हैं, लेकिन इस मीटिंग ने अचानक बिहार में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। बताया गया है कि इस बैठक में सूचना आयुक्त के दो सदस्यों पर फैसला हो गया है।

बिहार में गाड़ियों के पॉल्यूशन चालान में बड़ी कटौती

अब बाइक, ऑटो, कार पर यह फाइन लगेगा

संवाददाता।

पटना। बिहार में अब प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों के चालान में कटौती की गई है। नीतीश सरकार ने अलग-अलग तरह की गाड़ियों के लिए अलग-अलग चालान राशि तय की है। राज्य परिवहन विभाग ने इस बारे में एक नोटिस जारी किया है। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि लोगों की सुविधा को देखते हुए ऐसा किया गया है। पहले सभी गाड़ियों के लिए प्रदूषण का चालान 10 हजार रुपये था, जिसे घटाकर अब 1000 रुपये तक कर दिया गया है। यह नियम नोटिस जारी होने के पांच दिन बाद से लागू हो जाएगा।

परिवहन सचिव ने बताया कि इस फैसले से गाड़ी मालिकों को

प्रदूषण प्रमाण पत्र (पीयूसी) अपडेट कराने का समय मिलेगा। इससे वे अपनी गाड़ियों को प्रदूषण नियमों के हिसाब से ठीक करवा सकेंगे। इससे उन्हें बार-बार चालान से भी बचाव होगा। परिवहन सचिव ने सभी गाड़ी मालिकों से अपील की है कि वे समय पर अपनी गाड़ियों का पीयूसी अपडेट करवा लें।

केंद्रीय मोटरवाहन नियमों के अनुसार, सभी गाड़ियों के पास अपडेटेड प्रदूषण प्रमाण पत्र होना जरूरी है। ऐसा न होने पर ई-चालान काटा जा सकता है। चालान का भुगतान करने के लिए सात दिनों का समय दिया जाएगा।

यानी चालान कटने के बाद अगला चालान 7 दिन बाद ही कटेगा।पहले पीयूसी अपडेट न होने पर एक बार ई-चालान कटने के बाद कभी भी दोबारा चालान कट सकता था। लेकिन अब परिवहन विभाग के इस नए फैसले के बाद, पहली बार चालान कटने के 7 दिन बाद ही दूसरा चालान कटेगा।

परिवहन सचिव ने सभी वाहन मालिकों और ड्राइवरों से अपील की है कि 'वे समय पर अपने वाहनों का प्रदूषण प्रमाणपत्र (पॉल्युशन सर्टिफिकेट) अद्यतन करा लें।'

किस गाड़ी का कितना चालान लगेगा:--दोपहिया वाहन (बाइक, स्कूटर): पहली बार 1000 रुपये और दूसरी बार 1500 रुपये

-तिपहिया वाहन (ऑटो, रिक्शा): पहली बार 1500 रुपये और दूसरी बार 2000 रुपये

-हल्के मोटरयान (कार, जीप): पहली बार 2000 रुपये और दूसरी बार 3000 रुपये

-मध्यम मोटरयानः पहली बार 3000 रुपये और दूसरी बार 4000 रुपये

-भारी मोटरयानः पहली बार 5000 रुपये और दूसरी बार 10000 रुपये

-अन्य वाहनः पहली बार 1500 रुपये और दूसरी बार 2000 रुपये

केसी त्यागी पर कैंची और पशुपति पारस की अमित शाह से मीटिंग, महज संयोग या बीजेपी का मैसेज क्लियर है?

संवाददाता।

पटना/नई दिल्ली। बिहार की राजनीति में पिछले सप्ताह दो बड़े घटनाक्रम हुए। सप्ताह की शुरूआत में राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस की मुलाकात गृहमंत्री अमित शाह से हुई। वहीं सप्ताह के अंत में वरिष्ठ समाजवादी नेता केसी त्यागी ने जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। इन दोनों घटनाक्रम को लेकर बिहार के चट्टी चौराहों से लेकर पटना के राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा हो रही है। दोनों घटनाओं को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं।

केसी त्यागी के जेडीयू के प्रवक्ता पद से इस्तीफा देना और पशुपति पारस की अमित शाह से मुलाकात की घटनाओं में एक समानता दिखती है। पिछले दिनों केसी त्यागी ने बिहार के प्रमुख अखबारों में एक आर्टिकल लिखा था, जिसमें वह काफी हद तक लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की नीतियों का समर्थन करते दिखे थे। खासकर केसी त्यागी ने राहुल गांधी की ओर से उठाए जा रहे जातीय सर्वेक्षण और आरक्षण को सही ठहराया था। आर्टिकल में केसी

त्यागी ने इन दोनों मुद्दों को मौजूदा दौर की मांग बताया था। इससे पहले केसी त्यागी ने बीजेपी और भारत सरकार की लाइन से अलग जाकर कहीं ना कहीं फिलीस्तीन का समर्थन किया था। केसी त्यागी ने इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध के मुद्दे पर विपक्ष के स्टैंड के साथ खड़े नजर आए थे। जेडीयू नेता ने इस बात का समर्थन किया था कि भारत को इजरायल की मदद नहीं करनी चाहिए।

केसी त्यागी ने इन दो घटनाओं के बाद अचानक व्यक्तिगत कारण बताकर राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। यहां ध्यान दिला दें कि केसी त्यागी जेडीयू के वह नेता हैं, जो दिल्ली में नीतीश कुमार के आंख कान के रूप में कार्य करते हैं। केसी त्यागी ही वह नेता हैं जो पटना और दिल्ली के बीच सूत्र का काम करते हैं। ऐसे में केसी त्यागी की लाइन केंद्र सरकार से अलग जाना खटकने वाला लगता है। दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्री और लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी केंद्र सरकार से इतर जाकर अपनी राय रखी। खासकर आरक्षण, जातीय सर्वेक्षण और लेटरल एंट्री जैसे अहम मुद्दों पर चिराग पासवान ने सरकार में रहते हुए अपनी पार्टी का अलग स्टैंड रखा। खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान बताने वाले चिराग पासवान का इस तरह के बयान ने सबका ध्यान खींचा। चिराग के इन बयानों के कुछ दिन बाद ही गृहमंत्री अमित शाह ने चिराग पासवान के चाचा और राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस से दिल्ली में मुलाकात कर ली। लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं पाने वाले पशुपति पारस की पार्टी को 2025 में सम्मानजनक सीटें देने का भरोसा मिला है। इतना ही नहीं पटना में तेजी से खबर चर्चा में आई कि चिराग पासवान की पार्टी एक बार फिर से टूटने वाली है। यहां तक खबरें आई कि चिराग की पार्टी के तीन सांसद बीजेपी के संपर्क में हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि केसी त्यागी का पद से हटना और पशुपति पारस से अमित शाह की मुलाकात केवल संयोग मात्र नहीं है। इसके पीछे बीजेपी ने अपना संदेश साफ कर दिया है।

माना जा रहा है कि बीजेपी ने साफ संकेत देने की कोशिश की है कि भले ही वह केंद्र में गठबंधन की सरकार चला रही है, लेकिन पॉलिसी मैटर पर वह अलग लाइन बर्दाश्त नहीं करेगी।इस बात को ऐसे समझा जा सकता है। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद एनडीए संसदीय दल की पहली बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी घटक दलों के प्रवक्ताओं के बीच समन्वय होने की बात पर जोर दिया दिया था। कहा था कि इससे सरकार की बात एक सुर में जनता तक जाएगी। लेकिन हाल के दिनों में कई बार ऐसा हुआ, जब एनडीए के घटक दलों का स्टैंड भी सरकार की लाइन से अलग और विपक्षी इंडिया ब्लॉक के करीब नजर आया।

मुजफ्फरपुर पुलिस हाई क्लास सवारी की जांच के दौरान रह गई हैरान!

लक्जरी कार का 'सीक्रेट चैंबर' और उसमें छुपा काला सच! कारण यह था

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 10 किलो गांजा बरामद हुआ है, जिसे नेपाल से तस्करी कर मुजफ्फरपुर लाया जा रहा था। गिरफ्तार तस्करों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। गांजा को तस्करों ने लक्जरी कार में बने एक खास तहखाने में छुपा रखा था।

यह घटना अहियापुर थाना क्षेत्र के झपहां ओवरब्रिज के पास की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दिल्ली नंबर की एक कार से भारी मात्रा में गांजा लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने झपहां ओवरब्रिज के पास नाकाबंदी कर दी। तभी सीतामढ़ी की तरफ से आ रही एक कार को पुलिस ने रोका। कार में तीन लोग सवार थे,

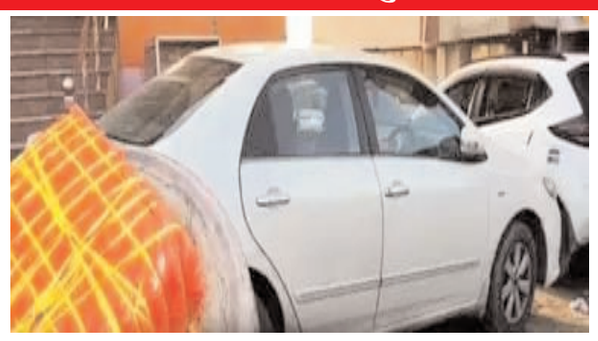

जिनमें से दो पीछे और एक आगे बैठा था।

पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो शुरू में तो कुछ नहीं मिला। लेकिन जब पुलिस ने गौर से देखा तो पता चला कि कार के चेचिस के नीचे एक तहखाना बना हुआ है। तहखाने की तलाशी लेने पर पुलिस को गांजे से भरे दो पैकेट मिले। हर पैकेट में पांच-पांच किलो गांजा था।

पकड़े गए तस्करों की पहचान सीतामढ़ी जिले के सोनबरसा थाना क्षेत्र के भुतही और परसा गांव के निवासी के रूप में हुई है। इनमें से दो नाबालिग हैं जिनकी उम्र 16 और 17 साल है जबकि तीसरे तस्कर की पहचान 22 वर्षीय मो. नुरुद्दीन आलम के रूप में हुई है।

इस संबंध में सिटी एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि कि दिल्ली नंबर की कार से गांजा की खेप मुजफ्फरपुर लाया जा रहा है। यह खेप नेपाल से आ रही है। सूचना के आलोक में झपहां ओवरब्रिज के समीप टीओपी के पास वाहन चेकिंग लगाया।

इस बीच कार सीतामढ़ी की ओर से आता हुआ दिखा। पुलिस टीम ने कार को रोका तो उसमें दो लोग पीछे और एक आगे बैठा हुआ था। तलाशी लेने पर ऊपर में कुछ नहीं मिला। लेकिन, पुलिस टीम ने जब चेचिस के नीचे तलाशी ली तो पता चला कि एक तहखाना बना हुआ है। उसके अंदर हाथ दिया तो उसमें गांजा का पांच पांच किलो ग्राम के दो पैकेट रखा हुआ था. कार से करीब 10 किलो गांजा बरामद किया गया है।पुलिस ने तीनो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

गायघाट में महिला सरपंच सहित दर्जनों कार्यकताओं ने ग्रहण की राजद की सदस्यता

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट प्रखंड के लक्ष्मण नगर पंचायत के हनुमान नगर में मंगलवार की संध्या आयोजित कार्यक्रम के दौरान लक्ष्मण नगर पंचायत की सरपंच सरिता देवी, सूरज कुमार,वार्ड सदस्य संतोष कुमार, कर्मवीर महतो, धर्मवीर महतो, मनोहर महतो, विनोद महतो, राजेश महतो, वकील महतो, धनराज महतो आदि ने नुनिया समाज के दर्जनों कार्यकताओं एवं समर्थकों के साथ राजद की सदस्यता ग्रहण की । इस दौरान इन्होंने कहा कि वे लोग राजद की कार्यशैली और तेजस्वी यादव के समरस समाज की

- तेजस्वी के विधायक ने किया नए लोगों का स्वागत
- कहा:एनडीए सरकार के नेताओं के कथनी-करनी में अंतर
- जाती के नाम पर बांटा जा रहा समाज
- बढ़ रहा विवाद-अत्याचार

कार्यनीति एवं स्थानीय विधायक के सहज कार्य शैली से प्रभावित होकर राजद की सदस्यता ग्रहण की है। इन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार में नेताओं की कथनी और करनी में अंतर है। समाज को बांटने का काम किया जा रहा है। इस दौरान गायघाट से आरजेडी विधायक निरंजन राय ने नए कार्यकताओं एवं समर्थकों का पार्टी के गमछा एवं दुपट्टा आदि से स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि इन लोगों के आने से पार्टी जमीनी स्तरों पर मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के कथनी और करनी में अंतर से बहुत बड़ा तबका आहत है। एनडीए सरकार के नेता जाति के नाम पर लोगों को बांटने का काम करते हैं। ऐसे में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद बेहतर विकल्प बन रही है। इस मौके पर गायघाट के पूर्व प्रमुख शिव शंकर राय, मीडिया प्रभारी रेहान शेख, कटरा प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार यादव, सत्यनारायण राय, छोटे लाल राय आदि भी थे।

पॉलिटिक्स में पढ़ाई पर भारी पड़ते रहे हैं नेताओं के काम

यकीन न हो तो गौर करिए-कई नाम प्रासंगिक है

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर राजनीति में शिक्षित लोगों को लाने के पैरोकार के रूप में उभरे हैं। वे विधायकी-सांसदी के चुनाव लड़ने की योग्यता निर्धारित करने की बात करते हैं। आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव की पढ़ाई का वे मखौल भी उड़ाते हैं। उनके हर भाषण में तेजस्वी के नौवीं फेल होने की बात आती है। उनका दावा है कि कम पढ़े-लिखे होने के कारण तेजस्वी को बिहार के बारे में बेहतर समझ नहीं है। प्रशांत किशोर अपने को पढ़ा-लिखा मानते हैं और तेजस्वी से खुद को बेहतर बताने का प्रयास करते हैं। यह सच भी है। ऐसा करते समय वे भारतीय लोकतंत्र की इस मंशा को भूल जाते हैं, जिसमें चुनाव लड़ने के लिए योग्यता का निर्धारण ही नहीं है। संभव है कि ऐसा तर्क अब अप्रासंगिक हो गया हो, लेकिन संविधान के प्रावधन को मानने की बाध्यता तो होगी ही।

लालू प्रसाद यादव के परिवार की बात करें तो उन्हें और उनकी बटियों को छोड़ कर दोनों बेटों ने कॉलेज का मुंह तो वाकई नहीं देखा है। राबड़ी देवी बिहार की सीएम रहीं, लेकिन वे भी पांचवीं से अधिक नहीं पढ़ पाई थीं। अलबत्ता दोनों बेटे नहीं पढ़ पाए, जिसका उन्हें अब मलाल जरूर हो रहा होगा। बेटों के नहीं पढ़ पाने के जो भी कारण रहे हों, लेकिन उन्हें भी अब जरूर यह बात अच्छी नहीं लगती होगी कि वे पढ़ नहीं पाए। खैर, सच से तो मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। पर, एक सच यह भी है कि देश में ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, जहां स्कूल के सनद या कॉलेज की डिग्री वालों से कहीं बेहतर कम पढ़े लोग रहे हैं। अपने काम से समाज में वे सर्वाधिक समादृत हुए। बिहार के उपमुख्यमंत्री और दो बार सीएम रहे 'भारत रत्न'

कपूर्री ठाकुर की शिक्षा तो मैट्रिक तक ही थी। पर, उनके आदर्श और विजन की अब भी चर्चा होती है।

साहित्यकारों में शिवपूजन सहाय सिर्फ मैट्रिक पास थे। जयशंकर प्रसाद भी सातवीं से आगे नहीं बढ़ पाए थे। और भी कई नाम मिल जाएंगे, जिन्होंने कॉलेज का मुंह तक नहीं देखा, लेकिन उनकी कृतियां कॉलेजों के पाठ्यक्रम में शामिल की गईं। उन पर विद्यार्थियों ने शोध किए। तुलसी दास, कबीर या रहीम को ही ले लें। उनकी शिक्षा के बारे में कोई प्रामाणिक जानकारी तो नहीं मिलती, लेकिन उनकी रचनाओं के कालखंड को देख कर कोई भी सहज अनुमान लगा लेगा कि वे स्कूल-कॉलेज तो नहीं ही गए होंगे। हालांकि उस वक्त इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं थी। उनकी रचजनाओं पर सैकड़ों शोध हुए हैं। वे स्कूली कक्षाओं से लेकर उच्च शिक्षा के क्लास में भी पढ़ाए जाते हैं। जन-जन की जुबान पर तुलसी, कबीर और रहीम चढ़े हुए हैं। समाज को देखने-समझने की उनकी दृष्टि आज के बड़े बुद्धिजीवियों को भी मात देती है।

राजनीतिज्ञों में तो दर्जनों ऐसे मिल जाएंगे, जिन्होंने हाईस्कूल स्तर तक या उससे नीचे की ही पढ़ाई की। पर, राजनीति में उन्होंने बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। बिहार में कपूर्री ठाकुर इसके उदाहरण रहे। कपूर्री ठाकुर की शिक्षा तो मैट्रिक तक ही थी। शायद वे आगे पढ़ पाते, लेकिन बीच में ही स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने के कारण उनकी पढ़ाई वहीं तक ठिठक कई। इसके बावजूद उनका राजनीतिक कौशल ऐसा रहा कि वे बिहार के दूसरे उपमुख्यमंत्री और दो बार मुख्यमंत्री बने। उनका विजन आम आदमी के लिए कैसा था, इसे समझने के लिए उनकी एक ही दृष्टि काफी है। बिहार में अंग्रेजी की वजह से बच्चे अक्सर मैट्रिक में फेल हो जाते थे। लड़कों के लिए तो कोई समस्या नहीं थी, लेकिन लड़कियों के लिए मैट्रिक की पढ़ाई समस्या बन गई थी। मैट्रिक में फेल हो जाने के कारण कई लड़कियों की तय शादी भी टूट जाती थी। लोगों की इस परेशानी को कपूर्री ठाकुर ने महसूस किया। उन्होंने अंग्रेजी की अनिवार्यता ही खत्म कर दी। कई लोग आज भी यह मानते हैं कि कपूर्री ठाकुर के इस फैसले की वजह से ही बिहार में शिक्षा के स्तर में गिरावट शुरू हुई, जो आज तक जारी है। पर, कपूर्री ठाकुर के फैसले ने सवर्ण घराने की सबसे बड़ी समस्या का हल निकाल लिया था।

यह भी सच है कि प्रशांत किशोर अगर शिक्षित लोगों के राजनीति में आने पर जोर दे रहे हैं तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता। दरअसल भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शुरूआत तो आजादी के बाद से ही हुई। लंबे समय की गुलामी में शिक्षा सबके वश की बात नहीं थी। आजादी के वक्त 1947 में भारत में साक्षरता की दर 12 से 18 प्रतिशत के बीच थी। वर्ष 2023 में देश की साक्षरता दर 77.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। यानी देश में साक्षरता बढ़ रही है तो नेताओं को भी योग्य होना ही चाहिए। वैसे प्रशांत किशोर को यह भी सोचना होगा कि जब देश शत प्रतिशत साक्षर हो जाएगा तो राजनीति में भी पढ़े-लिखे लोग स्वतः आने लगेंगे। पहली लोकसभा से लेकर अब तक के सांसदों की योग्यता का ही आंकलन कर लिया जाए तो स्पष्ट हो जाएगा कि पढ़े-लिखे सांसदों की संख्या लगातार बढ़ती गई है। लोकसभा में मैट्रिक-इंटर पास फिलवक्त 92 हैं, और स्नातक उत्तीर्ण सांसदों की संख्या 77 प्रतिशत से अधिक है।

पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव और भूत पूर्व सांसद रघुनाथ झा तो इंटर ही पास होने के बावजूद चुनाव जीतते रहे और राजनीति में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। यह देश में शिक्षा के प्रति बढ़ती ललक का ही परिणाम है कि अब पढ़े-लिखे लोग अधिक संख्या में संसद-विधानमंडल तक पहुंचने लगे हैं। इसलिए प्रशांत किशोर को इस तरह की शर्त थोपने की जरूरत जायज नहीं लगती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि एक लाख युवाओं को राजनीतिक प्रणाली से जोड़ेंगे। कहा तो उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में, लेकिन यह भाजपा की योजना है। पीएम ने मन की बात के 113वें एपिसोड में भी इसका जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 'हमारे देश के युवा बड़ी संख्या में राजनीति में आने को तैयार बैठे हैं। बस उन्हें सही मौके और सही मार्गदर्शन की तलाश है।' जाहिर है कि पीएम ने शिक्षित युवाओं की ही बात की होगी। वैसे भी हर राजनीतिक पार्टी अपने साथ पढ़े-लिखे युवाओं को लाने का प्रयास कर रही है।

चरण सिंह

विचार

उग्र हिन्दुत्व की ओर बीजेपी !

महाराष्ट्र में एक ओर छत्रपति महाराज की प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का माथा टेक कर माफी मांगना और दूसरी ओर नारायण राणे के बेटे विधायक नीतेश राणे का मस्जिदों में घुसकर मारेंगे वाला बयान। मतलब किसी तरह से हिन्दुओं को एकजुट कर वोट हासिल करना है। दिलचस्प बात यह है कि नितेश राणे के बयान पर बीजेपी के किसी नेता का बयान नहीं आया। मलतब किसी नेता ने उनके बयान के खिलाफ कुछ नहीं बोला। ऐसे ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट रूप से बोल दिया कि यदि बटेंगे तो कटेंगे। पाकिस्तान पर बोलते हुए योगी बोल गये कि पाकिस्तान या तो नेस्तनाबूद होगा या फिर भारत में विलय होगा। मतलब बीजेपी अब उग्र हिन्दुत्व की ओर चल पड़ी है। उधर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कह दिया कि यदि हिंदुस्तान में रहना है तो राम राम कहना होगा। ऐसे ही असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वकर्मा मुस्लिओं के खिलाफ आग उगल रहे हैं। गिरिराज सिंह अलग से अपना राग छेड़े रहते हैं।

दरअसल लोकसभा चुनाव में जिस तरह से आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन वोट बटोर ले गया। जिस तरह से 2014 और २०-2019 में बीजेपी को मिलने वाला दलित वोटबैंक 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की ओर चला गया। बीजेपी का प्रयास है कि किसी तरह से फिर से हिन्दुओं को एकजुट कर लिया जाए। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुलकर बोलने का मौका दिया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने न केवल बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ बयान दिया बल्कि पाकिस्तान को भी ललकार दिया।

बीजेपी और उसके समर्थक हिन्दुओं को एकजुट करने और कांग्रेस को मुस्लिमों के लिए एकतरफा करने का आरोप लगाने का एक बड़ा अभियान छेड़ रहे हैं। इस अभियान में हिन्दुओं को मुस्लिमों की बढ़ती जनसंख्या के प्रति डर पैदा किया जा रहा है। सनातन धर्म की संस्कृति से जोड़ा जा रहा है। मंदिरों को बढ़ावा दिया जा रहा है। कट्टर हिन्दू की छवि बनाने वाले नेताओं को फ्रंट पर लाया जा रहा है।

दरअसल बीजेपी जब भी आगे बढ़ी वह हिन्दुत्व का मुद्दा ही रहा है। राम मंदिर आंदोलन के बल पर अपना वजूद बनाने वाली बीजेपी हिंदुत्व के मुद्दे पर ही आगे बढ़ी है। 2014 का लोकसभा चुनाव बीजेपी मुजफ्फरनगर दंगों के नाम पर जीती थी। 2019 का लोकसभा चुनाव पुलवामा अटैक के नाम पर जीती थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी कांग्रेस के घोषणा पत्र में उलझकर रह गये। विपक्ष ने बीजेपी के 400 पार के मुद्दे पर पकड़ लिया और यह माहौल बना दिया कि यदि बीजेपी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आ गई तो वह आरक्षण खत्म कर देगी। संविधान को बदल देगी।

रेल नेटवर्क पर कसता जेहादियों का शिकंजा

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

देश में ट्रेन दुर्घटनाओं की बाढ सी आ गई है। इसे केवल यांत्रिक खराबी, मानवीय त्रुटि या संयोग मानकर नजरंदाज नहीं किया जा सकता। इस दिशा में गहराई से छानबीन करने, अतीत की घटनाओं को सिलसिलेवार जोडने और फिर परिणाम तक पहुंचने की आवश्यकता है। पाकिस्तान में रहने वाले भारत के वांछित आतंकी फरहतुल्लाह गोरी ने अपने स्लीपर सेल्स को विगत दिनों एक वीडियो संदेश भेजकर रेल की पटरियों के साथ छेडछाड करके दुर्घटनाओं को अंजाम देने का हुक्म दिया था। वीडियो संदेश में उसने स्पष्ट किया था कि भारत में सरकारी खुफिया एजेंसियां तथा ईडी जैसी संस्थायें हमारे लोगों को निशाना बना रहीं है। इसके प्रतियोत्तर में बम विस्फोट के लिए प्रेशर कुकर का इस्तेमाल किया जाये, आंतकी गतिविधियों को तेज किया जाये, बच्चों को भी जेहाद में उतारा जाये, भय का वातावरण पैदा किया जाये ताकि आंतरिक युध्द के लिए माहौल बन सके। रेलों को पटरियों से उतारकर दुर्घटनाग्रस्त किया जाये, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुचाया जाये। ट्रेनों के माध्यम से चल रही सप्लाई चेन को डिस्टर्ब किया जाये। शासकीय जमीनों पर अतिक्रमण करके अपने लोगों को बसाया जाये। हिन्दू नेताओं की खिलाफियत की जाये। महात्वपूर्ण भूमि पर कब्जे करने हेतु दस्तावेज तैयार करवाकर प्रमाण जुटाये जायें। उल्लेखनीय है कि फरहतुल्लाह गोरी को यूएपीए के तहत लिस्टेड आतंकवादी घोषित किया जा चुका है। सन 2002 में अक्षर धाम मंदिर पर हुए आतंकी हमले का मास्टर माइंड गोरी ने एक बार फिर से अपने पांव फैलाने शुरू कर दिये हैं। यूं तो देश के रेल नेटवर्क के चारों ओर लम्बे समय से सुनियोजित षडयंत्र के तहत कब्जे किये जा रहे हैं। महानगरों में रेलवे ट्रैक के किनारे, ओवर ब्रिज के नीचे, स्टेशनों के आसपास, खाली पडी रेलवे भूमि आदि पर झुग्गी-झोपडी, मलिन बस्ती, गरीब आबादी के नाम पर अनजान बाह्य लोगों व्दारा निरंतर बेजा कब्जे किये जाते रहे हैं। देश के उत्तरदायी विभागों के अनेक जिम्मेदार अधिकारियों व्दारा इन अवैध बस्तियों में विद्युत, पानी आदि की सुविधायें भी नियम-कानून को ताक में रखकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खुल्मखुल्ला दी जा रहीं हैं। वोट बैंक की राजनीति ने इन अनजान बाह्य लोगों में से अधिकांश को मतदान का अधिकार भी प्रदान करवा दिया गया है। यह अतिक्रमणकारी कहां से आये, क्यों आये, क्या करते हैं, इनके जीवकोपार्जन का साधन क्या है, जैसी जानकारियां लिये बगैर अवैध बस्तियों को वैध घोषित करने का सिलसिला भी समय-समय पर चलता रहा। वर्तमान में हालात यह है कि रेल नेटवर्क के चारों ओर असामाजिक तत्वों, आतंकवादियों, घुसपैठियों का शिकंजा कस चुका है। सामूहिक एकता के आधार पर किस भी संवैधानिक कार्यवाही के विरोध में भीड की शक्ल में उनका हिंसा से भरा आक्रामक रूप हमेशा ही देखने को मिलता है जिसे सफेदपोश नेताओं की एक बडी राष्ट्रविरोधी जमात का तत्काल संरक्षण भी मिल जाता है।

राजनैतिक दलों से जुडे काले कोटधारियों की फौज अतिक्रमणकारी आरोपियों के पक्ष में खडी हो जाती है। संचार माध्यमों की तीव्रता का उपयोग करके सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म्स पर भडकाऊ पोस्ट्स का अम्बार लग जाता है और फिर गूंजने लगते हैं देश के कोने-कोने से धमकी भरे स्वर। अतीत गवाह है कि प्रत्येक दुर्घटना के बाद जांच बैठाई जाती है। उस छानबीन समिति में विशेषज्ञों की भागीदारी होती है मगर समिति की रिपोर्ट, दोषी व्यक्तियों की पहचान एवं उन्हें दिये जाने वाले दण्ड का ज्यादातर खुलासा नहीं होता। सब कुछ ठंडे बस्ते में चला जाता है जो बाद में रद्दी की टोकरी की शोभा बनता है। रेल दुर्घटनाओं को लेकर लम्ब समय तक चलने वाली समीक्षात्मक खबरों से लेकर बहस तक में वास्तविक बिन्दुओं को गम्भीरता से रेखांकित नहीं किया जाता जिससे आम आवाम को वास्तविकता की सूक्ष्मतम जानकारी नहीं हो पाती। दरअसल सीमापार से नियंत्रित होने वाले देश के मीरजाफरों की जमात अपने मजहब के नाम पर कुछ भी कर गुजरने को सहज ही तैयार हो जाती है। फरहतुल्लाह गोरी और उसका दामाद शाहिद फैजल ने केरल सहित दक्षिण भारत में खासा नेटवर्क फैला रखा है जिसके माध्यम से समूचे देश में स्लीपर सेल तैयार किये जा रहे हैं। धर्म का प्रचार करने के नाम पर निकले वाली ज्यादातर जमातें अब मदरसों, आस्थानों, मस्जिदों, मुसाफिरखानों, यतीमखानों आदि में स्थानीय लोगों को तकरीर के नाम पर इकट्ठा करके कट्टरता का पाठ पढातीं हैं और फिर उनमें से फिदायिनी को चयनित करती हैं जो भविष्य में मजहब के नाम पर आंतक का पर्याय बनते हैं।

ऊषा शुक्ला

भगवान ने हर बच्चे को एक कला देकर धरती पर भेजा है । और माता पिता के अलावा अपने बच्चे की काबिलीयत कोई और पहचान ही नहीं सकता । दूसरे आपके बच्चे को कभी भी अपने बच्चे से ज्यादा अक्लमंद नहीं समझेंगे। किसी भी ऑफि स में सब के सब हाई पोस्ट पर तो नहीं बैठ जाएंगे। कुछ ऊँचे पद पर बैठेंगे तो कुछ नीचे पद पर। यह मार्क्स के खेल ने बच्चों में एक अजीब सी डिप्रेशन से स्थिति ला दी है।

नंबरों की होड़ को छोड़ समझे अपने बच्चे को बेजोड़

जाने अंजाने माता पिता अपने बच्चे का बचपन तनावपूर्ण बना रहे हैं। माता पिता जा खुद चाहते हैं वहीं बच्चों पर थोप रहे हैं। बच्चा खुद क्या करना चाह रहे हैं या बच्चा खुद क्या बनना चाहता है यह माता पिता सोच ही नहीं रहे। अपने बच्चे को अपने आँख का तारा समझ कर उसे बेजोड़ समझिए । भगवान ने हर बच्चे को एक कला देकर धरती पर भेजा है । और माता पिता के अलावा अपने बच्चे की काबिलीयत कोई और पहचान ही नहीं सकता । दूसरे आपके बच्चे को कभी भी अपने बच्चे से ज्यादा अक्लमंद नहीं समझेंगे। किसी भी ऑफि स में सब के सब हाई पोस्ट पर तो नहीं बैठ जाएंगे। कुछ ऊँचे पद पर बैठेंगे तो कुछ नीचे पद पर। यह मार्क्स के खेल ने बच्चों में एक अजीब सी डिप्रेशन से स्थिति ला दी है। माता पिता को समझने की जरूरत है कि उन्हें तो अपना जीवन खूब मस्ती में काटा है फिर अपने बच्चों का जीवन इतना तनावपूर्ण क्यों बनाते जा रहे हैं।सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा टॉप करे, उनका नाम रोशन करे। एक अभिभावक यह चाहेगा ही, इसमें गलत कुछ नहीं है। गलत तब है, जब अंकों की यह भूख बच्चे की क्षमता से आगे निकल जाए। अगर पता है कि बच्चा ज्यादा अंक नहीं ला पाएगा, फिर भी दबाव बनाते हैं तो यह बहुत ही खतरनाक है। बच्चा क्या बनना चाहता है, उसे क्या पसंद है, वह क्या करना चाहता है, माता-पिता सिर्फ इसी पर अपना फोकस करें। देखिए, नतीजे आपकी उम्मीदों से भी कहीं बेहतर आएंगे। आज कल अभिभावकों में नम्बरों की होड़ लगी हुई है । हर माता पिता की अपने बच्चों को पड़ोसी के बच्चे से ज्यादा नंबर लाने के लिए प्रेरित करते रहते । अंक जिंदगी का आधार नहीं हो सकते ।हर बच्चा चाहता है कि वह टॉप करे जो अच्छी बात है, लेकिन यह भी उतना ही बड़ा सच है कि हर बच्चा तो टॉप नहीं कर सकता। तो फिर कहीं ऐसा तो नहीं है कि अंकों की इस अंधी दौड़ में आप कुछ खो रहे हैं? क्या खो रहे हैं, इसका आपको शायद अंदाजा भी नहीं है। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों, दोनों को यह समझना जरूरी है कि अंक ही जीवन का आधार नहीं हो सकते। जीवन बहुत बड़ा है और बहुत कुछ देता है। इस दौड़ को अपने दिमाग पर हावी नहीं होने देना है। बस मन और शांत दिमाग से पढ़ाई करनी है और हमेशा सकारात्मक रहना है। आपका खुद पर विश्वास होना बहुत जरूरी है और यह विश्वास तभी बनेगा जब आप अच्छी तरह से पढ़ाई कर पाओगे, अंकों को दिमाग में रखे बगैऱ।अंकों का संबंध शैक्षणिक प्रदर्शन से जरूर है। हो सकता है अच्छे अंकों से आपको किसी अच्छे संस्थान में दाखिला मिल जाए, लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि इसका संबंध आपकी प्रतिभा से बिल्कुल भी नहीं है। इसके मायने यह हैं कि कम अंक आपकी उस प्रतिभा को नहीं रोक सकते, जिसके लिए आप बने हैं। दुनिया के सभी सफल और महान लोगों को देखिए। कोई भी ऐसा नहीं है, जिसने टॉप किया है बल्कि कुछ लोग तो ऐसे भी हैं जो अपनी पढ़ाई ही पूरी नहीं कर सके, फिर भी दुनिया के अमीरों की सूची में शीर्ष पर आए। ऐसा इसलिए क्योंकि उनका लक्ष्य अंकों पर नहीं था, उनके अपने गोल पर था। इसलिए अच्छे अंक लाने की कोशिश जरूर करें, लेकिन यही अंतिम लक्ष्य न हो। माता पिता को अपने पड़ोसियों को और अपने रिश्तेदारों को बताना है कि उनका अपना बच्चा दूसरों के बच्चों की तुलना में बहुत होशियार है। और यह प्रमाणित करने के लिए कि उनका बच्चा अड़ोसी पड़ोसी के बच्चों से या रिश्तेदारों के बच्चों से बहुतों अधिक प्रतिभाशाली है। अपने बच्चों को सारी दुनिया से अलग रखकर के केवल नंबरों के पीछे भाग रहे हैं। इतिहास गवाह है कि जितने भी एवरेज बचे हुए हैं वही अपने जीवन में एक उंची लक्ष्य को प्राप्त कर पाए हैं। जिन बच्चों ने अपने जीवन में संघर्ष किया है वहीं बच्चे कुछ अच्छा बन पाए हैं।बच्चे में अंकों का तनाव न हो, इसकी जिम्मेदारी अभिभावक की है। जब बच्चे परीक्षा के कठिन दौर से गुजर रहे हों तब अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रत्येक अभिभावक को अपने बच्चे के व्यवहार को समझना आवश्यक है और यदि बच्चे में तनाव के लक्षण दिखाई दें तो उचित समाधान करें। अभिभावक इस बात का दबाव नहीं बनाएं कि बच्चा हर समय पढ़ता ही रहे। बच्चे के मनोरंजन का भी ध्यान रखें। खासकर बच्चे को अपने दोस्तों से मिलने के लिए प्रेरित करें।बच्चों को चित्रात्मक तत्व बहुत पसंद होते हैं क्योंकि वे बहुत आनंद देते हैं। जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, उन्हें पाठ में रुचि होती है जिसे पढ़ना, समझना और फिर उसका आनंद लेना होता है। फिजिकल एक्टिविटीज तनाव को कम करने में मददगार होती है। तो पढ़ाई के बीच भी बच्चे को शाम के समय कुछ देर के लिए घर से बाहर निकलकर शारीरिक व्यायाम करने के लिए प्रेरित करें।कुछ मूलभूत सुविधाएं हर बच्चे को उसके माता-पिता की तरफ से मिलना चाहिये। बच्चों को पढ़ने के लिए उचित ऊंचाई की टेबल कुर्सी और रौशनी की व्यवस्था। पढ़ते समय घर में शांति का माहौल। यह नहीं कि बच्चे पढ रहे हैं और माता-पिता टीवी देखें गाने सुनें फोन पर बातें करें किसी को घर पर बुला गपशप करें या खुद बाहर घूमने चले जाएं। बार बार बच्चों को पढ़ने से उठाएं यह ला दो वह कर दो दरवाजा खोल दो कहकर। पढाई चाहे रोज की है उसमें पूरा ध्यान लगे ऐसा माहौल हो। पढाई के समय बच्चों को जहाँ परेशानी आये उसकी मदद करें यह नहीं कि चिल्लाने लगें कि स्कूल में क्या करते हो समझ नहीं आया तो टीचर से क्यों नहीं पूछा तुम्हारी टीचर को कुछ नहीं आता। ध्यान रखिये ये करके आप अपनी अक्षमता दिखाते हैं कि आपको भी कुछ नहीं आता। बच्चा पेट से सीखकर नहीं आया वह अभी सीख रहा है कुछ बातें एक बार में सीखेगा कुछ दस बार बताने पर।

-सुभाष गाताडे-

'हमारी समस्या है नागरिक आज्ञाकारिता'

लोकसभा चुनावों के नतीजों के ऐलान के महज एक सप्ताह के अंदर, आदिवासीबहुल मांडला जिले में सरकारी जमीन पर बने अल्पसंख्यक समुदाय के 11 मकानों को इन आरोपों के तहत ध्वस्त किया गया कि वहां से 'बीफ का अवैध व्यापार' चलता था। ऐसा दिख रहा था कि 'पुलिस/प्रशासन ने अब झुंड का काम' अपने हाथ में लिया है. जहां अब राज्य द्वारा निशानदेही पर किए जाने वाले अत्याचार अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा को वैधता प्रदान कर रहे हैं।

विख्यात अमेरिकी इतिहासकार, नाटककार, दार्शनिक और समाजवादी विचारक हॉवर्ड जिन जिनकी लिखी किताब 'ए पीपुल्स हिस्टरी आफ युनाईटेड स्टेटस' की लाखों प्रतियां बिक चुकी हैं, के यह लफ्ज आज भी दुनिया के तमाम मुल्कों में दोहराए जाते हैं जब-जब वहां की जनता हुक्मरानों के हर फरमान को सिर आंखों पर लेती है। वैसे बहुत कम लोग इस वक्तव्य के इतिहास से वाकिफ हैं, जिसे उन्होंने अमेरिका के युद्ध विरोधी आंदोलन के दौरान बाल्टिमोर विश्वविद्यालय के परिसर में रैडिकल छात्रों और परिवर्तनकामी अध्यापकों के विशाल जनसमूह के सामने दिया था। गौरतलब है कि यही वह दौर था जब अमेरिकी सरकार की विएतनाम युद्ध में संलिप्तता को लेकर- जिसमें तमाम अमेरिकी सैनिकों की महज लाशें ही अमेरिका लौट पायी थी। जनाक्रोश बढ़ता गया था और अमेरिकी सरकार पर इस बात का जोर बढ़ने लगा था कि उसे अपनी सेनाओं को वहां से वापस बुलाना चाहिए।

याद किया जा सकता है कि इस ऐतिहासिक साबित हो चुके व्याख्यान के एक दिन पहले क्या हुआ था! एक युद्ध विरोधी प्रदर्शन में शामिल होने के चलते उन्हें संघीय पुलिस ने गिरफ्तार किया था और हॉवर्ड जिन को कहा गया था कि वह अगले दिन अदालत में हाजिर हों। सवाल यह था कि क्या वह दूसरे ही दिन अदालत के सामने हाजिर हों, जहां उन्हें चेतावनी मिलेगी और फिर घर जाने के लिए कहा जाएगा या वह बाल्टिमोर जाने के अपने निर्णय पर कायम रहें, रैडिकल छात्रों ने उनके लिए जो निमंत्रण भेजा था उसका सम्मान करें और उसके अगले दिन अदालत के सामने हाजिर हों। यह जाहिर था कि इस हुक्मउदूली के लिए उन्हें कम से कम कुछ दिन/महिने सलाखों के पीछे जाना होगा।

जिन ने बाल्टिमोर जाना ही तय किया, जहां उन्होंने अपना भाषण दिया-जिसकी छात्रों एवं अध्यापकों में जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई और वह लौट आए और अगले ही दिन अदालत के सामने हाजिर हुए और जैसा कि स्पष्ट था कि उन्हें कुछ सप्ताह के लिए जेल भेजा गया। जब-जब हाल के समयों में दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र में 'बुलडोजर न्याय' की परिघटना सामने आयी है, तब-तब जिन के इस उदबोधन की प्रासंगिकता बढ़ती दिखती है।

न्याय के 'वाहक' के तौर पर बुलडोजर के इस रूपांतरण की परिघटना का अब सामान्यीकरण हो चला है। बुलडोजर के माध्यम से जारी इस ध्वस्तीकरण अभियान में फिलवक्त मध्यप्रदेश के छतरपुर में कांग्रेस नेता हाजी शहजाद अली के मकान का प्रसंग सूर्खियों में है। यह अभी भी अस्पष्ट है कि किस के आदेश पर यह विशाल मकान ध्वस्त किया गया? आखिर किस कानून के तहत पुलिस और प्रशासन को यह अधिकार मिल जाता है कि वह भारत के एक नागरिक के बुनियादी अधिकारों पर इस तरह हमला करे। आखिर कब से ऐसा कोई निर्माण- जिसका नक्शा संबंधित अधिकारियों ने पास नहीं किया हो-उसे इस तरह आनन फानन तबाह किया जाता है, जबकि इस मामले में लंबी प्रक्रिया चलती है, अदालत या संबंधित विभाग कुछ जुमार्ना करते है या अधिक से अधिक विवादित मकान का एक हिस्सा गिरा देते हैं। इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि इन ध्वस्तीकरणों को 'भाजपा शासित राज्यों में होने वाली घटनाओं में अब अपवाद नहीं कहा जा सकता।

लोकसभा चुनावों के नतीजों के ऐलान के महज एक सप्ताह के अंदर, आदिवासीबहुल मांडला जिले में सरकारी जमीन पर बने अल्पसंख्यक समुदाय के 11 मकानों को इन आरोपों के तहत ध्वस्त किया गया कि वहां से 'बीफ का अवैध व्यापारइ चलता था। ऐसा दिख रहा था कि 'पुलिस/प्रशासन ने अब झुंड का काम' अपने हाथ में लिया है. जहां अब राज्य द्वारा निशानदेही पर किए जाने वाले अत्याचार अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा को वैधता प्रदान कर रहे हैं।

ध्यान रहे कि यह मसला मध्य प्रदेश या किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है, यह सिलसिला भाजपा शासित राज्यों में आम है। तयशुदा बात है कि किसी खास तबके/समुदाय के खिलाफ बदले की भावना से ऐसी कार्रवाई या हिंसा को महज कानूनी शब्दावली में या उसकी कथित कमियों की बात करके समझा नहीं जा सकता। इतिहास हमें हिटलर के जर्मनी में बने न्यूरेम्बर्ग कानूनों /1935/ के बारे में बताता है जिसने नात्सीहुकूमत के लिए यह बेहद आसान बनाया कि वह यहुदियों के साथ भेदभाव को नीतिगत तौर पर अंजाम दे और उसने जर्मनी में सामीविरोध का भी संस्थाकरण किया जिसकी परिणति नस्लीय सफाये में हुई। ऐसी परिस्थिति, एक तरह से उनके अंदर के अल्पसंख्यक समुदाय को सभी अधिकारों से वंचित करती है और उन्हें बहुसंख्यक समुदाय की दया पर छोड़ देती है। हम ऐसी स्थिति से भी रूबरू हो सकते है जहां औपचारिक तौर पर ऐसे भेदभावजनक कानून अस्तित्व में नहीं है, मगर विभिन्न ऐतिहासिक और अन्य कारणों से ऐसे भेदभाव जनक या पूर्वाग्रह पूर्ण व्यवहार अधिकाधिक सामान्य होते जाते हैं।

जब प्रशासन पूर्वागहपूर्ण व्यवहार को अंजाम देता है और नागरिक समाज भी 'कानून के राज के इस खुल्लमखुला उल्लंघन को लेकर समझौताजनक रूख अख्तियार करता है तब अमन एवं इन्साफ के प्रति सरोकार रखने वाले नागरिकों और आदर्शवादी युवकों के सामने क्या रास्ता बचता है! शायद अब वक्त.की मांग है कि वह अधिक सर्जनात्मक और प्रेरणादायी समाधान की तरफ बढ़ने की कोशिश करें।

आज की तारीख में जब गाजा में और अन्य फिलिस्तीनीबहुल इलाकों में इस्त्राएली सेना जिस 'नस्लीय सफाये' को अंजाम दे रही है, तब यह जानना काफी प्रेरणादायी हो सकता है कि इन्हीं कठिन परिस्थितियों में इस्त्राएली युवाओं का एक छोटा सा ही हिस्सा पश्चिमी तट में सामने आ रही नस्लीय सफाये की घटनाओं को रोकने के लिए अपने आप को झोंक रहा है।

वैसे वे प्रख्यात युवा क्रांतिकारी रैशेल कोरी की शहादत से भी सीख सकते हैं, जिसने बमुश्किल 23 साल की उम्र में उस वक्त.अपनी शहादत दी जब इस्त्राएली टैंक दक्षिण गाजा में एक फिलिस्तीनी मकान को तबाह करने के लिए आगे बढ़ रहे थे।

अमेरिका में पढ़ाई कर रही रैशेल- फिलिस्तीनी और अंतरराष्टीय शांति कार्यकताओं के समूह की सदस्य थी, जिनकी कोशिश थी कि " वह फिलिस्तीनी संपत्ति को तबाह करने के इस्त्राएली सरकार के अभियान को रोकें। उस दिन वह राफाह शरणार्थी शिविर में इस कोशिश में जमा थे कि खुद मानवीय ढाल बनेंगे और ध्वंसीकरण को रोकेंगे, जब इस्त्राएली दस्ते दो भाइयों-खालिद और समीर नसरल्लाह-के मकानों को ध्वस्त करने के लिए पहुंचने वाले थे।

रैशेल के इस अनोखी शहादत के दुनिया भर में चर्चे चले। इस बात को भी रेखांकित किया जाना चाहिए कि रैशेल की शहादत के बाद दो अन्य शांति कार्यकर्ता इसी तरह फिलिस्तीनी मकानों को बचाने के प्रयास में आत्माहुति दिए।

बीस साल से अधिक वक्त. गुजर चुका है जब रैशेल और अन्य शांति कार्यकर्ता शहीद हुए। आज जब हमारे मुल्क में बुलडोजर/अ/न्याय का सामान्यीकरण हो चला है और संवैधानिक संस्थाएं भी इस मामले में औपचारिक कार्रवाई के आगे कदम नहीं उठाती दिख रही हैं, ऐसे समय में जनमानस को जगाने के लिए, उन्हें प्रेरित करने के लिए वे सभी जो न्याय, अमन और प्रगति के हक में हैं, उन्हें नयी जमीन तोड़ने की जरूरत है।

-ललित गर्ग-

डंकी रूट से जुड़े संकट एवं दर्द को कौन सुनेगा?

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है।

डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द ह्यडुंकीह्ल से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना। एक दशक से जारी इस गोरखधंधा-डंकी प्रेक्टिस का तब पदार्फाश हुआ एवं यह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आया जब इसके अन्तर्गत दिसंबर 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 भारतीय यात्रियों वाले एक चार्टर विमान को रोक दिया था। इनमें से अधिकांश को वापस भारत भेज दिया गया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। डंकी रूट में लिप्त एजेंट अपराधी है, युवा-सपनों को चूर-चूर करने वाले धोखेबाज है। यह दर्द एवं विडम्बना केवल पंजाब की नहीं है, बल्कि गुजरात एवं देश के अन्य भागों के युवाओं की भी है। रोजगार के साथ-साथ शिक्षा सबसे बड़ी वजह है डंकी रूट की। कुछ देशों में तकनीकी तथा अन्य प्रोफेशनल शिक्षा पर भारत के मुकाबले कम खर्च होते हैं इसलिए भी छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं। जिन्हें कम समय में अच्छी कमाई करके अच्छी लाइफ स्टाइल में जीने की ख्वाहिश होती है या फिर जो भारत में किसी क्राइम में शामिल होते हैं वे भी गैरकानूनी तरीका अख्तियार करते हैं।

डंकी रूट के जरिए लोग अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अवैध तरीके से प्रवेश करते हैं। इस रास्ते में कई जानलेवा खतरों का सामना करना पड़ता है। कई बार, अवैध तरीके से एंट्री करने के दौरान लोगों की मौत भी हो जाती है। साल 2022 में, अमेरिका-कनाडा बॉर्डर से 10 मीटर की दूरी पर एक गुजराती परिवार की लाश मिली थी, यह परिवार बफीर्ले तूफान की चपेट में आ गया था। इसी साल अप्रैल में, एक और गुजराती परिवार की मौत हो गई थी। अमेरिका में एंट्री से पहले ही सेंट लॉरेंस नदी में उनकी बोट डूब गई थी। इस घटना में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे मारे गए थे। युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे शासन तंत्र की नाकामी ही है। यदि ऐसे एजेंट समय रहते कानून व्यवस्था के शिकंजे में फंस गये होते तो युवा ठगी के शिकार न बनते। आखिर हम अपने युवाओं को देश में सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं दे पा रहे हैं? भारत सरकार अन्य देशों के साथ मिलकर युवाओं को धोखे से विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? निस्संदेह, विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से दलाली-ठगी करने वाले इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का खातमा करना अपेक्षित है। एशिया, यूरोप व मध्य अमेरिका तक दलालों के जाल बिछे हैं।

शाहरुख खान की फिल्म ह्यडंकीह्ल में इस समस्या को उभारा गया है। इस फिल्म में अवैध तरीके से विदेश जाने के तरीके को एवं उसमें होने वाली परेशानियों को दिखाया गया है। मूवी दिखाती है कि सात समंदर पार जाने का सपना लिए लोग कैसे-कैसे अवैध तरीके अपनाते हैं, कितनी दुश्वारियां और कितना पैसा खर्च कर देते हैं। ह्यडंकी रूटह्ल एक विकराल होती समस्या है। भारत में बढ़ती बेरोजगारी जहां इस समस्या का बड़ा कारण है, वहीं किस तरह युवा भी धैर्य व कठिन परिश्रम के बजाय रातोंरात अमीर बनने के सपने सजोते हुए इन संकटों को आमंत्रित करते हैं। आखिर क्या वजह है कि मां-बाप जमीन बेचकर व अपने गहने-मकान गिरवी रखकर बच्चों को विदेश भेजने को आतुर हैं? आखिर सुनहरे सपनों की चकाचौंध में हमारे युवा दलालों के हाथों के खिलौने क्यों बन रहे हैं? अमेरिका एवं अन्य देशों में जाने के सम्मोहन में अपने जीवन को इस तरह जोखिम में डालना युवा क्यों उचित मानते हैं? पिछले दिनों दलालों ने देश के युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर युद्धरत रूस की फौज में भी भर्ती करवा दिया। कई युवाओं के युद्ध में मरने की खबरें भी आई। दरअसल, युवाओं की इस बदहाली की वजह भ्रष्ट व बेईमान ट्रैवल एजेंट तो हैं ही, हमारी सरकारें भी इसके लिये कम जिम्मेदार नहीं है।

हाल ही में डंकी यात्रा पूरी करने वाले लोगों के परिवारों ने बताया कि मानव तस्कर अक्सर नई दिल्ली और मुंबई से प्रवासियों को पर्यटक वीजा पर संयुक्त अरब अमीरात ले जाते हैं। फिर वे वेनेजुएला, निकारागुआ और ग्वाटेमाला जैसे लैटिन अमेरिका के एक दर्जन से ज्यादा ट्रांजिट बिंदुओं से गुजरते हुए अमेरिका-मेक्सिको सीमा तक पहुंचते हैं। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच साल में दो लाख से ज्यादा भारतीय अवैध तरीके से अमेरिका में घुसते हुए पकड़े गए हैं। ऐसे मामले उजागर होने के तुरंत बाद कुछ गिरफ्तारियां इस बड़े संकट का समाधान नहीं है। इन आपराधिक कृत्यों में लिप्त एजेंट कुछ समय के लिये चुप बैठकर फिर से अपने नापाक खेल में सक्रिय हो जाते हैं। वैसे वे युवा भी कम दोषी नहीं हैं जो वास्तविक स्थिति को जाने बिना शॉर्टकट रास्ते के लिये दलालों को पैसे देने को तैयार हो जाते हैं। दरअसल, विदेश जाने के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक चैनल को दरकिनार करने के खतरों के बारे में भी बताना चाहिए। इसके लिये उन्हें सचेत करने के मकसद से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में 60 हजार कांस्टेबल की भर्ती के लिये 48 लाख से भी अधिक युवा-प्रार्थियों ने आवेदन किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

साथ आएंगे कांग्रेस और आप! उम्मीदवारों की घोषणा से पहले गठबंधन की सुगबुगाहट

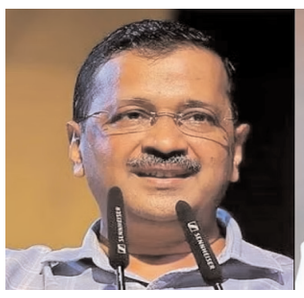

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव आम आदमी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन में लड़ सकते हैं। दोनों दलों ने लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था। हालांकि इसके बाद दोनों दलों ने विधानसभा चुनाव अलग अलग लड़ने का एलान किया था लेकिन अब फिर गठबंधन की सुगबुगाहट होने लगी है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को हुई सीईसी की बैठक में राहुल गांधी ने आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावनाएं तलाशने को कहा है।

आप ने किया स्वागत...वहीं हरियाणा चुनाव के लिए गठबंधन को लेकर राहुल गांधी के बयान पर आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि हम इसका स्वागत करते हैं। हमारी प्राथमिकता भाजपा को हराना है... हमारे हरियाणा प्रभारी संदीप पाठक और सुशील गुप्ता इस पर चर्चा करेंगे और अंतिम निर्णय लेंगे और अरविंद केजरीवाल को इसके बारे में सूचित करेंगे और उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

वहीं आप हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह फैसला हाईकमान करेगा। गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आदेशानुसार हम सभी 90 सीटों पर तैयारी कर रहे हैं। हर विधानसभा में हमारी बैठकें हो रही हैं, हम लगातार कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं... हम 15 दिनों में 40 और कार्यक्रम आयोजित करेंगे... आम आदमी पार्टी 90 सीटों पर पूरी तैयारी कर रही है... आम आदमी पार्टी बहुमत की सरकार बनाने के लिए, व्यवस्था परिवर्तन के लिए, भाजपा की अहंकारी और तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए संघर्ष कर रही है।

कांग्रेस में 35 प्रत्याशियों के नाम पर लगी मुहर...हरियाणा कांग्रेस में विधानसभा टिकटों को लेकर मचे घमासान के बीच दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में पहले दिन 49 सीटों पर चर्चा की गई। इनमें से 35 प्रत्याशियों की पहली सूची के प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगाई गई। संभावना है कि पहली सूची किसी भी समय जारी हो सकती है। वहीं, मंगलवार को 55 सीटों पर मंथन होगा।

दिल्ली में हुई बैठक में कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन, हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया के अलावा हरियाणा से नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष उदयभान शामिल हुए। खास बात यह रही कि कमेटी का सदस्य होने के बावजूद कुमारी सैलजा व रणदीप सुरजेवाला शामिल नहीं हुए। बताया जा रहा है कि बैठक में 49 सीटों के प्रत्याशियों पर विचार किया गया और दावेदारों के बारे में फीडबैक व सर्वे रिपोर्ट को भी देखा गया। पहली सूची में अधिकतर विधायकों और दिग्गज नेताओं को स्थान दिया गया है।

सैलजा, सुरजेवाला और अजय यादव हाईकमान को दे चुकी अपनी सूची...कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी पांच बार बैठक कर चुकी है। अंतिम बैठक में पैनल तैयार होने के बाद कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और अजय यादव हाईकमान को अपनी सूची भेज चुके हैं। ये तीनों नेता हुड्डा खेमे के मुकाबले अपने-अपने इलाकों में समर्थक नेताओं को टिकट दिलाने की कोशिश में हैं। इस बार कांग्रेस साफ कर चुकी है कि टिकट सिफारिश नहीं सर्वे रिपोर्ट के आधार पर मिलेगी।

कैथल से रणदीप सुरजेवाला के बेटे आदित्य का नाम तय...कांग्रेस सीईसी की बैठक में तय हो गया है कि दिग्गज नेता अपनी पुरानी सीटों से ही लड़ेंगे। इनमें गढ़ी सांपला किलोई से पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, झज्जर से गीता भुक्कल, रेवाड़ी से चिरंजीव राव, बेरी से रघुबीर कादियान, रोहतक से बीबी बत्रा, महेंद्रगढ़ से राव दान सिंह, नूंह से आफताब अहमद, बरौदा से इंदुराज भालू और पुन्हाना से मोहम्मद इलियास के नाम शामिल हैं।

पूर्व सीएम भजनलाल के बेटे और पूर्व उप मुख्यमंत्री चंद्रमोहन बिश्नोई के पंचकूला से चुनाव लड़ने पर सहमति बन चुकी है। कैथल से रणदीप सुरजेवाला के बेटे आदित्य सुरजेवाला और उचाना से पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नाम तय हैं। सीईसी की बैठक के बाद कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने कहा कि बड़े नामों पर चर्चा हुई है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपनी पुरानी सीट गढ़ी सांपला किलोई से लड़ेंगे। सांसदों के चुनाव न लड़ने और विनेश फोगाट के चुनाव लड़ने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।

तंवर की तरह भंवर में छोड़ गई सैलजा टिकट की आस में भाजपा में गए बबली

फतेहाबाद। कांग्रेस में एक बार फिर से देवेंद्र सिंह अपने ऊपर मजबूत हाथ नहीं होने से टिकट पाने से पिछड़ गए। अशोक तंवर की तरह कुमारी सैलजा ने भी भंवर में छोड़ दिया तो पूर्व पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली ने भाजपा का दामन थाम लिया। बता दें कि साल 2019 के चुनाव में भी देवेंद्र सिंह बबली कांग्रेस की टिकट के प्रबल दावेदार थे। उस समय वह तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष अशोक तंवर के सबसे नजदीकियों में से एक थे।

अशोक तंवर की मजबूत पैरवी के बावजूद उन्हें टोहाना से टिकट नहीं मिल पाई। उनके बजाय पूर्व कृषि मंत्री परमवीर सिंह टिकट लाने में सफल रहे। इस पर उन्होंने तुरंत जननायक जनता पार्टी का दामन थामकर चुनाव लड़ा और फिर बड़े मार्जिन से जीत हासिल की। भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार में वे जजपा कोटे से पंचायत मंत्री भी रहे।

लोकसभा चुनाव में कुमारी सैलजा को दिलाए थे वोट...देवेंद्र सिंह बबली ने जजपा विधायक रहते हुए भी मई में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा को समर्थन दिया था। उन्होंने अपने संगठन जागो दिशा सही-सोच नई के बैनर तले बाकायदा कार्यकताओं की बैठक बुलाकर सैलजा के समर्थन देने की घोषणा की थी। इसके बाद सैलजा की बूथ मैनेजमेंट तक बबली के समर्थकों ने संभाली। जिससे कुमारी सैलजा ने टोहाना से 48,411 वोटों की लीड लेकर जीत हासिल की।

चुनाव जीतने के बाद कुमारी सैलजा ने देवेंद्र बबली के कार्यालय में आकर आगे की राजनीति में साथ देने का वादा किया था। मगर ऐन मौके पर कुमारी सैलजा के समर्थन के बावजूद बबली की कांग्रेस में टिकट पक्की नहीं हो सकी।

भाजपा में भी कम नहीं चुनौतियां

पूर्व पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने बेशक सोमवार को दिल्ली में भाजपा की सदस्यता हासिल कर ली है, मगर उनकी चुनौतियां यहां भी कम नहीं है। हालांकि, यहां से भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला के राज्यसभा में जाने के बाद भाजपा के पास टोहाना से विधानसभा चुनाव के लिए टिकट का कोई मजबूत दावेदार नहीं था।

ऐसे में पार्टी बबली को टिकट थमाकर मैदान में उतार सकती है। इससे भाजपा को टोहाना में मजबूत जाट चेहरा मिल गया है। टोहाना में भाजपा में सामंजस्य बैठाने में बबली के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती रिश्ते में उनके दादा सुभाष बराला व उनकी टीम ही रहेगी।

सुभाष बराला के साथ देवेंद्र बबली की जबरदस्त खींचतान रही है। इस खींचतान को कम करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी जोर लगाया मगर यह कम नहीं हो सकी।

हरिद्वार से जम्मू जा रही बस को ट्राले ने मारी टक्कर, एक यात्री की मौत, 35 घायल

लुधियाना । हरिद्वार से जम्मू के लिए जा रही एक बस को लुधियाना के जालंधर बाईपास के पास ट्राले ने टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं 35 लोग घायल हो गए। मंगलवार सुबह करीब तीन बजे बस जालंधर बाईपास के पास पंचर हो गई। ड्राइवर बस का टायर बदल रहा था। इसी दौरान पीछे से आए ट्राले ने सीधे बस को टक्कर मार दी।

हादसे की सूचना मिलते ही थाना सलेम टाबरी की पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया। वहां से 10 लोगों को चंडीगढ़ सेक्टर 32 अस्पताल रेफर कर दिया गया है और पांच घायलों को निजी अस्पताल में रेफर किया गया है। बाकी सवारियों को दूसरी बस में जम्मू के लिए रवाना कर दिया गया। जानकारी के अनुसार जम्मू की एक बस हरिद्वार से सवारियों को स्नान करवाने के बाद वापस जम्मू जा रही थी। मंगलवार सुबह करीब तीन बजे बस जालंधर बाईपास के पास पहुंची तो टायर पंचर हो गया।

बस चालक ने बस साइड पर लगाई और टायर बदलने लगा। बस में करीब 43 सवारियां सवार थीं। इसी दौरान दोराहा की तरफ से आने वाले तेज रफ्तार ट्राले ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गई। उनके चिल्लाने की आवाज सुन लोग इकट्ठ हुए उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम को दी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और एंबुलेंस को बुला लिया गया। ट्राला चालक अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। थाना सलेम टाबरी पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

चंडीगढ़ में किसान आंदोलन: रोज बन रहा 10 हजार लोगों का लंगर

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में किसानों का आंदोलन जारी है। सोमवार को किसानों ने अपनी मांगों के लिए विधानसभा की तरफ कूच किया था। सेक्टर 34 में हर ओर किसान और जवान नजर आए। किसान अपनी मांगों को लेकर धरना पर बैठे हैं तो जवान उनकी और शहर की सुरक्षा में तैनात है।

सेक्टर 34 के मेला ग्राउंड में तो किसनों ने ट्रैक्टर और ट्रलियां लगा रखे हैं। ट्रालियों में बिस्तर लगाए हुए हैं। कोई पेड़ की छाया में तो कोई ट्रैक्टर के नीचे आराम कर रहा है। सेक्टर 34 के गुरुद्वारा साहिब में किसानों की आवाजाही लगी रही। गुरुद्वारा साहिब में किसानों ने लंगर ग्रहण किया।

कोई मेला ग्राउंड में आ रहा है तो कोई जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस पुरी तरह से मुस्तैद रही ताकि आनेजाने वालों को कम से कम परेशानी हो। भारतीय किसान यूनियन एकता उग्राहां के प्रांतीय सचिव जगतार सिंह ने बताया कि हमारा शांति पूर्ण धरना है। हम अपनी मांगों के लिए आए हैं। बार बार अपनी बात करने के बाद भी सरकार नहीं सुनी तो हम जरा नजदीक आ गए हैं। सरकार को मांग माननी पड़ेगी।

मेला ग्राउंड में करीब 10 हजार किसान आए हैं। उनके लिए लंगर तैयार होता है। बड़ी संख्या में महिलाएं भी हैं।

किसान जहां पर धरना पर बैठे हैं। उसके पास में ही गुरुद्वारा साहिब हैं। सेक्टर 34 के गुरुद्वारा साहिब में किसानों ने लंगर ग्रहण किया। गुरुद्वारा साहिब के प्रधान तेजवंत सिंह गिल ने बताया कि करीब नौ हजार संगत ने लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। आम दिनों में करीब ढाई हजार लोगों ने लिए लंगर तैयार होता है।

पंजाब से आए किसानों के कारण नौ हजार लोगों के लिए लंगर तैयार किया गया। उन्होंने बताया कि लंगर सभी के लिए हैं। रात और दिन लंगर चलता रहेगा।

पेट्रोल पंप कारिंदे से पांच लाख लूट मामले में सात आरोपी गिरफ्तार

बठिंडा। बठिंडा में सोमवार को थाना सदर एरिया में गांव जस्सी बागवाली एवं जोधपुर रोमाना के रास्ते में पेट्रोल पंप कारिंदे से हुई पांच लाख की लूट मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से लूट की रकम, लोहे की रॉड और तीन मोटरसाईकिल बरामद की गई हैं। पकडे.गए आरोपियों की पहचान जसवीर सिंह उर्फ जस्सा, अजैब सिंह उर्फ बिल्ला, अवतार सिंह उर्फ मोटा, सुखबीर सिंह उर्फ बंटी, जगजीत सिंह उर्फ जग्ग, बोबी सिंह और नगवीर सिंह के तौर पर हुई है।

जिला पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि गांव जोधपुर रोमाना में स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप का एक कारिंदा जब पंप से पांच लाख रुपये की नगदी लेकर रवाना हुआ तो पंप पर मौजूद जसवीर सिंह जस्सा ने अपने साथियों को सूचना दी कि कारिंदा नगदी लेकर रवाना हो चुका है। प्रवक्ता ने बताया कि जब पंप का कारिंदा गांव जस्सी पो वाली एवं जोधपुरा रोमाना के रास्ते बीच पहुंचा तो जसवीर के साथियों ने कारिंदे को घेर लिया और लोहे की रॉड से उसके मोटरसाईकिल पर वार कर उसे रोक लिया।

इसके बाद सभी आरोपी कारिंदे से पांच लाख रुपये की नगदी लूटकर फरार हो गए।

द ईस्ट अवार्ड वॉर संशोधन बिल विधानसभा में पास, जंगी जागीर की राशि 10 हजार बढ़ी

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के मानसून सत्र में दूसरे दिन सीएम भगवंत मान ने पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन संशोधन बिल 2024 पेश किया। इसके अलावा द ईस्ट अवार्ड वॉर संशोधन बिल भी पेश किया गया। इसके बाद सत्र की कार्यवाही दोपहर ढाई बजे तक स्थगित कर दी गई है।

द ईस्ट अवार्ड वॉर संशोधन बिल विधानसभा में पास कर दिया गया है। बिल में संशोधन के तहत जंगी जागीर की राशि 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार की गई है। आखिरी बार वर्ष 2013 में इस बिल में संशोधन किया गया था।

इससे पहले सदन ने स्वास्थ्य विभाग में 1946 पदों को मंजूरी दे दी है। वहीं 446 पदों पर अक्तूबर में भर्ती की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसका नोटिफिकेशन जल्द जारी होगा। विधायक मनविंदर सिंह ने शून्यकाल में कहा कि बीते तीन साल में 700 कच्चे बिजली कर्मचारियों की मौत ड्यूटी के दौरान हुई है। क्योंकि उन्हें सेफ्टी किट तक मुहैया नहीं कराई गई थी। उन्होंने इन कच्चे कर्मचारियों के लिए पॉलिसी बनाने की मांग की।

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने विधानसभा में जेल में गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई की इंटरव्यू के मामले में विधानसभा कमेटी गठित करने की मांग की। साथ ही उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, जो भी लॉरेंस की इंटरव्यू करवाने में शामिल थे।

नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने शून्यकाल के दौरान पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या और लॉरेंस बिश्नोई के सीआईए खरड़ से इंटरव्यू मामले में इंटेलिजेंस के फेलियर का मुद्दा उठाया। बाजवा ने कहा कि आईपीएस प्रबोध कुमार से ही लॉरेंस के इंटरव्यू में शामिल बड़े अफसरों की भूमिका पर जांच कराई जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चंडीगढ़ आई किसान जथेबंदियो से ऑल पार्टी कमेटी को मुलाकात करनी चाहिए या उन्हें विधानसभा बुलाना चाहिए ताकि उनकी मांगों को लेकर चर्चा हो सके। केंद्र व राज्य के अलग मुद्दे पर अलग बातचीत करनी चाहिए। वहीं विधायक मनप्रीत सिंह अयाली ने पंजाब में डीएपी की शॉर्टेज का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में अब तक केवल 36 फीसदी तक ही किसानों को डीएपी खाद मुहैया कराई गई है। डीएपी की कमी को पूरा करने के लिए सरकार को जल्द कोई ठोस कदम उठाना चाहिए ताकि किसानों की फसल बर्बाद न हो। 2004 के बाद से कर्मचारियों को ओल्ड ऐज पेंशन स्कीम का सरकार द्वारा लाभ मुहैया कराया जाना चाहिए। एक जनवरी 2016 से पहले रिटायर हुए 850 पीएयू कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाए।

विधायक लाभ सिंह ने पर्ल ग्रुप के मामले में लोगों का लगा पैसा पीड़ित परिवारों को वापिस किये जाने की बात रखी। वहीं प्रिंसिपल बुद्ध राम ने सदन में कहा कि जो पशु मर जाते है उनको दफनाने में दिक्कत आती है। पूरे प्रदेश में इसके लिए आधुनिक भट्टिया बनाई जानी चहिए।

डेराबस्सी से विधायक कुलवंत सिंह रंधावा ने कहा कि उनके हल्के में बिजली के खम्बे जो खराब हो चुके है उन्हें हटाया जाए। विधायक राणा इंदर प्रताप सिंह ने प्रदेश में जहरीले पानी का मुद्दा उठाया। कांग्रेस विधायक अवतार सिंह ने वित्त मंत्री से मांग की कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने पर जल्द फैसला लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने 18 नवंबर 2002 को पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर एक फर्जी अधिसूचना जारी कर दी, लेकिन उसे लागू नहीं किया।

भाजपा ने खेला दांव, मजबूत दावेदारों का विकल्प मिला बगावत का खतरा, इन सीटों पर बदला समीकरण

चंडीगढ़। भाजपा ने पूर्व मंत्री, पूर्व जेल अधीक्षक समेत तीन लोगों को पार्टी में शामिल कर मजबूत दांव खेला है। तीनों के पार्टी में शामिल होने से भाजपा को अच्छी स्थिति वाले उम्मीदवारों के तौर पर एक विकल्प भी मिल गया है। भाजपा पूर्व मंत्री बबली को टोहाना से, पूर्व जेल अधीक्षक सुनील सांगवान को दादरी से और संजय कबलाना को बादली से उतार सकती है।

तीनों ही विधानसभा सीटों पर पिछले चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि इनके आने से पार्टी को बगावत का भी खतरा भी है। कुछ सीटों पर पहले से भाजपाई टिकट मांग रहे हैं। यहां तक उन्होंने अपना प्रचार अभियान भी शुरू कर दिया है। ऐसे लोगों के साथ पार्टी सामंजस्य बैठाने में जुटी हुई है। हालांकि अभी तक पार्टी ने किसी के नाम पर अंतिम मुहर नहीं लगाई है।

पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली को शामिल करने के बाद भाजपा टोहाना में मजबूत हुई है। पार्टी उन्हें उम्मीदवार भी घोषित कर सकती है। बबली ने 2019 में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला को रिकॉर्ड 52 हजार मतों से हराया था। पिछले दो बार से भाजपा बराला को इस विधानसभा क्षेत्र से उतारती आ रही थी।

बराला के राज्यसभा पहुंचने के बाद पार्टी के पास कोई मजबूत उम्मीदवार नहीं था। ऐसे में बबली उनके लिए मजबूत विकल्प के तौर पर हो सकते हैं। वह हरियाणा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। धन-बल से वह मजबूत हैं और पिछले कई दिनों से इलाके में समाजसेवा के तौर पर सक्रिय हैं।

सांगवान हो सकते हैं दादरी से उम्मीदवार, बबीता भी तैयारी में...भोंडसी जेल के पूर्व अधीक्षक सुनील सांगवान के रूप में भाजपा को एक अच्छा विकल्प मिला है। उनके पिता सतपाल सांगवान पूर्व सीएम बंसीलाल के करीबी रहे हैं। कुछ समय पहले ही वह भाजपा में शामिल हो गए थे।

वह भी पहले सरकारी अधिकारी थे और इस्तीफा देकर ही राजनीति में आए थे। अब उनके बेटे सुनील सांगवान रविवार को हरियाणा सरकार को इस्तीफा सौंप राजनीति में कूद गए हैं।

उनका लड़ना तय माना जा रहा है, मगर दंगल गर्ल बबीता फोगाट भी भाजपा से तैयारी कर रही हैं। उन्होंने जनसंपर्क भी शुरू कर दिया है। पहलवालों के मुद्दे पर वह खुलकर भाजपा का समर्थन करती रही हैं। ऐसे में दादरी में योग्य उम्मीदवार को टिकट देना पार्टी के लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

बादली से धनखड़ मांग रहे थे टिकट, कबला के आने से बदलेगा समीकरण...भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ बादली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं।

वह टिकट भी मांग रहे थे, मगर संजय कबलाना के आने से समीकरण बदल जाएंगे। काबला दो बार भाजपा व जजपा से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं, मगर एक भी बार उन्हें जीत नहीं मिली है। हार के बावजूद वह इलाके में सक्रिय रहे हैं। अब देखना होगा कि पार्टी धनखड़ को उतारती है या फिर कबलाना को।

फिरोजपुर में परिवार पर ताबड़तोड़ फायरिंग दो भाई और उनकी बहन की मौत

चंडीगढ़। पंजाब के फिरोजपुर में एक ही परिवार के तीन लोगों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गई। तीनों लोगों की मौत हो गई है। वारदात मंगलवार दोपहर को हुई। हमलावर बाइक पर आए थे। आरोपियों ने करीब बीस राउंड फायरिंग की गई है। वारदात गुरुद्वारा अकालगढ़ साहिब के सामने हुई।

जानकारी के अनुसार, सफेद वरना कार में पांच लोग सवार थे। वारदात में एक महिला जसप्रीत कौर की मौत हुई है। सूत्रों के अनुसार, एक युवक दिलप्रीत सिंह (29) पर हत्या के दो केस दर्ज थे। मृतका दिलप्रीत की बहन थी। दिलप्रीत और उसके चचेरे भाई आकाश की भी मौत हो गई है हालांकि अभी पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक पर दो नकाबपोश आए और कार को रुकवाया। कार के रुकते ही फायरिंग शुरू कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूत्रों के अनुसार, कार सवार लड़की की शादी थी और इसी के लिए सभी बाजार में खरीदारी करने जा रहे थे।

पेरिस पैरा ओलंपिक में नितेश लुहाच ने जीता स्वर्ण पदक, परिजनों ने देखा मैच

दादरी चरखी दादरी के नांधा गांव निवासी पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश लुहाच ने पेरिस पैरा ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर दिया। नांधा में नितेश के ताऊ गुणपाल व वेदपाल ने परिजनों के साथ बैठकर मैच देखे। भतीजे के स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनके घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। नितेश का परिवार जयपुर रहता है। खिताबी मुकाबले में नितेश ने ब्रिटेन के खिलाड़ी डेनियल बेथल को शिकस्त दी। नितेश की सफलता पर दादरी शहर स्थित हीरा बैडमिंटन स्टेडियम में खिलाड़ियों ने खुशी जाहिर की। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन महासचिव लोकेश गुप्ता ने बताया कि दादरी के नांधा निवासी नितेश की कामयाबी देश के दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। एसोसिएशन के जिला प्रधान पंकज जैन ने बताया कि नितेश का खिताबी मुकाबला ब्रिटेन के डेनियल बेथल के साथ हुआ।

नितेश ने पहला सेट 21-14 से जीता जबकि दूसरा सेट ब्रिटेन के खिलाड़ी ने 18-21 के अंतर से अपने पक्ष में किया। निर्णायक तीसरे सेट में नितेश लुहाच ने अपना दबदबा बनाया और 23-21 के अंतर से यह सेट जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

जापान व थाईलैंड के खिलाड़ी को दी शिकस्त...नितेश लुहाच ने निर्णायक मुकाबले से पहले सेमीफाइनल मैच में जापान के दाईसुके फुजिहारा को 21-12 व 21-16 से मात दी। इससे पहले नितेश ने थाईलैंड के मोंगखोन बुनसुन को 21-13 व 21-14 से हराया। नितेश ने पेरिस में आयोजित पैरा ओलंपिक से पहले चीन में आयोजित पैरा एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में भी शानदार प्रदर्शन किया था।

पेरिस पैरालंपिक में योगेश कथूनिया ने जीता रजत पदक, परिजन बोले- बीमारी को मात दे पाई कामयाबी

बहादुरगढ़। बहादुरगढ़ के बेटे योगेश कथूनिया ने पेरिस पैरालंपिक खेलों के डिस्कस थ्रो इवेंट में सोमवार को रजत पदक हासिल किया है। उन्होंने पैरालंपिक खेलों के डिस्कस थ्रो इवेंट में लगातार दूसरी बार रजत पदक हासिल किया है। इससे पहले योगेश ने टोक्यो पैरालंपिक गेम्स में भी सिल्वर पदक हासिल किया था। योगेश ने पेरिस में 42.22 मीटर दूरी के साथ सिल्वर मेडल जीता था।

योगेश की माता मीना देवी का कहना है कि योगेश ने अपने सिल्वर मेडल का रंग बदलने का वादा किया था, लेकिन उनका बेटा व्हीलचेयर पर बैठकर भी सिल्वर मेडल हासिल कर रहा है। इससे भी मुझे संतोष है। उम्मीद है कि मेरा बेटा एक दिन पैरालंपिक गेम्स में स्वर्ण पदक जरूर हासिल करेगा।

पिता बोले- बेटे पर फक्र, डेढ़ साल तक घर से दूर रहकर किया अभ्यास...पिता कैप्टन ज्ञानचंद को भी अपने बेटे पर फक्र है। योगेश की बहन पूजा का कहना है कि योगेश बहुत मेहनती है और सीधे-साधे स्वभाव का है। वह सरल तरीके से अपना जीवन व्यतीत कर रहा है और खेलों में उसे हिस्सा लेना बेहद पसंद है। अभ्यास के चलते योगेश एक-डेढ़ साल से घर नहीं आया है।

पूजा का कहना है कि जब भाई घर लौटेगा तो उसका जोरदार स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 9 सितंबर को योगेश दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेगा। यहां से उसका स्वागत शुरू होगा और बहादुरगढ़ में भी परिजन उनका रोड शो निकालेंगे।

बीमारी को मात दे पाई कामयाबी...योगेश को 2006 में पैरालिसिस हो गया था। परिजनों ने योगेश के वापस उठ खड़े होने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन योगेश ने हिम्मत नहीं हारी और व्हीलचेयर पर रहते हुए भी पूरे हौसले के साथ 2016 में खेलना शुरू किया। इसी का नतीजा है कि योगेश कथूनिया ने लगातार दूसरी बार पैरालंपिक खेलों में सिल्वर मेडल हासिल किया है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति की मुश्किलें बढ़ीं, अमेरिका की बड़ी कार्रवाई, निजी विमान को जब्त कर ले गए फ्लोरिडा

काराकास। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अब अमेरिकी सरकार ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के निजी विमान को जब्त कर लिया। विमान को यह निर्धारित करने के बाद जब्त कर लिया गया है कि इसकी खरीद अन्य आपराधिक मुद्दों के अलावा अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन है। बताया जा रहा कि इस विमान को फ्लोरिडा लाया गया है।

व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि बाइडन प्रशासन मादुरो पर हालिया राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों में कथित धांधली करने को लेकर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

डसॉल्ट फाल्कन 900ए जब्त...अधिकारी ने बताया कि वेनेजुएला में अधिकारी विमान को रखरखाव कार्य के लिए डोमिनिकन गणराज्य लेकर आए थे। अमेरिका ने न्यायिक चैनलों के माध्यम से इसकी जब्ती के लिए अनुरोध किया था। इस पर डोमिनिकन अधिकारियों ने सहयोग किया। मादुरो के लग्जरी विमान डसॉल्ट फाल्कन 900ए को डोमिनिकन रिपब्लिक में जब्त किया गया। ये कैरिबियन सागर में स्थित लैटिन अमेरिकी देश है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारी सोमवार को विमान अमेरिका लेकर चले गए।

पहचान छिपाकर लिया विमान...अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने कहा, 'न्याय विभाग ने एक विमान जब्त किया है, जिसे लेकर हमारा आरोप है कि इसे एक शेल कंपनी के जरिए अवैध रूप से 1.3 करोड़ डॉलर में खरीदा गया। निकोलस मादुरो और उनके साथियों की ओर से इस्तेमाल के लिए इसे अमेरिका से तस्करी कर लाया गया था।' विमान ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट रडार 24 के मुताबिक, विमान सोमवार की सुबह सैंटो डोमिंगो से फोर्ट लॉडरडेल के लिए उड़ा।

यह है मामला...अमेरिका ने कहा कि 2022 के अंत और 2023 की शुरूआत में मादुरो से जुड़े लोगों ने विमान की अवैध खरीद में अपनी भागीदारी छिपाने के लिए कथित तौर पर कैरेबियाई शेल कंपनी का इस्तेमाल किया। अप्रैल 2023 में विमान को अवैध रूप से अमेरिका से कैरेबियन के जरिए वेनेजुएला में निर्यात किया गया था। मई 2023 के बाद से यह निजी विमान वेनेजुएला में विशेष रूप से एक सैन्य अड्डे से दूसरे सैन्य अड्डे के लिए उड़ान भरता रहा। वेनेजुएला में 28 जुलाई को चुनावों में मादुरो को विजेता घोषित किया गया। उनकी जीत के बाद से ही देश में विरोध प्रदर्शन हुए।

विमान जब्त करना डकैती जैसा...वेनेजुएला की सरकार ने विमान जब्त होने की बात कबूली है। उन्होंने अमेरिकी सरकार के इस कदम को डकैती करार दिया है। अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका ने फिर एक अपराध किया है। उन्होंने उस विमान को जब्त कर लिया है, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रपति करते हैं। वे जबरदस्ती अपने कदम को उचित ठहरा रहे हैं।

अमेरिका और वेनेजुएला में तकरार...वेनेजुएला और अमेरिका के बीच कई दशकों से राजनीतिक मतभेद रहे हैं। वेनेजुएला, अमेरिकी की पूंजीवादी और विदेश नीतियों को लेकर आलोचना करता है तो वहीं, अमेरिका, वेनेजुएला में मानवाधिकार के उल्लंघन पर नाराजगी जताता रहा है। लगभग 100 साल पहले वेनेजुएला में तेल भंडारों की खोज हुई थी। तेल की खोज होने के 20 साल बाद ही वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में से एक बन गया। उसे लैटिन अमेरिका का सऊदी अरब कहा जाने लगा।

1950 के दशक में वेनेजुएला दुनिया का चौथा सबसे धनी देश था। मगर, आज इस देश की हालत खराब हो चुकी है। देश की 75 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। पिछले सात साल में करीब 75 लाख लोग देश छोड़कर चले गए हैं। दरअसल, वेनेजुएला लगभग पूरी तरह से तेल पर निर्भर था। 80 के दशक में तेल की कीमतें गिरने लगीं। कीमतों में गिरावट ने वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को भी नीचे ला दिया। सरकारी नीतियों की वजह से वेनेजुएला अपना कर्ज चुकाने में फेल होने लगा। बाद में तेल के दाम बढ़े भी तो वह इसका फायदा नहीं उठा सका। 2015 में अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से वेनेजुएला की हालत और खराब हो गई है।

किसानी का यह आइडिया तो कमाल का है!

नीचे मछली ऊपर सब्जी -एक पोखर से 10 लाख हो रही कमाई

दीपक तिवारी।

सीतामढ़ी। हर शिक्षित युवक सरकारी और निजी नौकरी की ओर भाग रहे हैं। नौकरी नहीं मिलने पर हाथ पर रख बैठ जाते हैं। कुछ ही हैं, जो किसी दूसरे काम में लग जाते हैं। ऐसे लोगों को शायद मालूम नहीं है कि बेहतर आइडिया और वैज्ञानिक तरीके से खेती करने से किस हद तक आर्थिक लाभ मिल सकता है। अब किसान भी खेती को खास फायदेमंद नहीं मानते है। हालांकि ऐसे किसानों और बेरोजगारों को जितेंद्र सिंह नामक किसान के आइडिया से सीख लेने चाहिए। बिहार में जितेंद्र के आइडिया की खूब चर्चा हो रही है।

हम बताने जा रहे है जिले के डुमरा प्रखंड की मुरादपुर पंचायत के वार्ड नंबर नौ निवासी किसान जितेन्द्र सिंह की 'सफल किसान' की कहानी। जितेंद्र ने सबसे पहले 14 कट्ठा जमीन में तालाब खुदवा कर मछली पालन शुरू किया। मच्छी से अच्छी कमाई होने लगी। हौसला बढ़ा, तो नए आइडिया के तालाब के किनारे मौसमी सब्जी के रूप में कद्दू, परवल, बोरो की खेती शुरू की। लोग जितेंद्र के आइडिया को देख दातों तले अंगुली दबा लिए, जब उन्होंने तालाब पर जाल लगा कर कद्दू समेत अन्य सब्जी की खेती करना शुरू किया। अपने अनोखे आइडिया के साथ नई तकनीक से खेती शुरू कर सालाना करीब 10 लाख रुपये की कमाई कर रहे हैं।

जितेंद्र सिंह ने बताया कि पोखर पर लगे जाल पर कद्दू की खेती और नीचे तालाब का पालन होता है। बताते हैं कि प्रतिदिन लगभग 100 से 120 कद्दू निकल जाता है। इसे स्थानीय बाजार में बेचा जाता है। वहीं, मछली भी कारोबारी ले जाते हैं। बताया कि मनरेगा योजना से पोखर खुदाई होना था। मगर, किसी कारणवश मनरेगा योजना से पोखर की खुदाई वाली योजना धरातल पर नहीं उतरी। मछली पालन करने की जिद थी। अपना पैसा लगाकर 14 कट्ठा जमीन में पोखर की खुदाई कराई थी।

उन्होंने ने बताया कि बार-बार पोखर का भिड़ा टूटा जा रहा था। इसे बचाने के लिए उनके दिमाग में एक नया तरकीब आया। इसके बाद उन्होंने भिंडा को बांधकर रखने के लिए पहले केले की बागवनी लगायी। केले की बागवनी से उनकी आय भी बढ़ गयी और भिड़ा भी सुरक्षित हो गया। केले की बागवानी के बाद पारंपरिक खेती पर जोर दिया और पोखर के भिड़ा पर कद्दू, परवल, बोरी आदि सब्जियों के पौधे लगाए और पौधे बड़े होने पर पोखर में ही मचान और जाल बिछाकर सब्जियों के पौधों को पोखर में फैला दिया। इससे पोखर में नीचे मछली का पालन होने लगा और ऊपर मौसम के अनुसार लगाए पौधे से अच्छी आय हो जा रही है।

हसीना के देश छोड़ने से अवामी लीग में नेतृत्व संकट, देश में बंद पड़े हैं पार्टी के 95% कार्यालय

ढाका। साल 1971 में आजादी मिलने के बाद से बांग्लादेश की सियासत में प्रमुख भूमिका निभाने वाली अवामी लीग पार्टी अब एक अभूतपूर्व संकट का सामना कर रही है। पार्टी में नेतृत्व संकट पैदा हो गया। आंतरिक उथल-पुथल और सार्वजनिक असंतोष बढ़ गया है। जिसने इसके भविष्य को खतरे में डाल दिया है।

इस संकट में देश छोड़कर भारत भागने के हसीना के फैसले को अवामी लीग के कुछ सदस्य एक धोखे के रूप में देख रहे हैं। उनके कई करीबी सहयोगियों को लग रहा है कि उन्हें अकेला छोड़ दिया गया है और अब वे निराश हैं।

हसीना के सलाहकारसार समस्याओं की जड़:

बदरुज्जमान.. .पार्टी के मीरपुर क्षेत्र के एक नेता बदरुज्जमान ने कहा, "हमारी शीर्ष नेता को हमें अकेला नहीं छोड़ना चाहिए था। अगर वह यहां होती तो स्थिति अलग होती। अगर उन्हें गिरफ्तार किया जाता, तो हम कह सकते थे कि हमारी नेता ने भागने का फैसला नहीं किया।" उन्होंने कहा कि हसीना के सलाहकार ही सारी समस्याओं की जड़ हैं। बदरुज्जमान ने कहा, "हसीना के सभी सलाहकार बेकार थे। उन्होंने उन्हें नीचे गिरा दिया। हसीना भी सिर्फ चापलूसों को पसंद करती थीं और हकीकत को नहीं सुनती थीं।

देश छोड़ गए हैं अवामी लीग के अधिकांश नेता...अवामी लीग के एक वरिष्ठ ने फोन पर पीटीआई को बताया, "पार्टी एक अभूतपूर्व संकट में है। हमारी पार्टी का अस्तित्व संकट में है। बांग्लादेश में चुनाव होने पर भी हम चुनाव में खड़े नहीं हो पाएंगे। हसीना के अचानक इस्तीफे और एक बड़े आंदोलन ने पार्टी में नेतृत्व संकट पैदा कर दिया है और ज्यादातर नेता या तो भाग गए हैं, या छिपे हुए हैं या जेल में हैं।"

बंद पड़े हैं अवामी लीग के देशभर में 95 फीसदी कार्यालय...पार्टी के एक अन्य नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "पांच अगस्त के बाद पार्टी पूरी तरह से ढह गई है। देश में अब कोई ऐसा नहीं है, जो पार्टी का नेतृत्व कर सके। हसीना का देश छोड़ने से स्थिति और खराब हो गई। हमें नहीं पता आगे क्या होगा। देशभर में पार्टी के जो कार्यालय पहले समर्थकों और कार्यकताओं से भरे रहते थे, अब सुनसान स्थिति में हैं। दरअसल, गुस्साई भीड़ ने ये कार्यालय लूटे हैं और 95 फीसदी कार्यालय अभी भी बंद पड़े हैं।

मेहंदी जितनी गहरी रचेगी, पति का प्यार उतना ज्यादा मिलेगा!

तीज के मौके पर स्टाइल और रेट भी हैं अलग

दीपक तिवारी/शालिनी तिवारी।

पटना। भारतीय महिलाओं के श्रृंगार में मेहंदी का अपना खास स्थान है। हरतालिका तीज के मौके पर भारतीय महिलाएं एक सप्ताह पहले से अपने सोलह श्रृंगार की तैयारी शुरू कर देती हैं। ऐसे में तीज के पहले मेहंदी बाजार में महिलाओं की भीड़ बढ़ गई है। इस वर्ष हरतालिका तीज छह सितंबर को मनाया जाएगा, जिसको लेकर महिलाओं ने तैयारी शुरू कर दी है। ऐसे में मेहंदी बाजार में महिलाओं की भीड़ बढ़ गई। ऐसी मान्यता है कि तीज में मेहंदी लगाने से पतियों की उम्र बढ़ती है। आम तौर पर कहा जाता है कि जिसकी मेहंदी जितनी रंग लाती है, उसको उतना ही अपने पति और ससुराल का प्रेम मिलता है। ऐसे तो सावन महीने से ही पटना के बाजारों में मेंहदी के छोटे से बड़े दुकानों में लड़कियों और महिलाओं की भीड़ लगी रहती है, लेकिन हरतालिका तीज के दौरान तो यह भीड़ काफी बढ़ जाती है। तीज के दौरान कोई भी ऐसा मार्केट कॉम्प्लेक्स नहीं होता जहां मेहंदी वाले नहीं होते। इन मेहंदी लगाने वालों के डिजाइन के अनुसार अपने रेट हैं। आम तौर पर महिलाएं 200 से लेकर 800 रुपए तक मेहंदी लगवा रही हैं। पटना के चुन्नी लाल मेगा मार्ट के बाहर मेंहदी लगाने वाले रमेश ने बताया कि यहां हर उम्र की महिलाएं मेहंदी लगवाने आ रही हैं। वो विभिन्न डिजाइन में राजस्थानी, अरेबिक, बॉम्बे गोल्ड, सिल्वर और ब्लैक मेहंदी लगवाती हैं। पिछले वर्ष की तुलना में मेहंदी लगवाने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ी है।

वहीं, पटना के डाकबंगला चौराहे के मौर्या लोक कॉम्प्लेक्स के पास 'अपना मेहदी वाला', 'राजा मेहंदी वाले' और 'राजस्थानी मेहंदी' के नाम की दुकानें सजी हैं तो बेली रोड के केशव पैलेस, बोरिंग रोड चौराहे पर स्थित 'एलिगेंस' के पास विभिन्न नामों के मेहंदी दुकान ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं।

मेहंदी लगाने वाली सोनाक्षी कहती हैं कि लड़कियां भी हाथों में मेहंदी लगाने में पीछे नहीं रहती। उन्होंने बताया कि लड़कियां बेल डिजाइन, अरेबिक, बैंगल डिजाइन, चूड़ी डिजाइन ज्यादा पसंद कर रही हैं। जबकि, महिलाएं राजस्थानी और दुल्हन डिजाइन को पसंद कर रही हैं।

दुकानदार बताते हैं कि एक अनुमान के मुताबिक हरतालिका तीज में ग्राहकों की संख्या अन्य दिनों से चार गुनी बढ़ जाती है, इस कारण हमलोग भी कारीगरों की संख्या में इजाफा करते हैं। तीज के एक सप्ताह पहले से मेहंदी लगवाने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ जाती और तीज की पूर्व संध्या पर ये और ज्यादा हो जाती है।

9 को पूसा केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासन के खिलाफ भाकपा-माले निकालेगा प्रतिरोध मार्च

संवाददाता।

पूसा/समस्तीपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में अनुकंपा अभ्यर्थी मिथिलेश कुमार का नियुक्ति सहित अन्य सवालों को लेकर बैठक रखा गया। बैठक में अभ्यर्थी मिथिलेश कुमार ने कहा कि वरीय अधिकारी को पत्र देने, लगातार उनसे मिलकर आग्रह करने के बाबजूद नियुक्ति के जगह सिर्फ आश्वासन देने से परेशान अभ्यर्थी मिथिलेश कुमार एवं दिवंगत कर्मचारी की विधवा चिंता देवी 22 फरवरी से डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू किया गया था देर शाम विश्वविद्यालय के कुलसचिव मृत्युंजय कुमार तिवारी ने अनुमंडल पदाधिकारी, समस्तीपुर, श्री दिलीप कुमार, उपकुलसचिव, कुलपति के सचिव व भाकपा-माले वरिष्ठ नेता किशोर कुमार राय, जिला कमिटी सदस्य रौशन कुमार के मौजूदगी में लिखित रूप से चार महीने के आश्वासन पर अनशन समाप्त किया गया था लेकिन 6 महीना बिता जाने के बावजूद भी वादा खिलाफी विश्वविद्यालय प्रशासन अनुकंपा का प्रकिया अभी तक पूरा नहीं किया। अनुकंपा नियुक्ति को लेकर बैठक में जानकारी देते हुए भाकपा-माले प्रखंड सचिव अमित कुमार ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के दौरान शाहिद विनोद कुमार राय जो ईख अनुसंधान संस्थान पूसा केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में वरीय तकनीशियन पद पर कार्यरत थे जो 2020 बिहार विधानसभा चुनाव में बतौर पीठासीन पदाधिकारी थे। कार्य के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई। तत्पश्चात आश्रित परिवार उनके पुत्र मिथिलेश कुमार ने पत्रांक-102, दिनांक 12 फरवरी 2021 को अनुकंपा पर अपनी नियुक्ति के लिए सारी प्रक्रिया पूरा करने के बाद आवेदन दिया। इसके बाद कई बार कुलसचिव समेत अन्य अधिकारियों को आवेदन दिया गया। उनसे मिलकर अनुकंपा पर नियुक्ति के लिए आग्रह भी किया गया लेकिन बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद आज तक नियुक्ति नहीं हुआ जबकि कमाऊ सदस्य की मृत्यु हो जाने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति काफी खराब है। आगे उन्होंने कहा की पीड़ित परिवार के साथ अन्याय हो रहा है भाकपा-माले प्रखंड कमिटी के बैठक में निर्णय लिया गया है कि 9 सितंबर 2024 को सैकड़ो कार्यकताओं के साथ विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रतिरोध मार्च निकाला जाएगा एवं जब तक अनुकंपा पर नियुक्ति नहीं होगा आंदोलन को तेज किया जाएगा।

19 महीने पहले अपहरण,मिली तो निकली 7 माह की प्रेग्नेंट

नेपाल कनेक्शन से पुलिस के उड़े होश

संवाददाता।

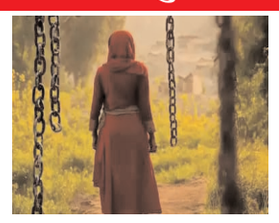

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी जिले के विभिन्न थानों में करीब-करीब प्रतिदिन एक युवती के अपहरण का मामला दर्ज कराया जाता है। अपहृत युवतियां बरामद भी होती है, तो कुछ का पता नहीं चल पाता है। भिट्ठा थाना क्षेत्र से अपहृत एक युवती का मामला बड़ा हाई प्रोफाइल बना गया था। डेढ़ साल से पुलिस युवती को बरामद करने के लिए जगह-जगह खाक छान रही थी। अपहृत युवती को बरामद करना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई थी।

यह मामला हाईकोर्ट तक पहुंच चुका था। हाईकोर्ट ने जिला पुलिस को अपहृत युवती को बरामद करने का आदेश दिया था। कोर्ट की सख्ती के बाद भी युवती को बरामद करने में पुलिस को एक माह से अधिक समय लग गए। बताया गया है कि भिट्ठा थाना क्षेत्र से 19 महीने पहले एक युवती का अपहरण कर लिया गया था। पुलिस ने अपहृत युवती को बरामद करने के साथ ही अपहर्ता और उसकी मां को भी गिरफ्तार कर लिया है। विगत एक माह से हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में काफी दवाब झेल रही पुलिस अब राहत की बड़ी सांस ली है। पुपरी के एसडीपीओ अतनु दत्ता, सुरसंड थानाध्यक्ष धनंजय कुमार पांडेय और भिट्ठा थानाध्यक्ष रविकांत कुमार ने मधुबनी जिला के बासोपट्टी थाना के समीप इंडो-नेपाल बॉर्डर से अपहर्ता को गिरफ्तार किया है। अपहर्ता संतोष सहनी नेपाल के धनुषा जिले के कपलेश्वर पुलिस चौकी अंतर्गत पुरनदहिया गांव के राम सोगारथ सहनी का बेटा है। संतोष की मां रंजन देवी भी पुलिस गिरफ्त में है।

भिट्ठा थानाध्यक्ष ने बताया कि अपहृत युवती सात माह की गर्भवती है। प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक शैलेश कुमार ने अपहृता किशोरी का कोर्ट में बयान कराया है। वहीं, अपहर्ता और उसकी मां को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बताया गया है कि दो फरवरी 2023 को युवती का उसके घर से ही कर लिया गया था। अपहृता के परिजन ने 20 जुलाई 23 को स्थानीय थाने में अपहरण को ले प्राथमिकी दर्ज करायी थी। अपहृता की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी करती रही, पर सफलता नहीं मिल रही थी।

उसकी बरामदगी नहीं होने पर अपहृता के परिजन हाईकोर्ट में वाद संख्या सीआर डब्ल्यू जेसी 1590/2024 दायर किया था। हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस अधिक तेजी और चौकसी के साथ खोज कर रही थी। पुलिस नेपाल में भी छापेमारी की। अंतर्राष्ट्रीय मामला होने के चलते पुलिस एक माह से काफी परेशान थी। छापेमारी में नेपाल पुलिस का भी सहयोग नहीं मिल रहा था।

'रेडियो दोस्ती' की शुरूआत, सेंट्रल जेल के कैदी बनेंगे 'आरजे'

संवाददाता।

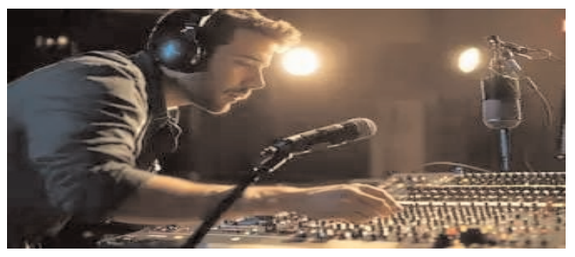

बक्सर। बक्सर केंद्रीय कारा में बंदियों के लिए एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। यहां 'रेडियो दोस्ती' नामक एक जेल रेडियो सेवा की शुरूआत हुई है। इसकी चर्चा पूरे जिले में हो रही है। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने नए रेडियो स्टेशन का उद्घाटन किया। यह रेडियो बंदी जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करेगा। 'रेडियो दोस्ती' सुबह देशभक्ति और भक्ति गीतों के साथ शुरू होगा। बंदियों की अपनी कविताएं और गीत भी प्रसारित किए जाएंगे। जेल की दैनिक गतिविधियों की जानकारी भी रेडियो पर दी जाएगी। शाम को भी रेडियो प्रसारण होगा। इस रेडियो की खास बात यह है कि इसे खुद बंदी ही चलाएंगे। अच्छी भाषा और आवाज वाले बंदियों की एक टीम बनाई जाएगी, जो रेडियो जॉकी की भूमिका निभाएगी। सभी बैरकों में स्पीकर लगाए गए हैं, ताकि सभी बंदी रेडियो का आनंद ले सकें। हर दिन सुबह और शाम दो-दो घंटे का प्रसारण होगा। बता दें, बक्सर ही नहीं, बिहार के सभी 59 जेलों में जेल रेडियो शुरू करने की योजना है। यह एफएम रेडियो की तरह ही काम करेगा और इसकी पहुंच पूरे जेल परिसर में होगी।

कई अन्य जिलों में पहले से ही जेल रेडियो चल रहे हैं। ये रेडियो कैदियों को मनोरंजन और ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान करते हैं। सुबह की शुरूआत भजन या ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों से होती है। देश-विदेश की खबरें, कहानियां और चुटकुले भी सुनाए जाते हैं। रेडियो के लिए एक कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। बंदी सुबह और शाम दो-दो घंटे के लिए कंट्रोल रूम में आकर अपने कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकेंगे। केवल रेडियो ही नहीं, बंदियों के लिए एक और सकारात्मक कदम उठाया गया है। जेल में एक आरओ प्लांट लगाया गया है, जो सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगा। पहले बंदियों को चापाकल या हैंडपंप का पानी पीना पड़ता था। बक्सर केंद्रीय कारा ही नहीं, बल्कि अब राज्य की सभी जेलें 'सुधार गृह' बन गई हैं। यहां बंदियों को तरह-तरह के रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, खेलकूद और अन्य गतिविधियों में शामिल किया जाता है। इसका मकसद है कि जेल से छूटने के बाद वे एक बेहतर जीवन जी सकें। बंदियों को योग और ध्यान का प्रशिक्षण भी दिया जाता है ताकि वे अपने मन को शांत कर सकें और सकारात्मक ऊर्जा से भर सकें।

पिंजरा पोल गौशाला के समीप स्थापित गांधी जी की प्रतिमा का होगा स्मारक रूप में विकास :गरिमा

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया:

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर के ऐतिहासिक पिंजरा पोल गौशाला मार्केट के प्रवेश द्वार पर स्थापित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा स्थल को स्मारक रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम बोर्ड से करीब 15 लाख लागत वाले विस्तृत प्रारूप वाली योजना पहले ही पारित की गई है। मंगलवार को स्थल निरीक्षण करने पहुंचीं महापौर ने मौके पर मौजूद गौशाला कमेटी के सचिव सुरेश सिंघानिया और रवि गोयनका तथा अन्य को स्वीकृत योजना की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि पिंजरा पोल गौशाला महात्मा गांधी जी के चंपारण सत्याग्रह आंदोलन से जुड़ा एक ऐतिहासिक स्मारक है। इसके साथ ही श्रीमती सिकारिया ने बताया कि गौशाला मार्केट के प्रवेश द्वार के दोनों छोर पर बने खंबों का सौंदर्यीकरण के साथ वहां प्रतीक रूप में गांधी जी के दो चरखे स्थापित किए जायेंगे। जिसको सीसे को चादर के अंदर सजाया जाएगा।प्रतिमा स्थल को स्मारक रूप में विकसित करने के लिए मार्बल और टाइल्स का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावें स्मारक स्थल पर सुंदर लाइटिंग और ग्रील के अंदर नया फ्लावर बेड बना का फूल लगाए जाएंगे। इस योजना को स्वीकृति दिलाने के लिए महापौर का आभार व्यक्त करते हुए गौशाला संचालन समिति के सचिव सुरेश सिंघानिया ने कहा कि हमारी महापौर गरिमा देवी सिकारिया की सोच शुरू से ही विकासवादी होने के साथ नगर निगम क्षेत्र के ऐतिहासिक धरोहरों के सुरक्षा और संवर्द्धन के प्रति संवेदनशील रही है। मौके पर कनीय अभियंता मनीष कुमार, रवि गोयनका इत्यादि मौजूद रहे।

- **नगर निगम बोर्ड से पारित करीब 15 लाख लागत वाले विस्तृत प्रारूप के तौर पर कराया जाएगा निर्माण।**
- **पिंजरा पोल मार्केट के प्रवेश द्वार के दोनों छोर पर प्रतीक रूप में स्थापित होंगे गांधी जी के दो चरखे।**

लोहरखा घाट नौका दुर्घटना के मृतक के परिजनों से मिले विधायक

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। जिले के हत्था थाना क्षेत्र के लोहरखा में बागमती नदी की उपाधारा में शनिवार की शाम नाव डूबने के दौरान नदी में डूबने से मरे जीतन कुमार (32) के परिजनों से मंगलवार की शाम गायघाट विधायक निरंजन राय ने राजद नेताओं के साथ मुलाकात की । इस दौरान उन्होंने घटना पर दुःख जताते हुए कहा कि बागमती क लोहरखा,मुन्नी,खनुआ,मधुरपट्टी घाट पर पुल निर्माण का कार्य स्वीकृति मिल चुकी थी,लेकिन एनडीए सरकार ने राजनीतिक ईष्या से इन पुलों को अस्वीकृत कर लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ किया है।यदि यहां पुल बने होते तो ऐसी घटनाएं नहीं होती। इसी तरह बूढ़ी गण्डक नदी के रतवारा घाट पर पुल निर्माण के मांगों को खारिज किया गया है।उन्होंने तत्काल घटना वाले लोहरखा घाट पर जलकुंभी हटवाने के निर्देश दिए,वहीं मृतक के आश्रितों को सरकारी सहायता अविलंब उपलब्ध कराने का निर्देश बन्दरा सीओ को दिया। ज्ञात हो कि शनिवार की शाम घास लाने के दौरान नाव से नदी पार जा रहे तीन लोग लोहरखा घाट पर नदी में डूब गए थे। इस दौरान दो लोग तैर कर बाहर निकल गए, जबकि जीतन कुमार की नदी में डूबने से मौत हो गई थी।विधायक ने परिजनों से मुलाकात के बाद नदी घाट स्थल का भी निरीक्षण किया।इस दौरान राजद जिला महासचिव विनय यादव,महेश राय, युवा अध्यक्ष मनोज राज,विकास यादव,किसान प्रकोष्ट महेश राय, रमेश राय,मिश्रीलाल राय,बलम राय,विश्वनाथ राय,दीप नारायण राय,अनिल राय, मोहन राय,कैलाश सहनी आदि भी थे।

- **घाट का भी किया निरीक्षण**
- **जलकुंभी सफाई कराने के दिये निर्देश**
- **सरकारी सहायता को लेकर सीओ को निर्देश दिया**

जिले भर में 30 तक चलेगा पोषण महाअभियान

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। जिले में 30 सितंबर तक पोषण महाअभियान चलाया जाएगा। पोषण माह को सफल बनाने के लिए समेकित बाल विकास परियोजना बिहार के निदेशक कौशल किशोर ने राज्य के सभी जिला कार्यक्रम अधिकारी और बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के पत्र के आलोक में पूरे महीने शुरू होने वाले राष्ट्रीय पोषण माह आयोजित करने के संबंध में पत्राचार किया है। आईसीडीएस कविता कुमारी ने बताया कि राज्य सहित पूरे पश्चिम चम्पारण जिले में 01 से 30 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण महाअभियान का आयोजन पूरे जिले मे किया जा रहा है। जिसकी शुरूआत कर दी गई है। पोषण माह को सफल बनाने के लिए समेकित बाल विकास परियोजना की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, जिले की सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और राष्ट्रीय पोषण अभियान के जिला समन्वयक सहित प्रखड समन्वयक को इस महाअभियान को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। ताकि शत प्रतिशत सफल बनाया जाए। हालांकि इसके लिए सितंबर माह में अलग- अलग गतिविधियों के माध्यम से पोषण पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पोषण माह के दौरान समग्र रूप से व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों और 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में पोषण स्तर में आपेक्षित सुधार लाने और 3 से 6 वर्ष के बच्चों के प्रारंभिक देखभाल एवं शिक्षा के प्रति समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए जन भागीदारी से गतिविधियों का आयोजन कर जनांदोलन का रूप दिए जाने का प्रयास है। समेकित बाल विकास परियोजना की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कविता कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान जिले में एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि एवं पारदर्शिता लाने के लिए तकनीक का उपयोग, पर्यावरण संरक्षण, पोषण को प्रभावित करने वाले क्षेत्र में सामूहिक जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियां संचालित किया जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों पर प्रतिदिन अधिकतम पांच गतिविधियों का आयोजन कर प्रतिदिन का रिपोर्ट ससमय जन आंदोलन डेस बोर्ड पर अपलोड किया जा रहा है। वहीं जिला प्रोग्रामर कविता कुमारी ने कहीं की यह कार्यक्रम उत्क्रमित मध्य विद्यालय शेरवा मस्जिदवा जनजातीय क्षेत्र में एनीमिया संबंधित एक पाठशाला का आयोजन की गई, जिसमें सभी किशोरी बच्चियों का हीमोग्लोबिन जांच भी कराया गया एवं गर्भवतियों का भी हीमोग्लोबिन जांच कराया गया, इसमें स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

एईजीएल व टोटल एनर्जीज ने सौर ऊर्जा परियोजना के लिए किया संयुक्त उद्यम, गुजरात के खावड़ा से होगा संचालित

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी अक्षय ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और टोटल एनर्जीज ने एक रणनीतिक संयुक्त उद्यम (जेवी) की घोषणा की है। इसका स्वामित्व दोनों संस्थाओं के पास बराबर होगा। इसका उद्देश्य कुल 1,150 मेगावाट की सौर परियोजनाओं के पोर्टफोलियो का प्रबंधन करना है। अदाणी समूह के अनुसार ये परियोजनाएं गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा संयंत्र में स्थित हैं। एजीईएल अपनी मौजूदा परिसंपत्तियों के जरिए नए संयुक्त उद्यम में योगदान देगा। जबकि टोटलएनर्जीज इन परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए 444 मिलियन अमेरिकी डॉलर लगाने की योजना बना रही है।

गूगल जैसी तकनीक भारत में क्यों नहीं बन सकी? संवाद के मंच पर एनईटीएफ अध्यक्ष सहस्रबुद्धे ने बताया कारण

नई दिल्ली। प्रख्यात शिक्षाविद् और एनईटीएफ के अध्यक्ष अनिल सहस्रबुद्धे मौजूद रहे। इस दौरान सहस्रबुद्धे ने बताया कि क्यों भारत में गूगल जैसी कंपनियां नहीं बन पाई? क्यों हम अपना ऑपरेटिंग सिस्टम और मैसेंजर जैसे उत्पाद नहीं बना पाए?

एक सवाल के जवाब में अनिल सहस्रबुद्धे ने बताया कि अब तक हमने तकनीक को अब तक सर्विस के रूप में लिया है। हमने इसका विकास नहीं किया। हमने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उत्पादों के विकास पर शुरूआत से ध्यान दिया होता तो, तो स्थिति अलग होती। हमने इसे अब तक प्रोडक्ट डेलवलपमेंट के तौर पर नहीं लिया। इस कारण इस गूगल जैसी तकनीक नहीं विकसित नहीं कर सके।

आज बहुत खुशी की बात है कि बहुत सारे लोग इस दिशा में काम कर रहे हैं। बहुत सारे स्टार्टअप शुरू हो रहे हैं। इसका असर धीरे-धीरे दिखेगा। इसका असर दिखने में तकरीबन 10 साल लगेंगे। स्टैंनफोर्ड से निकलकर गूगल जैसी कंपनियां बनाने में भी लोगों को काफी साल लगे थे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत से भी बहुत सारी कंपनियां निकलकर दुनिया के मंच पर काम करेंगी।

नितिन गडकरी ने सुरंग निर्माण के लिए विदेशी कंपनियों को 51% हिस्सेदारी देने का समर्थन किया

दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को सुरंगों के निर्माण और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए संयुक्त उपक्रम में विदेशी भागीदारों को 51 प्रतिशत की बहुलांश हिस्सेदारी देने का समर्थन किया, ताकि काम की गुणवत्ता में सुधार हो सके। गडकरी ने कहा कि संयुक्त उपक्रम में विदेशी भागीदार को बहुलांश हिस्सेदारी देना यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि सुरंग परियोजनाओं के लिए केवल गंभीर और तकनीकी रूप से योग्य खिलाड़ी ही बोली लगाएं। गडकरी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि कुछ सुरंग परियोजनाओं में यूरोपीय कंपनियां ऐसे भारतीय भागीदारों को भी चुनती हैं, जो कैटरर सेवाएं या ब्यूटी पार्लर चलाते हैं। मंत्री ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, "मैं गंभीरता से महसूस करता हूं कि डीपीआर और सुरंगों के निर्माण के लिए संयुक्त उपक्रम में विदेशी भागीदारों के पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होनी चाहिए, जबकि भारतीय कंपनियों के लिए 49 प्रतिशत हिस्सेदारी छोड़नी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि काम ठीक से हो।" अपने स्पष्ट विचारों के लिए मशहूर गडकरी ने आगे कहा कि हालांकि तकनीकी और वित्तीय मापदंड उदार होने चाहिए, लेकिन ये गुणवत्ता की कीमत पर नहीं होने चाहिए। "मुझे शायद 'दोषी' शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, लेकिन मैं करूंगा।

"डीपीआर निमार्ता सुरंगों के निर्माण की प्रक्रिया के दौरान निगरानी की कमी के लिए 'दोषी' हैं, जिसके कारण अक्सर भूस्खलन होता है, जो भारत में हर साल बढ़ रहा है," उन्होंने कहा।मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड और अन्य हिमालयी क्षेत्रों में लगातार होने वाले भूस्खलन को दूर करने के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता है। मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए रसद लागत को कम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर हम अपनी रसद लागत को 9 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं तो हमारा निर्यात 1.5 गुना बढ़ जाएगा।"

सरकार ने रक्षा तैयारियों को बढ़ाने के लिए 1.45 करोड़ रुपये की मंजूरी दी

नई दिल्ली। मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने मंगलवार को 1,44,716 करोड़ रुपये की राशि के दस पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। एओएन की कुल लागत का 99% खरीद (भारतीय) और खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) श्रेणियों के तहत स्वदेशी स्रोतों से है। भारतीय सेना के टैंक बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए भविष्य के लिए तैयार लड़ाकू वाहनों (एफआरसीवी) की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। एफआरसीवी बेहतर गतिशीलता, सभी इलाकों में क्षमता, बहुस्तरीय सुरक्षा, सटीक और घातक फायर और वास्तविक समय की स्थिति के बारे में जानकारी के साथ एक भविष्य का मुख्य युद्धक टैंक होगा। एओएन ने वायु रक्षा फायर कंट्रोल रडार की खरीद के लिए भी सहमति व्यक्त की, जो हवाई लक्ष्यों का पता लगाएगा और उन्हें ट्रैक करेगा और फायरिंग समाधान प्रदान करेगा। प्रस्ताव को फॉरवर्ड रिपेयर टीम (ट्रैक्ड) के लिए भी मंजूरी दी गई है, जिसमें मशीनीकृत संचालन के दौरान इन-सीटू मरम्मत करने के लिए उपयुक्त क्रॉस-कंट्री मोबिलिटी है। यह उपकरण आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है और यह मशीनीकृत इन्फैंट्री बटालियन और आर्मर्ड रेजिमेंट दोनों के लिए अधिकृत है। भारतीय तटरक्षक बल (कठक्ष) की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए तीन अङ्गठ पर सहमति बनी है। डोर्नियर-228 विमान, खराब मौसम की स्थिति में उच्च परिचालन सुविधाओं वाले अगली पीढ़ी के फास्ट पेट्रोल वेसल और उन्नत तकनीक और उन्नत लंबी दूरी के संचालन के साथ अगली पीढ़ी के ऑफशोर पेट्रोल वेसल की खरीद से निगरानी, ??समुद्री क्षेत्र की गश्त, खोज और बचाव और आपदा राहत अभियान चलाने के लिए कठक्ष की क्षमता बढ़ेगी। बैठक के अंत में, रक्षा मंत्री ने दिवंगत भारतीय तटरक्षक बल (कठक्ष) के महानिदेशक राकेश पाल को सम्मानित करने के लिए कुछ समय लिया, जो उअठ के सदस्य भी थे। 18 अगस्त को चेन्नई में दिल का दौरा पड़ने से महानिदेशक का निधन हो गया था।

आयात प्रबंधन प्रणाली के तहत 4 अरब डॉलर मूल्य के टैबलेट आयात किए जाएंगे

दिल्ली। लैपटॉप और अन्य आईटी उत्पादों के लिए आयात प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा की समय सीमा नजदीक आने के साथ, जिन कंपनियों को प्राधिकरण प्राप्त हुए हैं, उन्होंने इस वित्त वर्ष में अब तक 4 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के इन उत्पादों का आयात किया है, एक अधिकारी ने कहा। अधिकारी ने कहा कि ये आयात 2023-24 में 8.4 बिलियन डॉलर थे और इनमें से अधिकांश आयात चीन से आ रहे थे। पिछले साल अक्टूबर में, सरकार ने लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर और कुछ अन्य आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात के लिए आयात प्रबंधन/प्राधिकरण शुरू किया था। इस प्रणाली का उद्देश्य बाजार की आपूर्ति को नुकसान पहुँचाए बिना देश में इन वस्तुओं के इनबाउंड शिपमेंट की निगरानी करना है।आयातकों को कई प्राधिकरणों के लिए आवेदन करने की अनुमति है और वे प्राधिकरण 30 सितंबर, 2024 तक वैध होंगे। सितंबर तक आयात के लिए किसी भी संख्या में खेप के लिए प्राधिकरण जारी किए जाएंगे। 1 नवंबर, 2023 को, सरकार ने नई प्रणाली के कार्यान्वयन के पहले दिन, लगभग 10 बिलियन डॉलर मूल्य के इन आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात की अनुमति मांगने वाले ऐप्पल, डेल और लेनोवो सहित 100 से अधिक आवेदनों को मंजूरी दे दी। अधिकारी ने कहा, "पिछले साल, 10 बिलियन डॉलर मूल्य की स्वीकृतियों में से आयात 8.4 बिलियन डॉलर था। इस वित्तीय वर्ष में अब तक आयात लगभग 4-5 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा है।"30 सितंबर को वैधता समाप्त होने के बाद की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर, अधिकारी ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय पूरी तरह से टी३ (इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) के दृष्टिकोण के साथ चलेगा।

कांग्रेस ने माधबी पुरी बुच को ICICI बैंक से मिली सैलरी पर फिर उठाया सवाल, सेबी से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली। सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच पर लगे आरोपों पर कांग्रेस एक बार फिर हमलावर हो गई है। अब पार्टी ने आईसीआईसीआई बैंक से रिटायरमेंट के बाद बुच को दी गई राशि पर सवाल उठाया है। मंगलवार को सेबी चेयरमैन के खिलाफ आरोपों पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, "उनका सेवानिवृत्ति लाभ आईसीआईसीआई में रहने के दौरान उनके वेतन से अधिक कैसे हो सकता है? अब हम मांग करना चाहते हैं कि सेबी को सफाई देनी चाहिए, स्पष्टीकरण देना चाहिए और हमारे आरोपों का जवाब देना चाहिए।" पवन खेड़ा ने कहा कि सेबी प्रमुख पर लगे आरोपों से देश में बड़ी संख्या में निवेशकों का भरोसा डिगा है। इसलिए सेबी को इस मामले में खुद से सामने आकर स्थिति साफ करनी चाहिए।

कांग्रेस ने आईसीआईसीआई बैंक के इस दावे पर सवाल उठाया कि उसने सेबी की चेयरपर्सन माधबी बुच को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद कोई वेतन या ईएसओपी नहीं दिया और पूछा कि अगर उन्हें दी गई राशि "सेवानिवृत्ति लाभ" थी, तो यह उनकी सैलरी से भी अधिक कैसे थी। विपक्षी दल ने सोमवार को बुच के खिलाफ हितों के टकराव के नए आरोप लगाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी नियुक्ति पर कैबिनेट की नियुक्ति समिति के प्रमुख के रूप में सफाई देने को कहा।

सेबी में रहते हुए आईसीआईसीआई बैंक से भी लाभ लेने का आरोप

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बुच के 2017 में पदभार संभालने के बाद से, वह न केवल सेबी से वेतन ले रही हैं, बल्कि आईसीआईसीआई बैंक में भी लाभ का पद संभाल रही हैं।खेड़ा ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक का दावा है कि बुच को भुगतान की गई राशि बैंक में उनके काम करते हुए अर्जित की गई थी और यह उनका "सेवानिवृत्ति लाभ" है। उन्होंने पूछा कि यह तथाकथित "सेवानिवृत्ति लाभ" अपनी आवृत्ति और राशि दोनों के संदर्भ में असमान क्यों है। खेड़ा ने एआईसीसी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह सवाल पूछा।

खेड़ा ने कहा, भले ही हम यह मान लें कि 2014-2015 में (उनकी सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद) आईसीआईसीआई से उन्हें मिले 5.03 करोड़ रुपये उनके सेवानिवृत्ति लाभ का हिस्सा थे और

उन्हें 2015-2016 में कुछ भी नहीं मिला , फिर भी यह तथाकथित सेवानिवृत्ति लाभ 2016-2017 में फिर से क्यों शुरू हुआ और 2021 तक जारी रहा कांग्रेस नेता ने पूछा, "माधबी पी बुच द्वारा 2007 से 2013-14 तक आईसीआईसीआई से सेवानिवृत्ति से ठीक पहले) प्राप्त औसत वेतन 1.3 करोड़ लाख रुपये प्रति वर्ष है। हालांकि, आईसीआईसीआई की ओर से माधबी बुच को 2016-17 से 2020-21 तक दिया गया तथाकथित सेवानिवृत्ति लाभ औसतन लगभग 2.77 करोड़ रुपये प्रति वर्ष है।

एक व्यक्ति का सेवानिवृत्ति लाभ एक कर्मचारी के रूप में उसके वेतन से अधिक कैसे हो सकता है?" कांग्रेस नेता ने पूछा कि वह "संशोधित नीति" कहां है जिसके तहत बुच अपनी सेवाओं की स्वैच्छिक समाप्ति के आठ साल बाद भी ईएसओपी का उपयोग करने में सक्षम थीं। उन्होंने पूछा, आईसीआईसीआई द्वारा संशोधित नीति को सार्वजनिक रूप से क्यों नहीं उपलब्ध कराया गया है? माधबी बुच को उस समय ईएसओपी का उपयोग करने की अनुमति क्यों दी गई जब इस कंपनी के शेयर की कीमत में काफी वृद्धि हुई, जिससे उन्हें लाभ हुआ? और अजीब बात यह है कि उन्हें जो लाभ मिला वह सेबी में उनके कार्यकाल के दौरान मिला। क्या बाजार मूल्य उनके लिए लाभकारी नहीं था।

खेड़ा ने पूछा- क्या बैंक सभी कर्मचारियों के लिए समान प्रोटोकॉल का पालन करता है?

खेड़ा ने पूछा कि क्या बुच को दिए गए ईएसओपी कर्मचारी ईएसओपी ट्रस्ट से लिए गए थे और यदि ऐसा था, तो क्या यह आईसीआईसीआई के अन्य कर्मचारियों के हितों के लिए हानिकारक नहीं था। उन्होंने यह भी पूछा कि आईसीआईसीआई ने बुच की ओर से ईएसओपी पर टीडीएस का भुगतान क्यों किया और क्या यह अपने सभी पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों के लिए समान प्रोटोकॉल का पालन करता है।
खेड़ा ने पूछा, आईसीआईसीआई ने इस टीडीएस राशि को माधबी पी बुच की कर योग्य आय के रूप में क्यों नहीं पेश किया? क्या यह आयकर अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन नहीं है?" कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि बुच, जो 2017 में एक सदस्य के रूप में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) में शामिल हुईं और बाद में इसकी अध्यक्ष बनीं, ने आईसीआईसीआई बैंक से वेतन और अन्य मुआवजे के रूप में 16.8 करोड़ रुपये प्राप्त किए। एक बयान में, बैंक ने कहा, "आईसीआईसीआई बैंक या इसकी समूह कंपनियों ने माधबी पुरी बुच को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद उनके सेवानिवृत्ति लाभों के अलावा कोई वेतन नहीं दिया है या कोई ईएसओपी नहीं दिया है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि उन्होंने 31 अक्टूबर, 2013 से सेवानिवृत्ति का विकल्प चुना था।" बैंक के अनुसार आईसीआईसीआई समूह के साथ अपने रोजगार के दौरान, उन्हें (बुच को) लागू नीतियों के अनुरूप वेतन, सेवानिवृत्ति लाभ, बोनस और ईएसओपी के रूप में मुआवजा मिला। बैंक ने कहा, "बैंक के ईएसओपी नियमों के तहत, ईएसओपी आवंटन की तारीख से अगले कुछ वर्षों के लिए निहित होते हैं। ईएसओपी अनुदान के समय मौजूद नियमों के अनुसार, सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित कर्मचारियों के पास निहित होने की तारीख से 10 वर्ष की अवधि तक किसी भी समय अपने ईएसओपी का उपयोग करने का विकल्प था।

पर्सनल लोन 14 फीसदी बढ़कर 55 लाख करोड़ क्रेडिट कार्ड का बकाया सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की ओर से आसानी से मिल रहे पर्सनल लोन में भारी तेजी आई है। सालाना आधार पर यह जुलाई के अंत तक 14.4 फीसदी बढ़कर 55.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, गैर खाद्य कर्जों में पर्सनल लोन की हिस्सेदारी सबसे अधिक 32.9 फीसदी है। इसके बाद सेवाओं की 27.4 फीसदी, उद्योग की 22.2 फीसदी और कृषि एवं इससे संबंधित गतिविधियों की हिस्सेदारी 12.8 फीसदी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई के अंत तक क्रेडिट कार्ड का बकाया सबसे तेजी से बढ़ा है। हालांकि, बैंकों की कुल उधारी में इसका हिस्सा एक फीसदी ही है। यह सालाना आधार पर 22 फीसदी तेजी के साथ 2.8 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है।

इसी तरह सोने की जूलरी के एवज में लिया जाने वाला कर्ज 39

फीसदी भारी-भरकम तेजी के साथ बढ़ा है। हालांकि, कुल पर्सनल लोन में इसकी हिस्सेदारी केवल 0.8 फीसदी ही है। इससे पता चलता है कि लोग घंटों में मिल रहे कर्ज का सबसे ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। दरअसल, सोने के एवज में कर्ज तुरंत मिल जाता है और इसका ब्याज पर्सनल लोन के ही आस-पास होता है।

कृषि पर कर्ज 18.1 फीसदी बढ़ा...रिपोर्ट के मुताबिक, कमजोर वृद्धि के बावजूद कृषि और इससे संबंधित गतिविधियों को दिए जाने वाले कर्ज में 18.1 फीसदी की तेजी आई है। कुल कर्ज 21.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। उद्योग को दिए जाने वाले कर्ज में 13.7 फीसदी की बढ़त आई है।

होम लोन की मांग सबसे कम...आंकड़े बताते हैं कि होम लोन की मांग सबसे कम है। इसकी रफ्तार इस दौरान केवल 12.8 फीसदी की दर से बढ़ी है। कुल होम लोन का आकार अब 28 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। तमाम आंकड़े बताते हैं कि हाल के समय में शीर्ष 8 शहरों में मकानों की कीमतों में बेतहाशा बढ़त हुई है। हालांकि, बिक्री भी अच्छी खासी हुई है। बावजूद इसके होम लोन की मांग की दर कम ही रही है।

मुंबई और इंदौर के बीच 18,000 करोड़ से नई रेल लाइन, छह जिलों को होगा फायदा

नई दिल्ली। मंत्रिमंडल ने दो प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों मुंबई और इंदौर के बीच सबसे छोटा रेल संपर्क प्रदान करने के लिए 309 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन परियोजना को भी मंजूरी दी है। यह मुंबई में मनमाड और इंदौर को जोड़ने के अलावा दोनों राज्यों के उन जिलों को भी जोड़ेगी जो अब तक रेल मार्ग से नहीं जुड़े थे। इनमें महाराष्ट्र के 2 और मध्य प्रदेश के 4 जिले शामिल हैं। परियोजना की कुल लागत 18,036 करोड़ रुपये है और यह 2028-29 तक पूरी हो जाएगी। निर्माण के दौरान इस परियोजना से करीब 102 लाख मानव दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होगा।

यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम है जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्क प्रदान करेगा। परियोजना के साथ

30 नए स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे आकांक्षी जिले बड़वानी को बेहतर संपर्क मिलेगा। नई रेलवे लाइन परियोजना से लगभग 1,000 गांवों और लगभग 30 लाख आबादी को संपर्क मिलेगा। परियोजना देश के पश्चिमी/दक्षिण-पश्चिमी हिस्से को मध्य भारत से जोड़ने वाला रास्ता उपलब्ध कराकर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी। इस परियोजना से श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर सहित उज्जैन-इंदौर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन/धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। परियोजना से पीथमपुर ऑटो क्लस्टर (90 बड़ी इकाइयां और 700 छोटे और मध्यम उद्योग) को जेएनपीए के गेटवे पोर्ट और अन्य राज्य बंदरगाहों से सीधा संपर्क मिलेगा। परियोजना मध्य प्रदेश के बाजरा उत्पादक जिलों और महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक जिलों को भी सीधा जोड़ेगी, जिससे देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में इसके वितरण में सुविधा होगी।

कृषि उत्पादों, उर्वरक, कंटेनर, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, पीओएल आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। क्षमता वृद्धि कार्य के परिणामस्वरूप लगभग 26 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जो जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (18 करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बनडाइक्साइड उत्सर्जन (138 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा जो 5.5 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में सपाट क्लोजिंग

नई दिल्ली। रिकॉर्ड तेजी के सिलसिले के बाद बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी मंगलवार को सुस्त कारोबार के सपाट बंद हुए। निफ्टी लगातार 14वें कारोबारी सत्र में हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा, पर यह वृद्धि महज 1.15 अंकों की ही रही।

30 शेयरों पर आधारित बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स में 10 दिन से जारी तेजी पर विराम लगा और यह 4.40 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 82,555.44 के स्तर पर बंद हुआ। एक समय कारोबार के दौरान यह 159.08 अंक तक टूट गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1.15 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,279.85 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक और टाटा मोटर्स सबसे ज्यादा नुकसान में रहे।

दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, टाइटन, नेस्ले और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार के दौरान गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार सोमवार को श्रम दिवस के मौके पर बंद रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ह्यह्यवैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख और किसी ठोस संकेतक के अभाव में... घरेलू बाजार स्थिर रहा। विनिर्माण गतिविधियों में नरमी को लेकर निवेशक थोड़े सतर्क दिखे। विनिर्माण गतिविधियों में नरमी मांग में सुस्ती को दर्शाती है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 1,735.46 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.13 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

आईपीओ में मिले शेयर एक हफ्ते में बेच देते हैं 54% निवेशक; UP, राजस्थान, गुजरात के हैं 70 फीसदी लोग

नई दिल्ली। प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में हो रही भारी-भरकम कमाई के चलते 54 फीसदी निवेशक इसे महज एक हफ्ते में ही बेच देते हैं। पूंजी बाजार नियामक सेबी के आंकड़ों के मुताबिक, आईपीओ के शेयर सूचीबद्धता के समय भारी फायदा देते हैं। ऐसे में वे इसका अवसर उठाकर शेयर बेचकर बाजार से निकल जाते हैं।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के मुताबिक स्टॉक एक्सचेंजों पर अप्रैल, 2021 से दिसंबर, 2023 के बीच सूचीबद्ध 144 कंपनियों के आंकड़ों से पता चलता है कि 54 फीसदी निवेशकों ने सूचीबद्ध होने के एक सप्ताह के भीतर ही इनके शेयर बेच दिए हैं। हालांकि, इसमें एंकर निवेशक नहीं हैं। एंकर निवेशक वे होते हैं जो आईपीओ खुलने से एक दिन पहले संस्थागत निवेशक के रूप में पैसे लगाते हैं। अध्ययन में कहा गया है कि मोटी कमाई करने के लिए गैर संस्थागत निवेशक 63.3 फीसदी शेयर एक हफ्ते में बेच देते हैं। जबकि 42.7 फीसदी खुदरा निवेशक भी इसी का पालन करते हैं

और वे शेयर बेचकर निकल जाते हैं।

घाटे में भी निवेशक बेच देते हैं स्टॉक...रिपोर्ट कहती है कि ऐसे भी निवेशक हैं जो लिस्टिंग के समय हुए घाटे पर भी शेयरों को बेच देते हैं। मूल्य के लिहाज से व्यक्तिगत निवेशकों ने इस तरह के 23 फीसदी निवेशकों ने शेयर घाटे में बेचे हैं। 67.6 फीसदी निवेशक ऐसे रहे हैं जिन्होंने तब शेयर बेचा, जब स्टॉक ने उनको 20 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया। म्यूचुअल फंड आईपीओ शेयरों में लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं। इसके विपरीत बैंक तेजी से स्टॉक बेचते हैं। म्यूचुअल फंडों ने शेयर मिलने के एक सप्ताह में केवल 3.3 फीसदी हिस्सा बेचा है। जबकि बैंकों ने इसी दौरान 79.8 फीसदी हिस्सा बेच दिया है।

70 फीसदी निवेशक इन चार राज्यों से...आईपीओ में बोली लगाने वाले 70 फीसदी निवेशक केवल चार शहरों से होते हैं। इनमें गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश है। गुजरात के खुदरा निवेशकों को 39.3 पीसदी शेयर आईपीओ में अलॉट होते हैं। महाराष्ट्र के निवेशकों को 13.5 फीसदी और राजस्थान के निवेशकों को 10.5 फीसदी शेयर मिलते हैं। कुल डीमैट खातों में से करीब आधे खाते अप्रैल, 2021 से दिसंबर, 2023 के बीच खोले गए हैं।

माधबी पुरी बुच ने कहा-250 रुपये की एसआईपी जल्द...सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा, 250 रुपये की एसआईपी सुविधा जल्द शुरू होगी। हालांकि,कई सारे फंड हाउस इस समय 21 रुपये और 100 रुपये जैसी छोटी रकम की भी एसआईपी खरीदने की सुविधा देते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अब सभी फंड हाउसों के लिए सभी स्कीमों में यह सुविधा अनिवार्य हो सकती है। ऐसे में निवेशक इसे बड़े पैमाने पर खरीद सकते हैं।

आईपीओ का मसौदा अब 16 भाषाओं में...छोटे और भाषाई निवेशकों को बाजार में लाने और आसान भाषा में जानकारी देने के लिए सेबी ने एक और पहल की है। अब कंपनियों को 15 से 16 भाषाओं में आईपीओ के मसौदों को जानकारी देनी होगी। हालांकि, अभी इसकी कोई तारीख तय नहीं है। ऐसा होने से निवेशकों को अपनी भाषा में कंपनियों के बारे में जानने का मौका मिलेगा। अभी केवल अंग्रेजी में ही सारे दस्तावेज जमा होते हैं, जिससे आईपीओ की कठिन भाषा को समझना मुश्किल हो जाता है।

विश्व बैंक ने FY25 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7% किया

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत की वृद्धि दर के अपने अनुमान को पहले के 6.6% से बढ़ाकर 7% कर दिया। विश्व बैंक के भारत के निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी गति से बढ़ रही है, जो पिछली गति को बनाए रखेगी। विश्व बैंक के अनुसार वैश्विक वृद्धि महामारी से पहले के स्तरों की तुलना में धीमी रहने का अनुमान है।

यह बात ऐसे समय में सामने

आई है जब पिछले सप्ताह के आंकड़ों से पता चला कि राष्ट्रीय चुनावों के दौरान सरकारी खर्च में गिरावट के कारण अप्रैल-जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि धीमी होकर 6.7% रह गई।

विश्व बैंक ने कहा कि भारत की मध्यम अवधि की आर्थिक वृद्धि दर अगले दो वित्तीय वर्षों के दौरान औसतन 6.7% पर मजबूत बनी रहेगी। साथ ही उसने यह भी कहा कि उसे उम्मीद है कि निजी निवेश धीरे-धीरे आएगा और उपभोग में सुधार में मदद मिलेगी। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य चुनौतियों में रोजगार सृजन शामिल है।

विश्व बैंक ने कहा कि शहरी बेरोजगारी दर औसतन 17% के उच्च स्तर पर बनी हुई है।

लग्जरी कार ऑडी के इटली प्रमुख फैब्रिजियो लोंगो की मौत, पहाड़ पर चढ़ाई करते हुए गिरने से गई जान

रोम इटली में लग्जरी कार ब्रांड ऑडी के प्रमुख फैब्रिजियो लोंगो की मौत हो गई है। फैब्रिजियो लोंगो की पहाड़ पर चढ़ाई के दौरान पहाड़ी से गिरने के चलते दर्दनाक मौत हो गई। फैब्रिजियो लोंगो (62 वर्षीय) ऑडी एग्जीक्यूटिव होने के साथ ही पर्वतारोही भी थे। आखिरकार उनका यही शौक उनकी मौत का कारण बन गया।

10 हजार फीट गहरी खाई से बरामद हुआ शव...मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फैब्रिजियो लोंगो इटली में ऑडी के संचालन के प्रमुख थे। वह इटली और

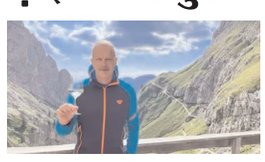

स्विट्जरलैंड की सीमा पर स्थित एडामेलो पर्वत पर चढ़ाई कर रहे थे। जब वह चोटी पर पहुंचने ही वाले थे तो संतुलन बिगड़ने से वह 10 हजार फीट गहरी खाई में गिर गए। साथी पर्वतारोही ने इसकी सूचना बचाव दल को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे बचाव दल ने फैब्रिजियो लोंगो का शव खाई से बरामद किया। फैब्रिजियो के शव को करिसोलो अस्पताल में आगे की जांच के लिए रखा गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जब फैब्रिजियो लोंगो खाई में गिरे तो उन्होंने सभी सुरक्षा उपकरण पहने हुए थे, ऐसे में उनके गिरने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति कुछ स्पष्ट हो पाएगी।

पोस्टमार्टम और अन्य औपचारिकताएं पूरी होने के बाद लोंगो का शव उनके परिवार को सौंपे जाने के बाद अंतिम संस्कार की तारीख की घोषणा की जाएगी। इटली के रिमनी में साल 1962 में पैदा हुए फैब्रिजियो लोंगो ने राजनीति विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई की थी।

मानसून में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है। बारिश में जाने के लिए जी तो मचलता है, लेकिन कभी मेकअप बिगड़ जाने का डर, कभी बाल बिगड़ जाने का डर और कभी त्वचा की सुरक्षा उन्हें बाहर निकलने से रोकती है, पर बारिश में घर भी तो नहीं बैठा जा सकता। थोड़ी सी सावधानियों से आप बारिश का मजा भी ले सकती हैं और सजने-संवरने के अपने शौक को भी पूरा कर सकती हैं।

फुहारों के बीच खिली-खिली दिखें आप

चुभती-झुलसा देने वाली गर्मी के दिन खत्म। अब आया मस्त मानसून का मौसम। जितनी बेसब्री से हमें फहारों के आने का इंतजार रहता है, उतनी ही दिक्कतें भी सामने आती हैं। कभी चेहरे का मेकअप पैची होने लगता है तो कभी बाल चिपचिपे हो जाते हैं। कभी कपड़े बदन से चिपक कर एक समस्या बन जाते हैं। समस्या होती है तो उसका समाधान भी होता है। बारिश के मौसम में आने वाली समस्याओं का निदान आइए जानते हैं

इस मौसम में सिबेशियस व स्वेट ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, जिससे त्वचा चिपचिपी व ज्यादा पसीने व डैंड्रफ से युक्त हो जाती है। इसलिए प्रतिदिन माइल्ड शैंपू से बाल धोएं। हर धुलाई के बाद अच्छी क्वालिटी के कंडीशनर का प्रयोग करें। बाल झड़ेंगे नहीं। बाल उलझे, रूखे व बेजान नहीं होंगे।

इस मौसम में बारिश में भीगे गीले बालों में अक्सर जुएं पड़ जाती हैं। बारिश में भीगे गीले बालों को भी शैंपू अवश्य करें। सिर में खुजलाहट होने पर नाखून से कुरेदे नहीं। त्वचा पर इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। कई बार दो-तीन दिन बाल न धोने पर बारिश में भीगे होने के कारण सिर में छोटे-छोटे दाने भी हो जाते हैं।

यदि किसी वजह से सिर न धो रहे हों तो सूखे सिर में कोई भी टेलकम पाउडर डाल कर कंघी कर लें। डस्ट निकल जाएगी, पसीना नहीं आएगा। बारिश के मौसम में 1-2 घंटों के लिए सिर पर दही लगाएं। इसके अलावा मूंग की दाल को दरदरा पीस कर सिर में लगाएं, अच्छी कंडीशनिंग हो जाएगी। बालों में अच्छी शाइन आ जाएगी। एलोवेरा का जूस निकाल कर इसका पल्प भी कुछ देर सिर में एक-डेढ़ घंटा लगा कर फिर शैंपू कर लें। जर्म्स, दाने व डैंड्रफ खत्म हो जाएगी। यदि इन्फेक्शन ज्यादा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बाल धोने के बाद तौलिए से अच्छी तरह सुखा कर चौड़े दांत की कंघी से बाल सुलझाएं। बारिश में भीगने के बाद बाल हमेशा खुले रखें।

इस मौसम में यदि सिर में तेल लगाएं तो दो-तीन घंटे बाद ही सिर धो लें। ज्यादा देर तेल लगा रहेगा तो वह फेस पर आ जाएगा। बारिश के मौसम में हेयर जेल, मूस, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। उमस के कारण सिर में पसीना अधिक आता है, इसलिए बालों में स्टाइल बनाने से पहले ह्यूमिडिटी प्रोटेक्टिव जेल लगाएं।

इस मौसम में स्ट्रेट बालों को कर्ल करने व कर्ल बालों को स्ट्रेट करने से बचें। कर्ल बालों में स्टाइलिंग क्रीम या जेल लगा कर सेट कर लें व स्ट्रेट बालों की ढीली पोनीटेल बना लें। ध्यान रखें कि क्रीम व जेल एल्कोहल बेस्ड हो, जो बालों को चिपचिपा होने से बचाए।

इस मौसम में वातावरण में ही नमी होने के कारण ब्लो ड्राई, रोलर सैटिंग आदि टिक नहीं पाते, इसलिए इनसे बचना चाहिए। ऐसे में लोअर बन व पोनीटेल अच्छी रहेंगी। गर्दन तक का कट इस मौसम में हमेशा चींटियां काटने का एहसास कराता है, ऐसा कट न रखें। इस मौसम के लिए विशेषतौर से मेंटेनेंस फ्री कट होना चाहिए। फ्रंट में फ्रींजिस दे सकते हैं।

मेकअप टिप्स

सावन की बरसती बूंदें मन को अवश्य खुशी देती हैं, पर ये बूंदें ही चिपचिपे, उलझे बाल, तैलीय त्वचा व तन के श्रृंगार को तहस-नहस कर देती हैं। घर से बाहर जाने से बीस-पच्चीस मिनट पहले सनस्क्रीन लोशन लगा लें।

इस मौसम में जरूरत से ज्यादा मेकअप बेस लगाने से बचें। अगर लगाएं तो सिलिकोन बेस या वॉटर प्रूफ फाउंडेशन की पतली परत लगाएं। पानी की बूंदें पड़ते ही पानी व पसीना बहकर निकल जाएगा। मेकअप वैसे का वैसा रहेगा। पाउडर बेस पर बूंदें पड़ते ही मेकअप पैची हो जाएगा।

बारिश के मौसम में मेकअप हल्का ही करें। मेकअप बेस अपनी त्वचा से एक टोन गहरा लें। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि हेयर लाइन के पास पसीना ज्यादा आता है, इसलिए इस हिस्से पर फाउंडेशन कम से कम लगाएं।

बारिश में आंखों का मेकअप ज्यादा खराब हो जाता है। इस मौसम के लिए काजल, आई लाइनर, मस्कारा आदि वॉटर प्रूफ ही लें। इस मौसम में विशेषतौर से ट्रांसपेरेंट मस्कारा व कलर्ड काजल पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आई शैडो व ब्लश ऑन लगाना हो तो कभी भी पाउडर बेस न लगा कर मौसम को ध्यान में रखकर क्रीम बेस्ड ही लगाएं। इसके लिए लिपस्टिक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पर ध्यान दें त्वचा पर अच्छी तरह फैल जाए।

बारिश के मौसम में लिपग्लॉस का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए, यह हर फुहार की बूंद के साथ होठों के इर्द-गिर्द फैलता है। लिपस्टिक भी गॉढ़ी न लगाकर हल्की ही लगाएं। पूरा मेकअप हो जाने के बाद मेकअप फिक्सिंग स्प्रे लगा लें। इससे मेकअप सेट हो जाता है। बिंदी स्टिक ऑन ही इस्तेमाल करें।

स्किन केयर टिप्स

इस मौसम में चिपचिपी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर में गुलाब जल मिला कर चेहरे, गर्दन व बांहों पर लगाएं। थोड़े से जीरा पाउडर में नारियल का तेल मिला कर इसे गर्दन व आसपास के हिस्सों पर लगाएं।

चिकनी त्वचा वाले लोग शहद व नींबू का रस बराबर भाग में मिला कर लगा सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसमें अंडे की सफेदी भी मिला लें। एक घंटा त्वचा पर लगा रहने दें फिर ठंडे पानी से धो दें। इसके अलावा कच्चे दूध में बेसन मिला कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

शुष्क त्वचा वाले लोग एक बड़ा चम्मच दूध की क्रीम में गुलाब जामुन मिला कर लगाएं व पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें। त्वचा को साफ करने के लिए पपीते के छोटे टुकड़े करें, इनसे त्वचा को साफ करें। पपीते का रस व गूदा पांच-सात मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें, फिर त्वचा धो लें।

इस मौसम में रात को त्वचा की टोनिंग करना चाहिए। इसके लिए एक छोटा चम्मच दूध में पांच बूंदें चमेली के तेल की मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लोशन लगाना बंद नहीं करना चाहिए।

इन दिनों फंगस इन्फेक्शन सबसे ज्यादा हो जाता है। गीले कपड़े व गीले जूते देर तक न पहने रहें। एंटी फंगस साबुन से त्वचा को साफ करें। शरीर के जोड़ों, पांवों की उंगलियों आदि में साधारण या एंटी फंगस पाउडर का इस्तेमाल करते रहें।

बारिश के मौसम में बेजान हो जाने वाली त्वचा में नई जान डालने के लिए शहद व दही बराबर मात्र में मिला कर अच्छी तरह से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें।

विंड चाइम से बढ़े घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं।

सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं।

जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंगशुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंगशुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

भुट्टा-पालक पकौड़ी

सामग्री

5 भुट्टे नरम दाने वाले,100 ग्राम पालक कटा हुआ, 4-5 हरी मिर्च, एक टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कली , आधा चम्मच जीरा, हरा धनिया बारीक कटा हुआ, एक बड़ा चम्मच बेसन , नमक स्वादानुसार , आधा चम्मच लाल मिर्च , एवं तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले भुट्टों को साफ करके कद्दूकस करें। भुट्टे, पालक, हरी मिर्च, अदरक एवं लहसुन को थोड़ा मोटा ही पीस लें। अब सभी मसालों को बेसन में मिलाकर अच्छी तरह से खोल लें। पीसे हुए भुट्टे व पालक को बेसन में लपेटकर तेल में तलें। तलने के बाद इसे चटनी के साथ सर्व करें।

नरम बूंदों के साथ गरम पकौड़ी

मौसम बारिश का हो और पकौड़ी का स्वाद न लिया जाए, यह कैसे हो सकता है। इस मौसम में सबका मन गरमा-गरम पकौड़ी खाने को करता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं पकौड़ी।

पालक रोल पकौड़ी

सामग्री

पालक के 15 पत्ते , 200 ग्राम बेसन, 2 चम्मच चावल का आटा, 2 आलू उबले व मैश किए हुए, एक चम्मच धनिया, चौथाई चम्मच हल्दी, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच अदरक बारीक कटा हुआ , हरा धनिया कटा हुआ, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि

मैश हुए आलू में सभी मसाले मिलाएं। हर पत्ते को अच्छी तरह पोंछकर उन पर थोड़ा सा आलू का मिक्सचर रखें और रोल कर लें। बेसन का गाढ़ा घोल बनाकर उसमें चावल का आटा मिला दें। हर रोल को उसमें डुबोकर फ्राई करें।

कच्चे केले के पकौड़े

सामग्री

6 कच्चे केले, 200 ग्राम बेसन, आधा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक कद्दूकस किया प्याज, 3-4 बारीक कटी हरी मिर्च, तलने के तेल

बनाने की विधि

केलों को उबालकर छीलें व हाथ से अच्छी तरह मेश कर लें। बेसन को सूखा ही भून लें। भुने बेसन में मेश किया केला, कटी सामग्री व मसाले खूब अच्छी तरह मिक्स कर लें। आवश्यकता हो तो इसमें थोड़ा-सा दूध मिला लें। अब एक कड़ाई में तेल गर्म कर लें। कम आंच पर उलट-पलट कर गुलाबी होने तक तलें। केले के इन पकौड़ों को गरमा-गरम चाय के साथ पेश करिए या किसी खट्ठी-मीठी चटनी के साथ इसको स्वाद दुगुना हो जाएगा।

मशरूम के पकौड़े

सामग्री

200 ग्राम मशरूम, 200 ग्राम बेसन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादानुसार कटा हुआ मिर्च- तीन, तलने के तेल

बनाने की विधि

मशरूम को साफ करके धो लें। इनको कुछ देर स्टीम देकर मुलायम कर लें। बेसन में नमक-मिर्च व पानी डालकर पकौड़ों के हिसाब से घोल तैयार कर लें। इसी में हरा धनिया भी डाल दें। मशरूम को आधे-आधे काटकर बेसन लपेटकर गर्म तेल में तलें। आपके लिए गर्मागर्म मशरूम के पकौड़े तैयार हो गए।

क्रिस्पी बैंगन पकौड़े

सामग्री

एक भुर्ते वाला बड़ा बैंगन, 4-5 खड़ी लाल मिर्च
2-3 कली लहसुन, 1 कप बेसन
आधा कप चावल का आटा, नमक स्वादानुसार
1 चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच हल्दीएक
चौथाई चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग
तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि

बैंगन को धोकर पतली गोल-गोल स्लाइस काट लें। लाल मिर्च, लहसुन, नमक, नींबू रस एवं थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। बेसन में चावल का आटा, हींग, नमक, अजवाइन एवं थोड़ा पानी मिलाकर पकौड़े का घोल तैयार करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। बैंगन की एक स्लाइस लेकर इस पर लाल मिर्च का पेस्ट चुपड़े। ऊपर से दूसरी स्लाइस रखें। इसे बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तलें। गर्मागर्म क्रिस्पी बैंगन पकौड़ों को सॉस और हरी चटनी के साथ परोसें। इसका स्वाद लाजवाब लगेगा।

बंगलादेश ने टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान का किया सूपड़ा साफ

रावलपिंडी, एजेंसी। हसन महमूद और नाहिद राणा की बेहतरी गेंदबाजी और उसके बाद जाकिर हसन (40), नजमुल शान्तो (38) और मोमिनुल हक (34) की जुझारू पारियों के दम पर बंगलादेश ने मंगलवार को पाकिस्तान को छह विकट से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से जीत ली हैं।

दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन आज बंगलादेश ने दूसरी पारी में कल के 42 रन स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। अभी टीम को स्कोर 70 रन हुआ कि मीर हमजा ने जाकिर हसन (40) को आउट कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद शादमन इस्लाम (24) खुरर्म शहजाद का शिकार बने। कप्तान नजमुल शान्तो ने मोमिनुल हक के साथ पारी को संभाला। दोनों के बीच 57 रनों की साझेदारी हुई। आगा सलमान ने नजमुल शान्तो (38) को आउट कर बंगलादेश को तीसरा झटका दिया। इसके बावजूद बंगलादेश के बल्लेबाजों ने धैर्य बनाये रखा। मोमिनुल हक (34) रन बनाकर आउट हुये। मुशफिकुर रहीम (22) और शाकिब अल हसन (17)रन बनाकर नाबाद रहे। बंगलादेश ने 56 ओवर में 185 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया।

पाकिस्तान की ओर से मीर हमजा, खुर्रम शहजाद, अबरार अहमद और आगा सलमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले टेस्ट मैच के चाथे दिन सोमवार को हसन महमूद (पांच विकेट) और नाहिद राणा (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने पाकिस्तान को दूसरी पारी में 172 के स्कोर पर ढ़ेर करने के बाद 184 रन का लक्ष्य मिला था। बारिश शुरू होने से पहले बंगलादेश ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए 42 रन बना लिये थे।

पाकिस्तान की ओर से दूसरी पारी में सईम अयूब (20), शान मसूद(28), बाबर आजम (11), सऊद शकील (एक) रन बनाकर आउट हुये। एक समय पाकिस्तान ने 81 के स्कोर पर अपने छह विकेट गवां दिये थे। ऐसे समय में मोहम्मद रिजवान (43) और आगा सलमान नाबाद (47) ने पारी को फिर संभाला। हसन महमूद ने 37वें ओवर में मोहम्मद रिजवान को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद के चार बल्लेबाज तू चल मैं आया की तर्ज पर एक के एक पवेलियन लौट गये। पाकिस्तान की दूसरी पारी 46.4 ओवर में 172 के स्कोर पर सिमट गई।

बंगलादेश की ओर से हसन महमूद ने पांच विकेट विकेट लिये और नाहिद राणा को चार विकेट मिले। तसकीन अहमद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। बंगलादेश ने बारिश के कारण मैच रोके जाने के समय सात ओवर में बिना कोई विकेट खोए 42 रन बना लिये है और अभी उसे जीत के लिए 148 रनों की जरूरत है।

रविवार को लिटन कुमार दास (138) शतकीय और मेहदी हसन मिराज की (78) रनों अर्द्धशतकीय पारियों के दम पर बंगलादेश ने रविवार को दूसरे टेस्ट मैच में पहली पारी के आधार 12 रन से पिछड़ने के बाद हसन महमूद की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान पर दबाव बनाया था।

टेस्ट मैच के तीसरे दिन पाकिस्तान के गेंदबाज खुर्रम शहजाद की घातक गेंदबाजी (90 रन पर छह विकेट) के बदौलत बंगलादेश टीम के सात खिलाड़ी दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाए। मात्र चार खिलाड़ी दहाई संख्या के स्कोर में पहुंचे जिसमें शतकवीर लिटन दास के अलावा मेहदी हसन मिराज ने (78) एवं हसन महमूद नाबाद (13) और शादमन इस्लाम 10 रन शामिल है। बंगलादेश को 11 अतिरिक्त रन मिले है। बंगलादेश की पारी 78.4 ओवर में 162 के स्कोर पर सिमट गई। पाकिस्तान को पहली पारी के आधार पर 12 रनों की बढ़त मिली थी। पाकिस्तान की ओर से खुर्रम शहजाद ने छह विकेट तथा मीर हमजा एवं आगा सलमान ने दो दो विकेट लिए।

एक नजर

पेरिस पैरालंपिक के पदक विजेताओं को नीता अंबानी ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष नीता अंबानी ने चल रहे पेरिस पैरालंपिक 2024 में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आपने हर भारतीय के दिल को गर्व से भर दिया है। रिलायंस फाउंडेशन के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर जारी बयान में नीता अंबानी ने कहा कि पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारतीय एथलीटों ने देश को गौरवान्वित करना जारी रखा है। नित्या सिवन, सुमित अंतिल, शीतल देवी, राकेश कुमार, सुहास यतिराज, तुलसीमति मुरुगेसन, मनीषा रामदास, नितेश कुमार, योगेश कथुनिया, निषाद कुमार, प्रीति पाल और रुबीना फ्रांसिस को पदक जीतने के लिए बधाई। आपकी उल्लेखनीय यात्राएं और जीत मानवीय भावना के लचीलेपन का एक शानदार उदाहरण हैं। आपने हर भारतीय के दिल को अपार गर्व से भर दिया है और हमें दृढ़ता की शक्ति दिखाई है। उन्होंने आगे कहा कि लाखों लोगों को प्रेरित करते रहें, सीमाओं को आगे बढ़ाते रहें और तिरंगे को और भी अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाते रहें। आने वाले खेलों के लिए टीम इंडिया को शुभकामनाएं। जय हिंद। भारतीय एथलीटों ने मौजूदा पैरालंपिक में अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जिस कारण भारत ने अब तक तीन स्वर्ण पदक, पांच रजत और सात कांस्य पदक जीते हैं। भारत ने कुल 15 पदक अर्जित किए हैं और टोक्यो पैरालिंपिक 2020 के 19 पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ पांच पदक दूर है। भारत वर्तमान में पदक तालिका में 15वें स्थान पर है।

न्यूजीलैंड ने नाथन स्मिथ और जोश क्लार्कसन को केंद्रीय अनुबंध दिया

ऑकलैंड, एजेंसी। ऑल राउंडर नाथन स्मिथ और जोश क्लार्कसन को पहली बार न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंध में शामिल किया गया है। इन दोनों युवा खिलाड़ियों ने केंद्रीय अनुबंध पाने वाले क्रिकेटरों की 20 सदस्यीय सूची में डेवोन कॉनवे और फिन एलन की जगह ली है। पिछले साल डुनेडिन में बांग्लादेश के खिलाफ पदार्पण करने वाले क्लार्कसन ने न्यूजीलैंड की तरफ से तीन वनडे और छह टी20 मैच खेले हैं, जबकि स्मिथ ने न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में वेलिंगटन की तरफ से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। कॉनवे और एलन ने पिछले महीने केंद्रीय अनुबंध ठुकरा गया था इसके बाद दो स्थान खाली पड़े थे।

केंद्रीय अनुबंध पाने वाले खिलाड़ी इस प्रकार हैं : टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, विल ओह्वरूर्के, अजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, विल यंग।

पुरानी दिल्ली 6 ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 33 रन से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। ललित यादव की 29 गेंद पर 46 रन की नाबाद पारी और प्रिंस यादव की शानदार गेंदबाजी के दम पर पुरानी दिल्ली 6 ने अपने अंतिम लीग चरण मैच में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 33 रन से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) टी20 क्रिकेट टूनार्मेंट के प्लेऑफ में जगह बनाई। पुरानी दिल्ली 6 ने सोमवार की रात को खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 173 रन बनाए और फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स को आठ विकेट पर 140 रन पर रोक दिया। पुरानी दिल्ली 6 के लिए ललित यादव के अलावा युग गुप्ता ने 44 रन की उपयोगी पारी खेली। सेंट्रल दिल्ली किंग्स की तरफ से रजनीश दादर ने 29 रन दो विकेट लिए। सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम जोंटी सिद्धू के 52 रन और लक्ष्य थरेजा के 34 रन के बावजूद लक्ष्य से काफी पीछे रह गई। प्रिंस यादव ने 15 रन देकर तीन विकेट लिए।

भाग्यश्री जाधव एफ34 महिला गोला फेंक में पांचवें स्थान पर

पेरिस, एजेंसी। भारत की भाग्यश्री जाधव मंगलवार को यहां पैरालंपिक की महिला गोला फेंक (एफ34) स्पर्धा के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं। पैरालंपिक में दूसरी बार हिस्सा ले रही भाग्यश्री ने गोले को 7.28 मीटर की दूरी तक फेंका लेकिन यह पोडियम पर जगह दिलाने के लिए नाकाफी था। चीन की लिजुआन झोउ ने 9.41 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि पोलैंड की लुसीना कोनोर्बीस ने 8.33 मीटर के प्रयास से रजत पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले की रहने वाली 39 साल की भाग्यश्री 2006 में दुर्घटना के बाद अपने पैरों का इस्तेमाल नहीं कर पाती। इस घटना के बाद वह अवसाद में चली गईं थी और परिवार तथा मित्रों के उत्साहवर्धन के बाद पैरा खेलों से जुड़ी। एफ34 वर्ग के खिलाड़ियों को हाइपरटोनिया (कठोर मांसपेशियां), एटैक्सिया (खराब मांसपेशी नियंत्रण) और एथेटोसिस (अंगों या धड़ की धीमी गति) सहित समन्वय संबंधी कमियों से निपटना पड़ता है।

34 साल के हुए शमी को मिली प्रशंसकों और साथियों से बधाई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आज 34 साल के हो गये। उन्हें इस अवसर पर प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों से बधाई मिली है। साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से शमी ने पिछले एक दशक में अपने प्रदर्शन से तीनो ही प्रारुपों में अपनी जगह बनायी है। शमी अपनी गति के साथ ही अपनी यार्कर के कारण भी प्रभावी रहे हैं। शमी ने एकदिवसीय विश्वकप में भी शानदार प्रदर्शन किया था। शमी के नाम टेस्ट में 229, एकदिवसीय में 195 और टी20 में 24 विकेट हैं। वह आज के दौर में सबसे सफल गेंदबाजों में से एक हैं। टेस्ट डेब्यू में ही शमी ने पांच विकेट लिए थे। गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप में शमी ने भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लिए थे। वह चेतन शर्मा के बाद विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले केवल दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं। उन्होंने 2019 विश्वकप में अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार तीन विकेट लिए थे। शमी के नाम एकदिवसीय विश्वकप में 50 से अधिक विकेट हैं। उन्होंने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स की ओर से खेला है। इसमें 110 मैचों में उनके नाम 127 विकेट हैं। उनके नाम 2023 आईपीएल में सबसे अधिक विकेट के लिए पर्पल कैप भी है।

पेरिस पैरालम्पिक : भारतीय रिकर्व तीरंदाज पूजा क्वार्टर फाइनल में

पेरिस, एजेंसी। विश्व पैरा चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता पूजा जटियां ने तुर्की की यगमुर सेंगुलइको सीधे सेटों में हराकर पेरिस पैरालम्पिक महिला ओपन रिकर्व तीरंदाजी के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। 27 वर्ष की पूजा को प्री क्वार्टर फाइनल में बाय मिला था चूंकि वह रैंकिंग दौर में शीर्ष नौ में रही थी। उसने 6.0 से जीत दर्ज की और अब उसका सामना तोक्यो पैरालमपिक की कांस्य पदक विजेता चीन की वू चुनियान से होगा। दूसरी वरीयता प्राप्त चुनियान ने मंगोलिया की ओयुन एडेर्ने बी को मात दी। पूजा ने लगातार तीन नौ स्कोर करके पहला सेट जीता और दूसरा सेट 26.22 से जीता। तीसरे सेट में सेंगुल ने दो नौ और एक आठ स्कोर किया लेकिन पूजा ने एक अंक से जीत दर्ज की।

रोलेंट ओल्टमेंस ने पाकिस्तान हॉकी टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ा

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान हॉकी टीम के मुख्य कोच रोलेंट ओल्टमेंस ने दीर्घकालिक अनुबंध की कमी का हवाला देते हुए आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए चीन में टीम से जुड़ने से मना कर दिया।

ओल्टमेंस इस साल की शुरूआत से सीनियर टीम के साथ काम कर रहे हैं। उन्हें सीधे हुलुनबुइर में टीम में शामिल होना था, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने इससे इनकार कर दिया।

पीएचएफ (पाकिस्तान हॉकी महासंघ) के एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, ओल्टमैंस ने पीएचएफ को सूचित कर दिया है कि वह कोचिंग के लिए उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वह दीर्घकालिक और उचित अनुबंध चाहते हैं।

ओल्टमेंस ने 2013 और 2017 के बीच भारतीय हॉकी टीम के हाई परफार्मेंस निदेशक और मुख्य कोच के रूप में भी काम किया था। छह टीमों का एसीटी टूनार्मेंट आठ से 17 सितंबर के तक आयोजित होगी। पीएचएफ सूत्र ने कहा कि ओल्टमेंस को 'इवेंट-टू-इवेंट (टूनार्मेंट दर टूनार्मेंट)' अनुबंध की पेशकश की गई थी। उन्होंने कहा, पीएचएफ फंड की समस्या के कारण उन्हें ह्यअसाइनमेंटह्ल के आधार पर काम पर रख रहा था और उन्हें चीन में टूनार्मेंट के दौरान टीम को प्रशिक्षित करना था और फिर अपने देश लौटना था। सूत्र ने कहा, ओल्टमैन्स ने हालांकि अब यह स्पष्ट कर दिया है कि वह 'इवेंट-टू-इवेंट' के आधार पर काम नहीं कर सकते हैं और अगर पीएचएफ को उनकी विशेषज्ञता की आवश्यकता है तो उन्हें उन्हें दीर्घकालिक अनुबंध की पेशकश करनी होगी।

स्वर्ण पदक नहीं जीत पाने का मलाल है: सुहास

पेरिस, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज लगातार दूसरे पैरालंपिक में रजत पदक जीत कर खुश भी हैं और निराश भी क्योंकि वह स्वर्ण पदक का लक्ष्य लेकर यहां आए थे।

यह 41 वर्षीय खिलाड़ी विश्व में नंबर एक खिलाड़ी के रूप में प्रतियोगिता में उतरा था और उनसे पुरुष एकल एसएल4 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद थी। लेकिन वह सोमवार को खेले गए फाइनल में फ्रांस के लुकास माजूर से सीधे गेम में हार गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

सुहास ने मंगलवार को कहा,ह्यह्यमैं विश्व का नंबर एक खिलाड़ी और विश्व चैंपियन के तौर पर यहां पहुंचा था और मुझ पर अपेक्षाओं का दबाव था। मुझे यहां अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद थी। मेरा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना था जो हर खिलाड़ी का सपना होता

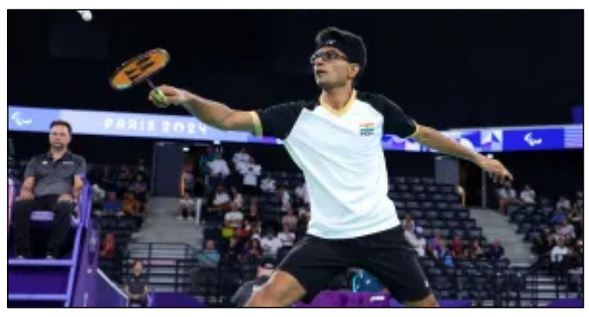

है।

इस 2007 बैच के आईएएस अधिकारी ने कहा, रजत जीतना एक मिश्रित भावना है। स्वर्ण पदक चूकने का दुख और निराशा है। लेकिन जब यह भावना हावी नहीं रहेगी तो तब आपको अहसास होगा कि पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई करना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना बहुत बड़ी बात थी। रजत पदक जीतना भी गर्व की बात है।

सुहास से जब दोनों रजत पदक में तुलना करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,, पहले देश और मुझे विश्वास नहीं था कि हम पैरालंपिक बैडमिंटन में पदक जीत सकते हैं। मुझे नहीं पता था कि मेरा प्रदर्शन क्या होगा। वह एक अलग तरह की भावना थी।

उन्होंने कहा,दोनों बार मुझे कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। जैसा कि मैंने कहा पहली बार लोग आपको तब तक इतनी गंभीरता से नहीं लेते जब तक आप शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करते। लेकिन उम्मीदों के साथ खेलना अपने आप में एक अलग तरह का दबाव है।

सुहास भले ही स्वर्ण पदक नहीं जीत पाए लेकिन उन्होंने कहा कि उनके लिए यहां तक का सफर शानदार रहा है।

अपने बाएं टखने में जन्मजात विकृति के साथ जन्मे इस खिलाड़ी ने कहा, जब मैंने पैरालंपिक क्वालिफिकेशन से सफर शुरू किया तो मैं एक दो साल तक नहीं खेला था और दुनिया में 39वें नंबर पर था। वहां से मैं शीर्ष 12 तक पहुंचा और फिर लेवल एक टूनार्मेंट के लिए क्वालीफाई किया। इसके बाद मैंने एशियाई पैरा खेलों और विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता तथा विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बना। यह सफर शानदार रहा है।

स्वियातेक और पेगुला अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूनार्मेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियातेक ने सोमवार की रात को खेले गए मैच में 16वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 6-4, 6-1 से पराजित किया। यह दोनों खिलाड़ी पहले सेट में एक समय 4-4 से बराबरी पर थी लेकिन इसके बाद स्वियातेक में लगातार सात गेम जीत कर अपनी जीत सुनिश्चित की।

अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला ने डायना श्नाइडर पर 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। वह सातवीं बार किसी ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट के क्वार्टर

फाइनल में पहुंची हैं।

महिला वर्ग में करोलिना मुचोवा भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने इस सत्र में फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उपविजेता रही जैस्मीन पाओलिनी को 6-3 6-3 से हराया।

मुचोवा का अगला मुकाबला बीट्रिज हद्दाद माइया से होगा जिन्होंने 2018 की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन कैरोलिन वोज्नियाकी को 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। वह 1968 में मारिया ब्यूनो के बाद अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली ब्राजील की पहली महिला खिलाड़ी हैं।

पुरुष वर्ग के मैचों में ब्रिटेन के 25वीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर ने गैरवरीयता प्राप्त टॉमस मचाक पर 6-3 6-1 6-2 से जीत दर्ज कर-के पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

उनका अगला मुकाबला 10वीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर से होगा जिन्होंने जॉर्डन थॉम्पसन को 6-0 3-6 6-3 7-5 से हराया।

रूस के पांचवीं वरीयता प्राप्त और यहां 2021 के चैंपियन दानिल मेदवेदेव भी अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने नूनो बोर्गेस को 6-0, 6-1, 6-3 से हराया।

अब भारत के खिलाफ रिकॉर्ड में सुधार करने का समय है: पैट कमिंस

मेलबर्न, एजेंसी। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को विश्वास है कि भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की श्रृंखला में उनकी टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने इस कड़े प्रतिद्वंदी के खिलाफ पिछले कुछ समय से लगातार मिली हार की भरपाई करने में सफल रहेगी।

उन्होंने इसके साथ ही कहा कि 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मुकाबला बराबरी का होगा।

भारत ने 2016-17 से लेकर 2022 23 तक ऑस्ट्रेलिया से लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। इनमें से दो अवसरों पर उसने ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया।

कमिंस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पिछले साल लंदन में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत पर अपनी जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। कमिंस ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ऑस्ट्रेलिया में खेली गई पिछली दो श्रृंखला में हम सफल नहीं रहे। हमें (भारत के खिलाफ) श्रृंखला जीते हुए काफी समय हो गया है। अब इसमें सुधार करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, हम भारत के खिलाफ लगातार खेलते रहे हैं और उन्होंने हमें हराया भी है लेकिन हमने भी उनके खिलाफ कई जीत दर्ज की हैं जिनसे हम प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे।

चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हुए सूर्यकुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव को 2024-25 दलीप ट्रॉफी के शुरूआती दौर से बाहर कर दिया गया है, क्योंकि पिछले हफ़्ते कोयंबटूर में बुची बाबू आमंत्रण टूनार्मेंट में मुंबई के लिए प्री-सीजन मैच के दौरान उन्हें हाथ में चोट लग गई थी। सूर्यकुमार को आराम करने की सलाह दी गई है और वह नियमित जांच के लिए फिलहाल बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, सूर्यकुमार ने पिछले हफ़्ते टीएनसीए इलेवन के खिलाफ मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं की थी, क्योंकि तीसरे दिन फील्डिंग करते समय उनके हाथ में चोट लग गई थी। उस समय, मुंबई टीम प्रबंधन ने पुष्टि की थी कि यह कदम सीजन की शुरूआती दलीप ट्रॉफी में उनकी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए एहतियाती तौर पर उठाया गया था।

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार ने हाल ही में टेस्ट में वापसी के लिए उत्सुकता व्यक्त की है। एक साल से अधिक समय से कोई प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलने के बाद, सूर्यकुमार ने रेड-बॉल क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्री-सीजन बुची बाबू टूनार्मेंट के लिए खुद को उपलब्ध कराया, जिसमें भारत को अगले पांच महीनों में 10 टेस्ट खेलने हैं, जिसकी शुरूआत 19 सितंबर से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला से होगी।

सूर्यकुमार, जिन्होंने अब तक एकमात्र टेस्ट पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था, को इंडिया सी टीम में शामिल किया गया है, जिसका नेतृत्व रुतुराज गायकवाड़ करेंगे, जो अनंतपुर में श्रेयस अय्यर की इंडिया डी से भिड़ेंगे। इंडिया ए और इंडिया बी एक साथ बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में दूसरे शुरूआती दौर का मैच खेलेंगे।

हाल ही में, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक भी बीमारी के कारण दलीप ट्रॉफी के शुरूआती दौर से बाहर हो गए थे, और रवींद्र जडेजा को वापस बुला लिया गया था, हालांकि बीसीसीआई ने उनके लिए कोई कारण नहीं बताया। नवदीप सैनी और गौरव यादव क्रमशः भारत बी और सी टीमों के लिए सिराज और मलिक की जगह लेंगे।

इस बीच, नितीश कुमार रेड्डी को एनसीए ने फिट घोषित कर दिया है। उन्हें कमर की चोट के कारण फिटनेस की शर्त पर शामिल किया गया था, जिसके कारण उन्हें जुलाई में जिम्बाब्वे के लिए भारत की टी20आई टीम से बाहर होना पड़ा था।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए संशोधित टीमें-

भारत एः शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, आवेश खान, विद्वाथ कवरप्पा, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत।

भारत बीः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन (विकेटकीपर)।

भारत सीः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव वी शेक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), संदीप वारियर।

भारत डीः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, ईशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भुई, सारांश जैन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, के.एस. भारत (विकेट कीपर), सौरभ कुमार।

करण जौहर की वेब सीरीज कॉल मी बे से अभिनय क्षेत्र में कदम रखेगी लिसा मिश्रा

बहु-प्रतिभाशाली गायिका और अब जल्द ही एक अभिनेत्री बनने वाली लिसा मिश्रा, धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा उनकी शाखा धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित आगामी वेब सिरीज़ कॉल मी बे में अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर अमेज़ॅन प्राइम पर होगा। अपनी दमदार आवाज़ और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के लिए जानी जाने वाली लिसा का अभिनय की दुनिया में आना एक लंबे समय से प्रतीक्षित यात्रा रही है। कॉल मी बे के साथ अभिनय में लिसा का प्रवेश उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो संगीत उद्योग से परे उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। इस अवसर के लिए आभारी होकर, उन्होंने एक अभिनेत्री के रूप में उनकी क्षमता पर विश्वास करने के लिए धर्मा प्रोडक्शंस और उनके अटूट समर्थन के लिए अपने गुरुओं को हार्दिक धन्यवाद दिया।

अपनी कास्टिंग पर विचार करते हुए, लिसा ने साझा किया, जब मेरा ऑडिशन आया तो निर्देशन टीम के लिए यह आश्चर्य की बात थी क्योंकि वे मुझे पहले केवल एक गायिका के रूप में जानते थे। लेकिन अभिनय हमेशा से एक सपना रहा है, और इस कला पर मैं वर्षों से चुपचाप काम कर रही थी। यहां तक पहुंचने और इसे तोड़ने में मुझे बहुत समय लगा। बेशक गायन मेरा पहला प्यार है, लेकिन मैं अभिनय की इस लालसा को मिटाना चाहती थी काफी धैर्य के बाद आखिरकार यह समय आ गया है। उनके डेब्यू को लेकर उत्साह निश्चित रूप से देखने लायक है, क्योंकि लिसा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर इस उपलब्धि के बारे में अपनी भावनाएं भी व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, मैं अपनी पहली सीरीज़ आप सभी को दिखाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। कॉल मी बे एक सपना सच होने जैसा था, और इस तरह का कार्यक्रम पेश करना, वह भी धर्मा और अमेज़ॅन प्राइम के साथ लॉन्च करना, मेरे लिए भी वास्तव में अविश्वसनीय है। मैं 2018 से पंचमी घावरी के साथ ऑडिशन दे रही हूं, इस पल के इंतज़ार में वर्षों से अपनी भाषा कौशल और स्क्रीन उपस्थिति को निखार रही हूं। इस यात्रा ने मुझे सिखाया की सब्र रखो और डटे रहो-जो होना है वह रातोरात नहीं होगा। आशा है कि मैंने अपने गुरुओं को गौरवान्वित किया है और आप मेरे पहले अभिनय प्रदर्शन का आनंद लेंगे।

द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल की तैयारी के लिए अर्शिन मेहता ने की कड़ी मेहनत

फिल्म द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अर्शिन मेहता ने सुहासिनी भट्टाचार्य की भूमिका के लिए की गई तैयारी के बारे में खुलकर बात की। अर्शिन इसमें बांग्लादेश की एक हिंदू ब्राह्मण लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो अपने देश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को देखने के बाद भारत के पश्चिम बंगाल में शरण लेती है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने कई व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया। बजरंगी भाईजान से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अर्शिन ने इस बारे में बताया, मैं किरदार में रहना चाहती थी, इसलिए मैंने सुहासिनी की भूमिका को अपनाया, जो एक शरणार्थी है, जिसके पास विलासिता की चीजों की पहुंच नहीं है। मैंने कुर्सियों पर बैठने से परहेज किया और जमीन पर बैठना पसंद किया, किसी से ज्यादा बात न करके अपने किरदार की मानसिकता में रहना पसंद किया। सुहासिनी ने इतने सारे अनुभव किए थे कि वह हमेशा अपने दायरे में रहती थी, और मैंने भी उसी दायरे में रहने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा अपने दायरे में रहना सुनिश्चित किया। मैं लगातार संगीत सुनती, किसी से बात करने से बचती और शूटिंग खत्म होने के बाद भी चुपचाप घर चली जाती और किरदार की मानसिकता में रहती। सुहासिनी के किरदार को ईमानदारी और प्रामाणिकता के साथ निभाने के लिए मेरे लिए उस दायरे में रहना महत्वपूर्ण था, ताकि लोग उससे सही मायने में जुड़ सकें। अर्शिन की भूमिका उनकी आवाज को बुलंद करती है क्योंकि वह मानवाधिकार परिषद, भारत सरकार और विभिन्न मंत्रालयों को इस तथ्य के प्रति सचेत करने का प्रयास करती है कि भारत में हिंदू भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, वहां पहुंचने पर उन्हें यह जानकर झटका लगा कि बंगाल में हिंदुओं की स्थिति बांग्लादेश जितनी ही खराब है। यह अहसास उनके लिए बहुत बड़ा है, खासकर तब जब उन्हें हिंदू बहुल देश में सुरक्षित रहने की उम्मीद थी। मैं राजकपूर हो गया फेम अभिनेत्री ने आगे कहा, यह फिल्म सुहासिनी की यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वह लव जिहाद का शिकार बनने के साथ कई बाधाओं से जूझती है। एक मुस्लिम व्यक्ति उसे शरण देता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उसने उसकी जान बख्श दी है, जबकि उसके दोस्तों ने अन्य शरणार्थियों को मार डाला है। सुहासिनी की जीवन यात्रा और न्याय के लिए उसकी लड़ाई फिल्म के केंद्र में है। अर्शिन ने खुलासा किया कि सुहासिनी ने जिस तरह का गहरा आघात सहा, उसके कारण उसका किरदार बेहद गंभीर था। अभिनेत्री ने आगे कहा, उसने अपने परिवार को मरते हुए देखा, जिससे वह गहरे सदमे में चली गई और सामान्य जीवन जीने में असमर्थ हो गई। पूरी फिल्म में कई गंभीर दृश्य थे और भूमिका के साथ न्याय करने के लिए मैं संगीत सुनती रही, जिससे मुझे किरदार में बने रहने और दृश्यों के लिए आवश्यक भावनाओं को बढ़ाने में मदद मिली। यह फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

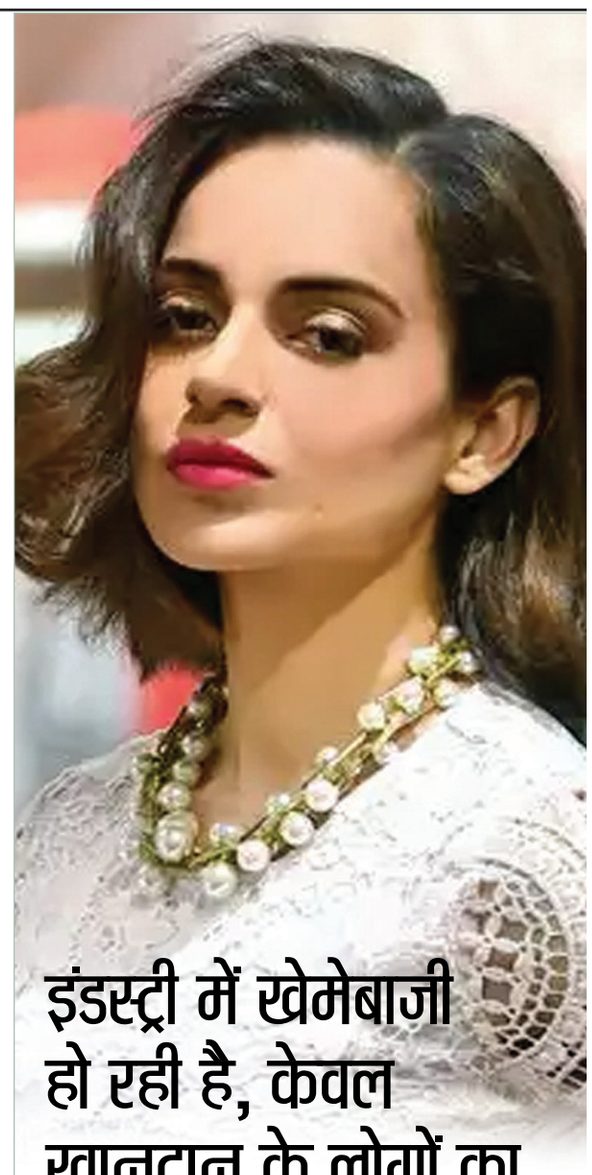

इंडस्ट्री में खेमेबाजी हो रही है, केवल खानदान के लोगों का साथ दिया जाता है

अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रणौत अपनी नई फिल्म इमरजेंसी का जमकर प्रचार कर रही है। फिल्म के रिलीज होने में अब चंद ही दिन बचे हैं। ऐसे में इसके प्रमोशन के लिए वो लगातार साक्षात्कार दे रही हैं और अपनी फिल्म और अपने करियर के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री पर भी अपनी बात रख रही है। हाल ही में, उन्होंने एक बार फिर से बॉलीवुड को निशाने पर लिया है। कंगना रणौत ने बॉलीवुड को निराशाजनक जगह बताते हुए कहा कि इस जगह का कुछ नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री के लोग प्रतिभाशाली लोगों से चिढ़ते हैं। उन्हें बदनाम करने के लिए अभियान चलाया जाता है। कंगना रणौत ने कहा कि इंडस्ट्री के कुछ अंदरूनी लोग प्रतिभाशाली लोगों के करियर को तबाह कर देते हैं। वे उनका खात्मा करने के लिए पीछे पड़ जाते हैं और टैलेंट से जलते हैं। कंगना ने यह भी कहा कि ऐसे लोग इस काम को गुपचुप तरीके से नहीं, बल्कि खुले अपने बारे में बात करते हुए कंगना ने कहा कि बहुत कम लोग ऐसे हैं, जिन्हें उनसे कोई दिक्कत है। उन्होंने कहा कि जो लोग उनके साथ जुड़े हैं, वे उन्हें प्यार करते हैं। कंगना ने कहा कि आज इंडस्ट्री में नई पीढ़ी के फिल्म निर्माता खेमेबाजी कर रहे हैं। पहले ऐसा नहीं हुआ करता था। उन्होंने के आसिफ, गुरु दत्त, बिमल रॉय और यश चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहा कि वे सभी विनम्रता से पेश आते थे और अलग ही किस्म के लोग थे, जबकि आज ऐसा नहीं है। इमरजेंसी का निर्देशन कंगना रणौत ने किया है और वही इसमें मुख्य भूमिका भी निभा रही है। यह फिल्म आपातकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें कंगना रणौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में दिखेंगी। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी और अनुपम खेर समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया है। इसे 6 सितंबर, 2024 को रिलीज किया जाएगा।

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के प्रीक्वल का हिस्सा होंगे ऋतिक रोशन?

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स- द रिंग्स ऑफ पावर सीजन 2 को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच जिस बात ने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया वह है बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के इसमें शामिल होने की संभावना। जी हां, हाल ही में शोरनर जे. डी. पायने ने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के भविष्य के सीजन में कलाकारों की सूची में शामिल होने की संभावना का संकेत दिया। जे.डी के बयान ने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। पायने ने अभिनेता मेगन रिचर्ड्स और मार्केला कावेनघ के साथ सीरीज में ऋतिक रोशन की संभावित भागीदारी पर चर्चा की। पायने ने बताया, पिछली बार जब मैं मुंबई में था, तो हमारी मुलाकात ऋतिक रोशन से हुई थी। वह अद्भुत थे। अगर सही भूमिका मिलती है तो दरवाजे खुले रहेंगे, अवसर मौजूद हैं। इस बयान ने उन प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है जो ग्रीक गॉड को फैंटेसी सीरीज में देखने के लिए उत्सुक हैं। जब द रिंग्स ऑफ पावर के आने वाले सीजन में अन्य भारतीय अभिनेताओं को शामिल करने के बारे में सवाल किया गया, तो पायने ने खुलासा किया कि शो में मेरिमैक की भूमिका निभाने वाले गैवी सिंह चेरा कलाकारों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हमने वास्तव में सीजन 2 में भारतीय अभिनेताओं को कास्ट किया...गैवी सिंह चेरा, वह बिल्कुल अद्भुत है।

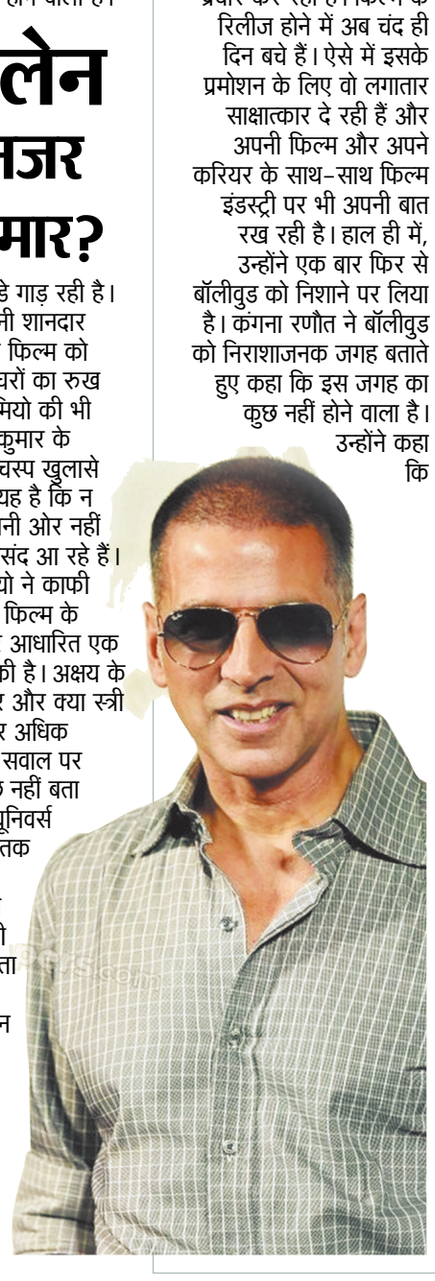

स्त्री 3 में विलेन की भूमिका में नजर आएंगे अक्षय कुमार?

स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ रही है। यह पहली हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जो इतनी शानदार कमाई कर रही है। अमर कौशिक की इस फिल्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार के कैमियो की भी खूब चर्चा हुई थी। अब हाल ही में, अक्षय कुमार के कैमियो पर लेखक निरेन भट्ट ने कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि न सिर्फ मुख्य कलाकार ही सबका ध्यान अपनी ओर नहीं खींच रहे हैं, बल्कि कैमियो भी सभी को पसंद आ रहे हैं। स्त्री 2 में अभिनेता अक्षय कुमार के कैमियो ने काफी चर्चा बटोरी है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में फिल्म के लेखक निरेन भट्ट ने अक्षय के किरदार पर आधारित एक स्टैंडअलोन फिल्म की संभावना पर चर्चा की है। अक्षय के किरदार के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर और क्या स्त्री यूनिवर्स की भविष्य के सीक्वल में उन्हें और अधिक प्रमुखता से पेश करने की योजना है। इस सवाल पर लेखक निरेन भट्ट ने बताया, मैं ज्यादा कुछ नहीं बता पाऊंगा। लेकिन, निश्चिंत रहें, हमारे पास यूनिवर्स के हर किरदार के लिए योजनाएं हैं। यहां तक कि उनमें से सबसे छोटे और सबसे बड़े किरदार के लिए भी। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में अक्षय की भूमिका और भी महत्वपूर्ण भूमिका में बदल सकती है। बता दें कि स्त्री 2 ने 14 अगस्त की रात को रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर तूफान मचा दिया। इस हॉरर-कॉमेडी को बॉलीवुड में अक्षय कुमार की खेल खेल में और जॉन अब्राहम की वेदा जैसी रिलीजों से टक्कर लेनी पड़ी। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित स्त्री 2 में श्रद्धा कपूर, अपारशक्ति खुराना, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

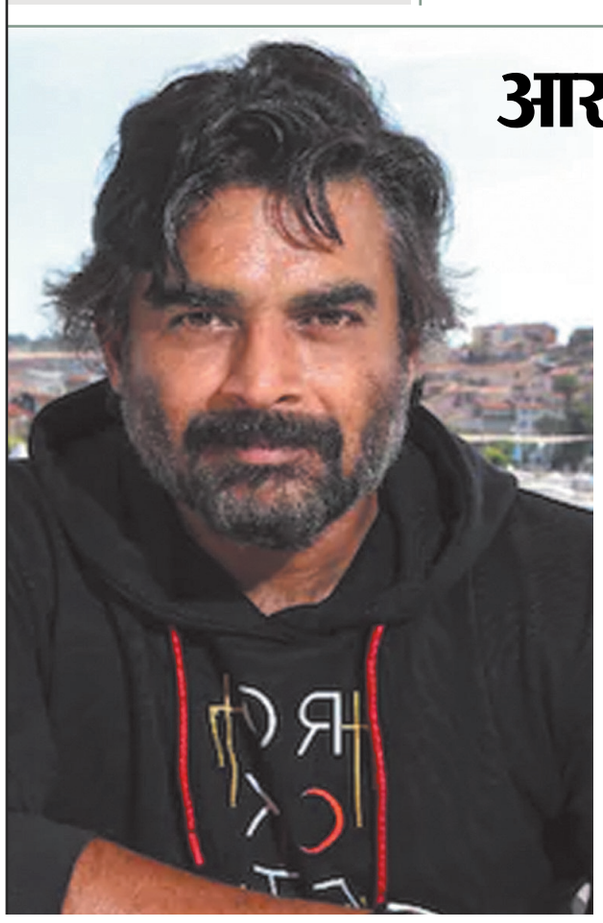

आर माधवन ने ठुकराया पान मसाला कंपनी का ब्रांड अंबेसडर बनने का प्रस्ताव

साल की पहली हिट हॉरर फिल्म 'शैतान' में विलेन के रोल में नजर आए अभिनेता आर माधवन इन दिनों खुद को नित नई चुनौती देने वाले किरदारों की तलाश में हैं। माधवन इन दिनों लंदन में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त है। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इसके अलावा वह मशहूर इंजीनियर गोपालस्वामी दुरईस्वामी की बायोपिक में भी काम करने जा रहे हैं। इस बीच, आर माधवन ने एक बड़ी पान मसाला कंपनी का ब्रांड अंबेसडर बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये कंपनी उन्हें सिर्फ अपनी फोटो छापने देने के एवज में करोड़ों रुपये देने का प्रस्ताव दे चुकी है। पान मसाला कंपनियों ने इन दिनों देश के हिंदी, तमिल, तेलुगु और यहां तक के हॉलीवुड सितारों तक के लिए अपनी तिजोरियां खोल रखी हैं। पियर्स ब्रॉसनन वाला विज्ञापन तो लोगों को अब तक याद है। इसके अलावा अमिताभ बच्चन, रणवीर सिंह, अजय देवगन, अक्षय कुमार, शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी तक सब किसी न किसी पान मसाले का विज्ञापन करते नजर आते ही रहते हैं। साउथ में महेश बाबू और युवा पीढ़ी के सितारों में टाइगर श्रॉफ तक पान मसाला विज्ञापनों में नजर आ चुके हैं। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश की एक बड़ी पान मसाला कंपनी को इन दिनों एक ऐसे घरेलू चेहरे की तलाश है जो उनके मसाले की पहुंच युवाओं के बीच और बढ़ा सके। सूत्र बताते हैं कि हिंदी सिनेमा के एक दो बड़े नामों की चर्चा के बाद संबंधित पान मसाला कंपनी को आर माधवन का प्रोफाइल और उनकी फैन फॉलोइंग काफी पसंद आई है। इस बारे में कंपनी ने ग्राउंड रिसर्च भी काफी की और पता चला कि माधवन पर दर्शकों का भरोसा और उनकी फिल्मों को लेकर बनी उनकी छवि का उनकी असल जिंदगी से सीधा तारतम्य बैठता है। ब्रांड की छवि के साथ माधवन की भरोसे की छवि के मैच होने का भी इस चुनाव को फायदा मिला। माधवन को पान मसाले के विज्ञापन का ये प्रस्ताव काफी उम्मीद से भेजा गया था और पान मसाला कंपनी को उम्मीद थी कि उनके प्रस्ताव को वह स्वीकार कर भी लेगें। लेकिन, सूत्र बताते हैं कि माधवन ने करोड़ों का ये प्रस्ताव पहली बार में ही नकार दिया। माधवन इन दिनों फिल्म और टीवी प्रशिक्षण संस्थान, पुणे के अध्यक्ष भी हैं और शुरू से उन्होंने खुद को ऐसे विज्ञापनों से दूर ही रखा है जो युवाओं के सेहत पर बुरा असर डालते हैं। यहां दिलचस्प ये भी है कि युवाओं में अपनी फिटनेस के लिए काफी मशहूर रहे अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ दोनों पान मसाला का विज्ञापन करते हैं और दोनों की फिल्में लगातार फ्लॉप होती रही हैं। मनोज बाजपेयी ने भी लंबे समय तक एक पान मसाला का विज्ञापन किया और बड़े परदे पर बतौर हीरो उनकी पारी भी करीब करीब पूरी हो चुकी है। रणवीर सिंह का फिल्मी करियर भी पान मसाला का विज्ञापन करने के बाद से डांवाडोल ही चल रहा है। अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और अजय देवगन ही ऐसे सितारे हैं जिनके पान मसाला विज्ञापन करने के बाद भी उनकी सिनेमाई ब्रांड वैल्यू पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है।

कोहरा 2 का हुआ एलान, इस बार नए रहस्यों से पर्दा उठाएंगे बरुण सोबती

ओटीटी पर यूं तो बड़ी संख्या में वेब सीरीज मौजूद हैं, लेकिन कुछ ही ऐसे शोज हैं, जिन्होंने लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ी हैं। नेटफ्लिक्स की कोहरा भी उन्हीं में एक है। इस शो को समीक्षकों के साथ आम लोगों ने भी खूब पसंद किया। अब इसका दूसरा सीजन भी जल्द ही दर्शकों देखने को मिल सकेगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने इस क्राइम थ्रिलर सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा कर दी। अभिनेता बरुन सोबती इस सीजन में अपने किरदार को फिर से निभाते दिखेंगे। वहीं, मोना सिंह की भी अब शो में एंट्री हो गई है। इस शो का निर्देशन सुदीप शर्मा फैसला रहमान के साथ मिलकर करेंगे। इसका निर्माण एक्ट थ्री प्रोडक्शंस और फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शंस की ओर से किया जाएगा। शो में लोगों को नए रहस्यों की नई खोजबीन देखने को मिलेगी।